12 अक्टूबर 2025
रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण



विस चुनाव में युवा मतदाता, बनेंगे भाग्य विधाता

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

बिहार चुनाव : दिल्ली में एनडीए की महाबैठक में शीर्ष नेता कर रहे मंथन

- बढ़ती हुई आबादी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उठाया बड़ा कदम

एजेंसी। नई दिल्ली।

बिहार विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में बातचीत का दौर अब अंतिम चरण है। भाजपा और जदयू ने अपने कई पुराने चेहरों को हरी झंडी भी दे दी है। लेकिन, अब तक औपचारिक रूप से घोषणा नहीं की है। यह घोषणा आज शाम तक संभावित है। लेकिन, इससे पहले भारतीय जनता पार्टी की कोर कमेटी के सदस्य दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पर जुटे हैं। गृह मंत्री अमित शाह, बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय राज्य मंत्री



नित्यानंद राय समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता सीट शेयरिंग समेत कई मुद्दों पर बातचीत कर रहे हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीट बंटवारे का काम 95 फीसदी तक हो चुका है। भाजपा और जदयू दोनों 100 से अधिक पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। केंद्रीय चिराग पासवान की पार्टी को 28, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को आठ और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को करीब पांच सीटें भाजपा और जदयू देना चाहती है। लेकिन, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा मानने को तैयार नहीं। चिराग 35 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। वहीं जीतन राम मांझी का तर्क है कि राज्य स्तर की पार्टी बनने के लिए आठ विधायक चाहिए। हमारे पास पहले से चार विधायक हैं। ऐसे में 15 सीटों से कम पर चुनाव हमलोग नहीं लड़ कसते हैं। वहीं आरएलएसपी के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने 24 सीटों की मांग की है। तीनों पार्टी के नेताओं ने चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मिलकर अपनी-अपनी बात रख दी है। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने दावा किया है कि एनडीए के घटक दलों के कहीं कोई मतभेद नहीं है। सबलोग एकजुट हैं। जल्द ही सीट बंटवारे का एलान कर दिया जाएगा। बिहार चुनाव को लेकर बीजेपी के साथ सीट बंटवारे की बातचीत पर एलजेपी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि बातचीत सकारात्मक ढंग से चल रही है और अब अपने अंतिम चरण में है। जिस घोषणा का इंतजार आपलोग कर रहे हैं, वह भी जल्द होने वाली है। हमलोग हर एक चीजों पर विस्तार से चर्चा कर रहे हैं। ताकि बाद में गठबंधन के अंदर किसी भी चीजों को लेकर कोई संशय नहीं हो। हम हर छोटे-बड़े मुद्दे, सीटों, उम्मीदवारों और प्रचार को लेकर विस्तृत चर्चा कर रहे हैं। जहां पर मेरे प्रधानमंत्री हैं, वहां पर मुझे अपने सम्मान करने की चिंता नहीं है।

भाजपा की लगभग 40 सीटें स्पष्ट

बिहार विधानसभा चुनाव को एनडीए में अब तक सीट बंटवारे का एलान नहीं हुआ है। लेकिन, सोशल मीडिया पर भाजपा के कई संभावित उम्मीदवारों की सूची सामने आई है। दावा किया जा रहा है कि भाजपा आलाकमान की ओर से कई सीटों पर प्रत्याशियों के नाम मुहर लगा दी गई है। इस सूची में भाजपा मौजूदा विधायक, मंत्री और संगठन से जुड़े वरिष्ठ नेता शामिल हैं। आलाकमान ने इन्हें सर्वे और समीकरण में फिट पाया है। सोशल मीडिया पर भी एक सूची वायरल हो रही है। इस सूची को लेकर सियासी गलियारे में चर्चा तेज है। हालांकि, भाजपा ने इस सूची की पुष्टि नहीं की है। कहा है कि भाजपा अपने हिस्से की सीटों पर उम्मीदवारों की अंतिम सूची केंद्रीय चुनाव समिति से मंजूरी के बाद जारी करेगा।

चीन सीमा पर चौकन्ना और सावधान रहने की जरूरत : सीडीएस जनरल अनिल चौहान



एजेंसी। नई दिल्ली

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि सीमावर्ती होने के कारण उत्तराखंड सामरिक रूप से बहुत संवेदनशील और महत्वपूर्ण राज्य है और चीन सीमा पर चौकन्ना और सावधान रहने की जरूरत है. यहां पूर्व सैनिकों की एक रैली को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि उत्तराखंड की चीन के साथ 350 किलोमीटर और नेपाल के साथ 275 किलोमीटर सीमा लगती है, जो राज्य को सुरक्षा के दृष्टिकोण से संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाती है. उन्होंने कहा, 'उत्तराखंड का चीन के साथ बॉर्डर बहुत शांत है और इसलिए कभी-कभी हम यह भूल जाते हैं कि उत्तराखंड एक सीमावर्ती राज्य है. हमें ध्यान रखना चाहिए कि एलएसी (नियंत्रण रेखा) और सीमा को लेकर चीन के साथ हमारे थोड़े मतभेद हैं और कभी-कभी ये उजागर हो जाते हैं, जैसे बाराहोती के इलाके में. इस कारण हम सबको चौकन्ना और सावधान रहना पड़ेगा. प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने सीमावर्ती इलाकों के लोगों से सीमा की सुरक्षा में सक्रिय भागीदारी की अपील की और कहा कि सीमाओं की निगरानी केवल सेना की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों की सजगता भी उतनी ही अहम है.सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों खासतौर से पूर्व सैनिकों को 'आंखें' बताते हुए सीडीएस ने कहा कि यदि वे सतर्क रहेंगे तो सीमाएं और भी मजबूत रहेंगी।

विस चुनाव 2020 में 144 पर उतारें थे उम्मीदवार जिसमें 75 जीतें

लालू तेजस्वी ने की मीटिंग, राजद ने 80 उम्मीदवारों का लिया फैसला



एजेंसी। पटना

इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग का फामूर्ला पूरी तरह तय नहीं हुआ है। कांग्रेस, वाम दल और वीआईपी की मांग ने पहले से ही तेजस्वी यादव की टेंशन बढ़ा रखी है। पहले चरण की सीटों के उम्मीदवार भी अपने समर्थकों के साथ राबड़ी आवास और तेजस्वी यादव के आवास के बाहर कैंप कर रहे हैं। कुछ प्रत्याशी के समर्थक तो पिछले पांच दिनों से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। सभी राजद के प्रत्याशियों की सूची जारी करने की मांग कर रहे हैं। इन मुद्दों को देखते हुए आज राबड़ी आवास पर राष्ट्रीय जनता दल की एक कार्यालय बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव ने की। इसमें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अब्दुल बारीक सिद्दीकी, उदय नारायण चैधरी और आलोक मेहता शामिल हुए। करीब 2 घंटे चली बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग, उम्मीदवारों के चयन, चुनाव प्रचार-प्रसार समेत कई विषयों पर चर्चा की गई।करीब 80 से अधिक सीटें ऐसी हैं, जहां उम्मीदवारों का फैसला राजद के शीर्ष नेतृत्व ने कर लिया है। तेजस्वी यादव इस बार खुद ही हर एक सीट पर उतारे गए उम्मीदवार की समीक्षा कर रहे हैं। टिकट उन्हीं को दिया जा रहा है जो मजबूती से राजद का झंडा उस विधानसभा में बुलंद कर हर हाल में जीत दिला सके। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा कि पिछले बीस साल से बिहार में काबिज खटारा सरकार से जनता उबर चुकी है।

सीट शेयरिंग में आरजेडी के सामने नहीं चली कांग्रेस की, मिली 58 सीटें

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में महागठबंधन के भीतर सीट बंटवारे का समीकरण अब लगभग तय हो चुका है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी ने इस बार सिर्फ 58 सीटों पर चुनाव लड़ने की सहमति जताई है। यह 2020 के मुकाबले 12 सीटें कम हैं, जब पार्टी ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था और केवल 19 सीटें जीत पाई थी। यह समझौता कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और तेजस्वी यादव के बीच हुई बैठक में लगभग तय हो गया है। आधिकारिक ऐलान आने में कुछ वक्त लग सकता है, लेकिन सियासी गलियारों में इसे कांग्रेस की रणनीतिक ह्यपीछे हटनेह्न की नीति के रूप में देखा जा रहा है। तेजस्वी यादव की पार्टी स्वाभाविक रूप से अपने कोर इलाकों में ज्यादा सीटें रखना चाहती है। इसलिए कांग्रेस को 58 सीटों पर सीमित रहना पड़ा, ताकि गठबंधन की एकता बनी रहे। कांग्रेस समर्थक नेता यह तर्क दे रहे हैं कि इस बार पार्टी ने संख्या नहीं, गुणवत्ता पर फोकस किया है। 2020 में उसे जो 70 सीटें मिली थीं, उनमें से अधिकतर हारने वाली सीटें मानी जाती थीं। इस बार कांग्रेस चाहती है कि उसे ऐसी सीटें मिलें जहां उसका पारंपरिक जनाधार या स्थानीय प्रभाव हो। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस अपने 17 में से 15 मौजूदा विधायकों को दोबारा टिकट देने जा रही है। दो सीटों पर नाम होल्ड पर हैं, जिन पर बदलाव संभव है या वे सीटें राजद के साथ अदला-बदली की जा सकती हैं।



कांग्रेस ने फडणवीस की तुलना मुगलों से की

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में जारी गर्माहट के बीच राज्य कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर बड़ा जुबानी हमला बोला। उन्होंने फडणवीस की तुलना मुगल शासकों से कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि फडणवीस राज्य में अव्यवस्था को बढ़ावा दे रहे हैं और गलत काम करने वाले मंत्रियों को बचा रहे हैं। सपकाल ने कहा कि जैसे पहले मुगल थे, वैसे ही अब राज्य में फडणवीस की शाही चल रही है। सपकाल ने कटाक्ष करते हुए कहा कि महायुति के मंत्रियों को खुली छूट है ह्यजो करना है करो, फडणवीस आपके साथ हैं। बता दें



कि राज्य कांग्रेस अध्यक्ष बयान तब आया जब फडणवीस ने एक दिन पहले कहा था कि गैंगस्टर निलेश घायवाल के भाई सचिन घायवाल को कोई हथियार लाइसेंस नहीं दिया गया है। लेकिन विपक्ष का आरोप है कि पुणे पुलिस की आपत्तियों के बावजूद सचिन को लाइसेंस दिया गया। इसमें गृह राज्यमंत्री योगेश कदम की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। सपकाल कल्याण में डिप्टी पुलिस कमिश्नर के दफ्तर के बाहर धरने पर बैठे थे। यह प्रदर्शन उस घटना के खिलाफ था जिसमें वरिष्ठ वकील राकेश किशोर ने बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। सपकाल ने इसे संविधान और न्यायपालिका का अपमान बताया। उन्होंने किसान कर्जमाफी की भी मांग दोहराई। वहीं कांग्रेस नेता के बयान पर भाजपा ने भी पलटवार कर जमकर निशाना साधा। पार्टी के मीडिया प्रमुख नवनाथ बन ने सपकाल की तुलना जलियांवाला बाग के जनरल डायर से की।

पीयूष गोयल ने की कनाडा के समकक्ष के साथ की वर्चुअल बैठक

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और कनाडा के बीच हाल के दिनों रिश्ते तनावपूर्ण रहे। हालांकि मार्क कार्नी के कनाडा के पीएम बनने के बाद से दोनों देशों के रिश्ते में कुछ सकारात्मक पहल भी देखने को मिले। ऐसे में अब भारत और कनाडा के रिश्तों को और मजबूत करने के लिए साथ ही आर्थिक संबंधों में सुधार के लिए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के बीच अहम चर्चा हुई। इस दौरानों दोनों नेताओं ने भारत और कनाडा के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। इसके अलावा नेताओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे, सम्मान और संतुलन पर आधारित साझेदारी को आगे बढ़ाने की बात भी कही। कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ हुई इस बैठक के बारे में पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि हमने ऐसे अवसरों पर चर्चा की जो दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विशेषताओं का लाभ उठाते हुए व्यापार को आगे बढ़ा सकते हैं। मैंने जोर देकर कहा कि भारत-कनाडा के व्यापारिक रिश्ते आपसी सम्मान, विश्वास और संतुलन पर आधारित होने चाहिए।

ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर धमकी और डिजिटल स्टॉकिंग को लेकर चिंता जताई

जब तक बेटियां डर में रहेगी नहीं होगा विकास : गवई

एजेंसी। नई दिल्ली

चीफ जस्टिस बीआर गवई ने डिजिटल एज में देश की लड़कियों की सुरक्षा को लेकर ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर धमकी और डिजिटल स्टॉकिंग को लेकर चिंता जताई। उन्होंने इस संदर्भ में विशेष कानून बनाए जाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों व नीति निर्धारकों को स्पेशल ट्रेनिंग की वकालत की। सीजेआई बी.आर. गवई ने शनिवार को ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर धमकी और डिजिटल स्टॉकिंग के साथ-साथ व्यक्तिगत डेटा और



डीपफेक तस्वीरों के कारण लड़कियों के विशेष रूप से संवेदनशील स्थिति में होने को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने इस संदर्भ में विशेष कानून बनाए जाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों व नीति निर्धारकों को स्पेशल ट्रेनिंग देने की आवश्यकता पर जोर दिया। डिजिटल स्टॉकिंग इंटरनेट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग करके किसी व्यक्ति को परेशान करना, धमकाना या उसका पीछा करने को कहते हैं। चीफ जस्टिस ने यूनिसेफ, भारत के सहयोग से सुप्रीम कोर्ट की किशोर न्याय समिति के तत्वावधान में आयोजित ष्बालिकाओं की सुरक्षारू भारत में उनके लिए सुरक्षित और सक्षम वातावरण की ओरष विषय पर राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श में अपनी चिंता व्यक्त की।

बुनियादी साधनों से भी वंचित

उन्होंने कहा कि संवैधानिक और कानूनी संरक्षण के बावजूद देश भर में अनेक बालिकाओं को अब भी उनके मौलिक अधिकारों और यहां तक कि जीवन-निर्वाह के बुनियादी साधनों से भी वंचित रहना पड़ रहा है। यह असुरक्षा उन्हें यौन शोषण, उत्पीड़न और हानिकारक प्रथाओं तथा अन्य गंभीर जोखिमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना देती है। चीफ जस्टिस ने कहा कि बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल उसके शरीर की रक्षा करना नहीं है, बल्कि उसकी आत्मा को मुक्त करना है। एक ऐसा समाज बनाना जहां वह सम्मान के साथ अपना सिर ऊंचा रख सके और जहां उसकी आकांक्षाएं शिक्षा और समानता से पोषित हों... हमें उन गहरी जड़ें जमाए हुए पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों का सामना करना होगा और उन पर विजय प्राप्त करनी होगी जो लड़कियों को उनके उचित स्थान से वंचित करते हैं।



रोमांच से भरपूर रहा जिलास्तरीय विद्यालय खेल-कूद प्रतियोगिता का तीसरा दिन

- कबड्डी, खो-खो, फुटबॉल, हैंडबाल व जूडो में छात्रों ने दिखाया दमखम



केटी न्यूज/बक्सर

खेल विभाग, बिहार सरकार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना तथा जिला प्रशासन, बक्सर के सौजन्य से आयोजित जिलास्तरीय विद्यालय खेल-कूद प्रतियोगिता 2025 पूरे उत्साह के साथ जारी है। यह प्रतियोगिता 09 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक चलेगी। शनिवार को प्रतियोगिता के तीसरे दिन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल भावना का परिचय दिया। तीसरे दिन के खेलों में कबड्डी (बालिका) अंडर-14, अंडर-16, अंडर-19 एवं खो-खो (बालक एवं बालिका) अंडर-14, अंडर-16, अंडर-19 का आयोजन आईटीआई मैदान में किया गया। वहीं वॉलीबॉल (बालक-बालिका) और फुटबॉल (बालक) प्रतियोगिता किला मैदान, बक्सर में संपन्न हुई। हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन सुमेश्वर स्थान, सिपाही घाट में तथा जूडो प्रतियोगिता कला भवन, बक्सर में हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ उपाधीक्षक (शारीरिक शिक्षा) बक्सर आलोक कुमार वत्स द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है, यह अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास सिखाता है। तीसरे दिन के सफल आयोजन में मदन कुमार, अशोक कुमार, अश्वनी कुमार राय, वशिष्ठ प्रसाद, मोहन सिंह, सुनील कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, त्रिलोकी नाथ तिवारी, राजू कुमार, गिरीश कुमार उपाध्याय, दयाशंकर पाल, राकेश रंजन उपाध्याय, संजय कुमार सिंह, सत्येन्द्र कुमार सिंह, मु. मुस्लिम, कौशल कुमार राय, सत्येन्द्र सिंह यादव, जितेन्द्र मिश्र, सच्चिदानन्द, कंचन कुमारी, लब्ली दर्शनम, गीता कुमारी, कुमारी वन्दना सिंह एवं खुशबू कुमारी सहित अन्य शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। दिनभर चले विभिन्न प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। देर रात तक मुकाबले जारी रहे और सभी आयोजन स्थलों पर दर्शकों की भीड़ ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। शनिवार को आयोजित खेल प्रतियोगिता में हैंडबाल अंडर-17, बालक वर्ग में विजेता उच्च विद्यालय, नैनीजोर, उपविजेता इंदिरा उच्च विद्यालय, बक्सर बना। फुटबॉल अंडर-17, बालक वर्ग में विजेता राज उच्च विद्यालय, डुमरांव तथा उपविजेता उच्च विद्यालय, नवानगर, खो-खो अंडर-14, बालिका वर्ग में विजेता मध्य विद्यालय, पाण्डेयपट्टी तथा उपविजेता फाउंडेशन स्कूल, बक्सर बना। खो-खो अंडर-14, बालक वर्ग में विजेता मध्य विद्यालय, पाण्डेयपट्टी व उपविजेता फाउंडेशन स्कूल, बक्सर। खो-खो अंडर-17, बालिका वर्ग में विजेता मैथोडिस्ट इंग्लिश स्कूल, बक्सर जबकि उपविजेता कैम्ब्रिज स्कूल, डुमरांव, खो-खो अंडर-17, बालक वर्ग में विजेता फाउंडेशन स्कूल, बक्सर व उपविजेता मैथोडिस्ट इंग्लिश स्कूल, बक्सर। कबड्डी अंडर-17, बालक वर्ग में विजेता उच्च माध्यमिक विद्यालय, कॉट तथा उपविजेता उच्च विद्यालय, सिमरी कबड्डी अंडर-17, बालिका वर्ग में विजेता उच्च माध्यमिक विद्यालय, कॉट जबकि उपविजेता उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगदीशपुर (कुल्हड़िया)। कबड्डी अंडर-19, बालक वर्ग में विजेता उच्च विद्यालय, बलिहार व उपविजेता उच्च विद्यालय, सिमरी बना। प्रतियोगिता के अगले व अंतिम दिन रविवार को फाइनल मुकाबलों के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। विजेता टीमों को पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

विस चुनाव में युवा मतदाता, बनेंगे भाग्य विधाता



- मतदाता जागरूकता अभियान से गांव-गांव गूंज रहा लोकतंत्र का संदेश

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधान सभा चुनाव 2025 की घोषणा के साथ ही जिले में मतदाता जागरूकता की गतिविधियां जोरों पर हैं। प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे स्वीप कार्यक्रम के तहत गांव-गांव, प्रखंड से लेकर विद्यालयों तक जागरूकता की लहर दौड़ गई है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह के निर्देशन में यह अभियान पूरी ताकत से चलाया जा रहा है।

इस बार पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं में खासा जोश देखने को मिल रहा है। प्रशासन द्वारा लगातार चलाए जा रहे प्रेरणात्मक अभियानों का असर अब युवाओं पर साफ दिख रहा है। कॉलेजों और स्कूलों में छात्र-छात्राएं लोकतंत्र के इस पर्व में शामिल होने को उत्सुक हैं। वे न केवल खुद वोट देने की तैयारी कर रहे हैं, बल्कि अपने परिवार और दोस्तों को भी मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

हर गांव में गूंज रहा पहले मतदान फिर जलपान

जिले के ग्रामीण इलाकों में मतदाता जागरूकता अभियान का रंग अब जन-जन तक पहुंच चुका है। गांवों में प्रभात फेरी, रंगोली प्रतियोगिता, साइकिल रैली और हस्ताक्षर अभियान के जरिए लोगों को मतदान का महत्व समझाया जा रहा है। स्कूली छात्र-छात्राएं हाथों में तख्तियां लेकर पहले मतदान फिर जलपान, वोट है हमारा अधिकार और शत-प्रतिशत मतदान हमारा लक्ष्यह्व जैसे नारे लगाकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

जीविका दीदियों की भूमिका सराहनीय

स्वीप कार्यक्रम में जीविका दीदियों, सेविका-सहायिकाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और स्काउट-गाइड सदस्यों की सक्रिय भागीदारी अभियान की खासियत बन गई है। ये सभी घर-घर जाकर महिलाओं को मतदान के प्रति जागरूक कर रही हैं। महिलाओं में भी अपने मताधिकार को लेकर जागरूकता बढ़ी है।

विद्यालयों में क्विज, निबंध व वाद-विवाद प्रतियोगिताएं

युवा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिले के सभी कॉलेजों और विद्यालयों में क्विज, वाद-विवाद और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं में न केवल मतदान का महत्व बताया जा रहा है, बल्कि उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सहभागी बनने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है।

छह नवंबर को होगा लोकतंत्र का पर्व

प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि आगामी 06 नवंबर 2025 को अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुँचकर अपने मत का प्रयोग अवश्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि हर एक वोट लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है। इसलिए सभी मतदाता पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ मतदान करें। बक्सर में इस बार का चुनाव केवल एक राजनीतिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति लोगों के जागरूकता और जिम्मेदारी का प्रतीक बन गया है। पहली बार वोट डालने वाले युवा मतदाताओं का उत्साह इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेटों ने सीखी अनुशासन और देशसेवा की भावना

केटी न्यूज/बक्सर

30 बिहार बटालियन एनसीसी बक्सर के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ 11 अक्टूबर को कैंप कमांडेंट कर्नल रितेश रंजन के नेतृत्व में डीके कॉलेज डुमरांव में हुआ। दस दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन कर्नल रितेश रंजन द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कैडेटों को फायर फाइटिंग, आपदा प्रबंधन, शारीरिक प्रशिक्षण, नशामुक्ति, मोटिवेशन और हेल्थ हाइजीन के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। शनिवार को आयोजित सत्र में जिला टीम के अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही एनसीसी अधिकारियों ने कैडेटों को अनुशासन, आत्मनिर्भरता और समाज सेवा की दिशा में प्रेरित किया। शिविर में नशा उन्मूलन एवं स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कैडेटों के लिए ड्रिल, योग, शारीरिक प्रशिक्षण, बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इस शिविर में बक्सर जिले के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों जैसे एम.पी. हाई स्कूल, राज हाई स्कूल, डीएसएसवी कॉलेज सिमरी, कृषि कॉलेज, पीसी कॉलेज, जीबी कॉलेज, एसएम कॉलेज डुमरांव आदि के लगभग 600 कैडेटों ने भाग लिया। 30 बिहार बटालियन एनसीसी के सूबेदार मेजर दुबराज साहू, सूबेदार मुकेश कुमार, सूबेदार अरविंद कुमार, नायक सूबेदार सी.एस. सिंह, बी.एच.एम. राहुल कुमार सिंह, सी.एच.एम. नितीश कुमार, सी.एच.एम. नवीन कुमार समेत कई एनसीसी अधिकारी उपस्थित रहे।

डुमरांव में युवराज शिवांग बने जन सुराज के प्रत्याशी

केटी न्यूज/डुमरांव



डुमरांव की सियासत में एक बड़ा मोड़ आ गया है। स्व महाराजा चंद्रविजय सिंह की तेरहवीं समारोह में जहां माहौल श्रद्धा का था, वहीं मंच से राजनीति का नया अध्याय शुरू हो गया। जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने घोषणा की कि डुमरांव विधानसभा सीट से महाराज चंद्र विजय सिंह के पुत्र युवराज शिवांग विजय सिंह पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी होंगे। इस घोषणा के साथ ही न सिर्फ श्रद्धांजलि समारोह चर्चा में आ गया, बल्कि डुमरांव की राजनीति भी नए सिरे से गरमाने लगी है। उदय सिंह ने कहा कि शिवांग सिंह राजपरिवार की परंपरा और जनता की आकांक्षाओं का संगम हैं, एक ऐसा चेहरा जो परंपरा का सम्मान करते हुए आधुनिक नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि शिवांग सिंह के नेतृत्व में डुमरांव विकास की नई इबारत लिखेगा। इस मौके पर सहरसा प्रत्याशी किशोर कुमार मुन्ना, बक्सर जिला अध्यक्ष दिवाकर पाठक और मुख्य प्रवक्ता अजय मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम श्रद्धांजलि का था, लेकिन माहौल चुनावी रंग में रंग गया। गौरतलब है कि वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में युवराज शिवांग ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में 9,390 वोट पाकर चौथा स्थान हासिल किया था। तब उनका प्रदर्शन इस बात का संकेत था कि जनता उनसे गहरा जुड़ाव महसूस करती है। अब जन सुराज के साथ उनकी एंट्री ने विपक्षी दलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि शिवांग सिंह की लोकप्रियता और राजपरिवार की साख मिलकर डुमरांव के चुनावी समीकरणों को पूरी तरह बदल सकती है। यह तय है कि इस बार की जंग सिर्फ वोटों की नहीं, बल्कि परंपरा और परिवर्तन की टक्कर बनने जा रही है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

सशक्त बालिका, सशक्त समाज की दिशा में बक्सर ने बढ़ाया कदम

- डीएम ने किया संवाद की शुरूआत, बालिकाओं ने पूछे तीखे सवाल, मतदान, ईवीएम और समान अवसर पर खुली चर्चा



केटी न्यूज/बक्सर

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शनिवार को बक्सर जिला प्रशासन की ओर से एक प्रेरक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी शुरूआत जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने दीप प्रज्वलित कर की। कार्यक्रम में उन्होंने छात्राओं से सीधे संवाद कर उन्हें आत्मविश्वास और जागरूकता की नई दिशा दी।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने जिलाधिकारी से बेबाकी से सवाल पूछे, कम मतदान प्रतिशत, जाति-धर्म आधारित मतदान, और ईवीएम की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा ने माहौल को और अधिक सार्थक बना दिया। जिलाधिकारी और उप विकास आयुक्त ने हर प्रश्न का विस्तार से जवाब देते हुए बालिकाओं को लोकतंत्र की बारीकियों से अवगत कराया।

इस मौके पर बाल कल्याण समिति की अध्यक्षा ने बालिकाओं से संबंधित कानूनों, अधिकारों और सुरक्षा उपायों पर जानकारी दी। वहीं साइबर थाना की महिला अवर निरीक्षक ने सोशल मीडिया के उपयोग, साइबर अपराध से बचाव और मोबाइल सुरक्षा पर उपयोगी सुझाव साझा किए।

कार्यक्रम में जिला के युथ स्वीप आइकॉन अभिराम ने मतदाता जागरूकता पर बालिकाओं से संवाद किया और कहा कि जागरूक मतदाता ही मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं।

बालिकाओं के बीच सशक्त बालिका, सशक्त समाज और सशक्त मतदान विषय पर पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विजेताओं को जिलाधिकारी डॉ. सिंह ने प्रमाणपत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

उप विकास आयुक्त बक्सर ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में बेटियों के अधिकार, शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसरों को लेकर निरंतर जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अभी भी समाज के कई हिस्सों में बेटियां शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम बेटियों को समान अधिकार और सम्मान दिलाएं। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर आगामी विधानसभा चुनाव के प्रति जागरूकता फैलाने की अपील करते हुए कहा कि हर नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करे। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त बक्सर, अपर समाहर्ता, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस), जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला मिशन समन्वयक, केंद्र प्रशासक, लैंगिक विशेषज्ञ सहित कई अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। यह आयोजन बालिकाओं में आत्मविश्वास, जागरूकता और सामाजिक भागीदारी की भावना को मजबूत करने वाला साबित हुआ।



मतदान कर्मियों के प्रथम प्रशिक्षण का अपर समाहर्ता ने किया निरीक्षण



■ दो प्रशिक्षण केंद्रों पर हो रहा मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण, ईवीएम-वीवीपैट का कराया जा रहा अभ्यास

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन-2025 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से बक्सर जिला प्रशासन द्वारा मतदान कर्मियों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण जोर-शोर से कराया जा रहा है। शनिवार को अपर समाहर्ता अरूण कुमार सिंह ने एम.पी. हाई स्कूल, बक्सर स्थित प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता ने प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं, उपस्थिति, प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं तकनीकी पहलुओं की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल कर्मियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनके अनुभव और प्रशिक्षण से संबंधित फीडबैक भी लिया।

अपर समाहर्ता ने बताया कि विधान सभा आम निर्वाचन-2025 के सफल संचालन हेतु जिले में कुल दो प्रशिक्षण केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें एम.पी. हाई स्कूल, बक्सर एवं नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय, बक्सर शामिल है। प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 अक्टूबर से 17 नवंबर 2025 तक चलेगा, जिसमें रविवार को अवकाश रहेगा। यह प्रशिक्षण प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित किया जा रहा है ताकि सभी मतदान कर्मियों को समय पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत पीठासीन पदाधिकारी एवं मतदान पदाधिकारी-01 का प्रशिक्षण एम.पी. हाई स्कूल, बक्सर में जबकि मतदान पदाधिकारी-02 एवं 03 का प्रशिक्षण नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय, बक्सर में कराया जा रहा है।

अपर समाहर्ता ने बताया कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, बक्सर के निर्देशन में यह पूरा प्रशिक्षण निर्वाचन आयोग के अद्यतन दिशा-निदेर्शों के अनुरूप संचालित हो रहा है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण प्रबंधन कोषांग के नोडल पदाधिकारी एवं सहयोगी पदाधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं।

प्रशिक्षण सत्र में ईवीएम एवं वीवीपैट के संचालन का हैंड्स-ऑन अभ्यास कराया जा रहा है, ताकि मतदान के दिन किसी प्रकार की तकनीकी समस्या न उत्पन्न हो। मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को सभी आवश्यक प्रपत्र भरने, मतदान पर्चियों की गिनती, मॉक पोल की प्रक्रिया और अन्य तकनीकी बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

जिला प्रशासन का कहना है कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सभी मतदान कर्मियों को चुनावी प्रक्रिया की गहराई से जानकारी देना है, जिससे मतदान कार्य सुचारू, पारदर्शी और निष्पक्ष रूप से सम्पन्न हो सके।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव के आधार हैं सेक्टर पदाधिकारी : जिलाधिकारी



■ राजकीय अभियंत्रण कॉलेज महदह में सेक्टर पदाधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों का संयुक्त प्रशिक्षण-समीक्षा बैठक संपन्न

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने हेतु शनिवार को राजकीय अभियंत्रण कॉलेज, महदह में सेक्टर पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ प्रशिक्षण एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से की।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सेक्टर पदाधिकारी चुनाव की रीढ़ होते हैं, जिन पर निर्वाचन प्रक्रिया के संचालन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। उन्होंने कहा कि आपका दायित्व मतदान की तैयारी से लेकर मतदान समाप्त होने और ईवीएम जमा कराने तक निरंतर बना रहता है। इसलिए हर सेक्टर पदाधिकारी को अपने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, मतदान केंद्रों की संख्या, संवेदनशीलता और स्थानीय संसाधनों की पूरी जानकारी होनी चाहिए।

डॉ. सिंह ने निर्देश दिया कि सेक्टर पदाधिकारी ईवीएम की सुरक्षा, मतदान दलों की सुचारू आवाजाही तथा मतदान प्रक्रिया की निगरानी पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि आपके अधीनस्थ सभी पोलिंग बूथों पर मॉक पोल, सीलिंग, वास्तविक मतदान और अंतिम रिपोर्टिंग की पूरी जवाबदेही आप पर है। किसी भी प्रकार की लापरवाही चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।

जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि पोल्ड ईवीएम को सुरक्षित रूप से वज्रगृह (स्ट्रॉन्ग रूम) में जमा कराना तथा आवश्यकता पड़ने पर रिजर्व ईवीएम का त्वरित उपयोग एवं उसकी रिपोर्टिंग करना भी सेक्टर पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस कार्य में तत्परता और पारदर्शिता ही निर्वाचन की विश्वसनीयता को बनाए रखेगी।बैठक में पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने कहा कि शांतिपूर्ण मतदान के लिए पुलिस बल की तैनाती, गश्ती दल की निगरानी और संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष ध्यान आवश्यक है। उन्होंने सेक्टर पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने क्षेत्र में नियमित भ्रमण करें और किसी भी असामाजिक गतिविधि या चुनावी आचार संहिता उल्लंघन की सूचना तत्काल जिला नियंत्रण कक्ष को दें।

इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, संबंधित प्रखंडों के निर्वाचनी पदाधिकारी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान चुनाव आयोग के दिशा-निदेर्शों का विस्तार से वाचन किया गया तथा अधिकारियों के दायित्वों और उत्तरदायित्वों की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अंत में कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव ही लोकतंत्र की पहचान है, और इसकी मजबूती का आधार आप सेक्टर पदाधिकारी हैं। इसलिए अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ निभाएं।

एक नजर

अनुदानित दर पर रबी फसल के बीज लेने के लिये 571 किसानों ने किया रजिस्ट्रेशन

डुमरांव। किसानों हर तरह से खुशहाल रखने के लिये केन्द्र और राज्य सरकारें कई योजनाएं चला रही है। किसान इन योजनाओं का लाभ उठाकर खेती के माध्यम से खुशहाल जीवन जीने लगे हैं। अभी वर्तमान में किसानों को यांत्रिकीकरण के लिये लॉटरी निकाली गई थी, जिसमें दो किसानों का चयन किया गया है। चयनित किसानों में डुमरांव, प्रखंड के कसियां निवासी विकास कुमार व छतनवान निवासी बशिष्ठमुनी नाम आया है। इस योजना के तहत किसानों को थ्रेसिंग फ्लोर व पक्का खलिहान का निर्माण होगा। इस निर्माण के लिय कुल लागत 1 लाख 26 हजार पांच सौ रुपए का आता है, जिसमें 50 हजार रुपए की सब्सीडी है। सब्सीडी का लाभ चयनित किसानों को मिलेगा। आगे भी इस सिस्टेम को चालू रखते हुए किसानों का लाभ पहुंचाने की प्रयास जारी रहेगा। इस संबंध में प्रखंड कृषि पदाधिकारी कुमारी सुप्रिया ने बताया की यांत्रीकीकरण के लिये पोर्टल खुला हुआ है, किसान रजिस्ट्रेशन कराकर लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया रजिस्टर्ड किसानों को रबी फसल के बीज लेने में सब्सीडी का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया की रबी फसल के बीज के लिये अभीतक 571 किसान रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। इसके लिये प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, कृषि सलाहकार, समन्वयक गांव-गांव घुम योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। मालूम हो की प्रखंड में 12 हजार पांच सौ एकड़ में रबी फसल की खेती होती है, ऐसे में विभाग उसी के अनुसार किसानों को लाभ पहुंचाने के लिये कार्य कर रहा है। किसानों को योजनाओं की जानकारी मिलते ही रजिस्ट्रेशन कराने लगे हैं। रजिस्ट्रेशन समाप्त होने के बाद उसकी सारी सूची विभाग को भेजी जाएगी, जिससे योजनाओं का लाभ सभी को मिल सकें। इसको लेकर किसानों में खुशी

जदयू के दिव्यांग नेता को बनाया गया उपभोक्ता संरक्षण विभाग के जिला सदस्य

डुमरांव। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मे गठित जिला स्तरीय सतर्कता समिति के सदस्य पद पर जनता दल यूनाइटेड के विसोका नन्द चन्द का मनोनयन हुआ है। इनके मनोनय होने से कार्यकताओं में काफी खुशी है। इस बात की चर्चा जोरों पर है कि किसी दिव्यांग कार्यकर्ता को एक जिम्मेदारी का पद देकर पार्टी ने सराहनीय कार्य किया है। स्थानीय नेताओं का कहना है कि इसका सारा श्रेय जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह को जाता है, उनके ही प्रयास से उन्हें जिला स्तरीय समिति में जगह मिली है। साथ ही बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष ललन सर्राफ सहित प्रदेश के नेताओं को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी गई। खुशी जाहिर करने वालों में जदयू कार्यकताओं में संजय सिंह, अजय चन्द लोदी, नथुनी खरवार, अनिल केशरी, विमलेश सिंह, गोपाल प्रसाद गुप्ता, विजय चौधरी, महेन्द्र राम, कृष्णा सिंह, कमलेश गुप्ता, सत्यानंद कुशवाहा, नन्द जी प्रसाद, रमेश पासवान, छितेश्वर गोंड, सन्त कुमार गोंड, रवि राज, श्याम जी वर्मा, संजय सिंह राजनेता, नन्द जी गांधी, उमेश गुप्ता, धर्मशिला देवी, कुसुम कुमारी, प्रीति पटेल जितेन्द्र सिंह, राजेश कुशवाहा, नन्दलाल कुशवाहा, सत्यानंद सिंह आदि ने बधाई देते हुए कहा कि आज बिहार सरकार ने सही कदम उठाया है और भविष्य मे भी दिव्यांग जदयू नेताओं को किसी न किसी समिति मे शामिल किया जा सकता है। क्योंकि विसोका नन्द चन्द जमीनी कार्यकर्ता हैं जो माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के सपनों का बिहार बनाने मे मुख्य भूमिका निभाने वाले तुरुप का पता साबित होंगे और आम आदमी के साथ-साथ जद यू के कार्यकर्ताओ के कामों को जमीनी स्तर पर लाने का काम करेंगे। विशोका नन्द चन्द को नई जिम्मेदारी मिलने पर दिव्यांग संघ बक्सर के जिला अध्यक्ष अगस्त उपाध्याय उर्फ छोटू बाबा, विष्णु कुमार, ज्योति कुमारी दुबे, अंजली कुमारी, चिन्ता देवी, सोनी देवी, राकेश राय, विकास प्रसाद, जितेन्द्र पाण्डे, किताबुद्दीन, आनन्द कुमार सिंह, ने विसोका नन्द चन्द को बधाई देते हुए मंगलकामना की आशा प्रकट किया ताकि दिव्यांगो को खाद्य एवं उपभोक्ता विभाग मे कोई परेशानी नही होगी।

छठ से पहले सड़क पर कीचड़ और गंदगी से जनजीवन बेहाल, ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई गुहार

केटी न्यूज/चक्की



परसिया हेमदापुर मुख्य सड़क इन दिनों कीचड़ और गंदे पानी में तब्दील हो चुकी है। करीब पांच सौ मीटर तक सड़क पर नाली का पानी जमा होने से ग्रामीणों का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। राहगीरों को आने-जाने में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही है, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। ग्रामीण चमचम पांडेय, श्रवण यादव और पवन कुमार ने बताया कि सड़क और नाली की मरम्मत को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को सूचना दी गई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। अब स्थिति यह है कि छठ पूजा जैसे महत्वपूर्ण पर्व से पहले भी सड़क की दुर्दशा जस की तस है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि अगर जल्द सफाई और मरम्मत कार्य नहीं हुआ, तो व्रतियों को गंदे पानी में चलकर सूर्य को अर्घ्य देना पड़ेगा। लोगों ने बताया कि गंदे पानी के जमाव से दुर्गंध फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। इससे आसपास के घरों में बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। नाराज ग्रामीणों ने कहा कि अगर प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो वे चंदा इकट्ठा कर खुद ही ईंट-गिट्टी डालकर सड़क को चलने लायक बनाएंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल नाली की सफाई और सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है ताकि छठ पूजा जैसे लोकपर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

चुनाव शांति बनाए रखने हेतु पुलिस सक्रिय, चार शराबी गिरफ्तार

केटी न्यूज/चौसा

विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए बक्सर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में मुफस्सिल थाना पुलिस द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार की शाम थाना क्षेत्र के बिहार-उत्तर प्रदेश सीमा स्थित यादव मोड़ के पास पुलिस ने नशे की हालत में पाए गए चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए पुलिस ने नशे की हालत में पाए गए चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी शम्भू भगत ने बताया कि चुनावी माहौल को देखते हुए जिले में शराबबंदी कानून का कड़ाई से अनुपालन कराया जा रहा है। किसी भी प्रकार की लापरवाही या अवैध शराब के सेवन एवं कारोबार में लिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि यादव मोड़ क्षेत्र बिहार-यूपी सीमा पर स्थित होने के कारण यह संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। ऐसे में चुनाव अवधि के दौरान यहां विशेष निगरानी रखी जा रही है।





महाराजा चंद्रविजय सिंह का श्राद्धकर्म संपन्न, राजस्थान की पूर्व सीएम सहित हजारों गणमान्य हुए शामिल

■ भोजपुर कोठी में पूरे विधि विधान से किया गया श्राद्धकर्म, लोगों ने पूर्व महाराज के व्यक्तित्व व कृतित्व को किया याद

केटी न्यूज/डुमरांव



डुमरांव राज के दिवंगत महाराज चंद्रविजय सिंह का श्राद्धकर्म शनिवार को पूरे विधि विधान के साथ मनाया गया। भोजी कोठी में आयोजित श्राद्धकर्म में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए तथा पूर्व महाराजा के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किये तथा ब्रह्मभोज का प्रसाद ग्रहण किए। इस दौरान दोपहर बाद से देर शाम तक भोजपुर कोठी पहुंच महाराज स्व. चंद्रविजय सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों का तांता लगा रहा। श्राद्धकर्म में शामिल लोगों ने स्व. चंद्रविजय सिंह के व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा करते हुए कहा कि वे काफी सहज व सरल अंदाज वाले व सादगी भरा जीवन व्यवतीत करने वाले इंसान थे। उन्हें अपनी मिट्टी तथा डुमरांव से गहरा लगाव था तथा वे आजीवन डुमरांव में ही रहे। उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी कि वे बड़े से बड़े कार्यक्रम व परदेश में भी अपनी मातृभाषा भोजपुरी में ही बात करते थे। इस दौरान राजपरिवार के मानविजय सिंह, स्व. चंद्रविजय सिंह के पुत्र सुमेर विजय सिंह, शिवांग विजय सिंह, समृद्ध विजय सिंह, महारानी कनिका सिंह के अलावे समारोह में डुमरांव राज परिवार की रिश्तेदार व राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, पूर्व प्रधानमंत्री वी पी सिंह की धर्मपत्नी सीता सिंह, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूढ़ी, धौलपुर के युवराज सासंद दुष्यंत सिंह, जनसुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह, उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री व दिवंगत महाराज के करीबी रिश्तेदार जय प्रताप सिंह, स्थानीय सांसद सुधाकर सिंह, पूर्व मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पाण्डेय, पूर्व एमएलसी डा. अजय सिंह, किसान नेता रणजीत सिंह राणा, जदयू के वरीय नेता राहुल सिंह, शक्ति राय, दीपक यादव, मुखिया सिंह कुशवाहा समेत हजारों की संख्या में लोगों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

विधानसभा चुनाव को लेकर सूर्यपुरा पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

■ शांतिपूर्ण चुनाव के लिए जीरो टॉलरेंस नीति पर होगी कार्रवाई : थानाध्यक्ष



केटी न्यूज/रोहतास

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सूर्यपुरा थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत के नेतृत्व में पुलिस बल व सीआरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा बारून,बलिहार,सूर्यपुरा बाजार, गोशलडीह,कवई सहित कई गांवों में फ्लैग मार्च एवं एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया गया । थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि चुनाव के मद्देनजर थाना क्षेत्र के सभी इलाकों में लगातार गश्ती बढ़ा दी गई है । उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव कराना हमारी पहली प्राथमिकता है । किसी भी असामाजिक तत्व को माहौल बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी । कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे प्रशासन को सहयोग दें और अफवाहों पर ध्यान न दें। इस दौरान पुलिस अधिकारी,जवानों के साथ सीआरपीएफ के जवान भी पूरी मुस्तैदी के साथ गश्त करते नजर आए।

चुनाव में शांति भंग करने वालों पर प्रशासन की सख्ती, 138 असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई तेज



केटी न्यूज/आरा

आगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने के लिए भोजपुर पुलिस प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। पुलिस अधीक्षक राज के नेतृत्व में पूरे जिले में अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने की कार्रवाई तेज कर दी गई है। पुलिस का लक्ष्य है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान कोई भी व्यक्ति कानून-व्यवस्था को चुनौती न दे सके। जानकारी के अनुसार, अब तक जिले के विभिन्न थानों से 138 असामाजिक तत्वों के विरुद्ध अपराध नियंत्रण अधिनियम (सीसीए) के तहत प्रस्ताव तैयार कर जिला दंडाधिकारी को भेजा गया है। इनमें से 57 प्रस्तावों को स्वीकृति मिल चुकी है। इन 57 लोगों को एक से दूसरे थाने में जाकर नियमित हाजिरी लगानी होगी, ताकि पुलिस उनकी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रख सके। वहीं, 81 अन्य मामलों में नोटिस जारी करने की प्रक्रिया जारी है। सभी प्रस्तावों पर जिला प्रशासन की विशेष नजर है। अधिकारियों का कहना है कि जिन तत्वों का आपराधिक इतिहास रहा है और जो पूर्व में सामाजिक शांति भंग करने या हिंसक घटनाओं में शामिल रहे हैं, उन्हें सीसीए के तहत चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि भोजपुर जिले के लगभग सभी थानों जैसे आरा नगर, नवादा, बड़हरा, चांदी, बिहिया, कोईलवर, चरपोखरी, जगदीशपुर, पीरो, शाहपुर, तरारी, सहार ,संदेश और उदवंतनगर आदि क्षेत्र से जुड़े आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों की सूची तैयार की गई है। प्रत्येक थाना क्षेत्र में ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर उनके ऊपर निगरानी तंत्र मजबूत किया गया है। थाना स्तर पर गश्त और एरिया डॉमिनेशन बढ़ाया गया है ताकि कोई भी संदिग्ध गतिविधि अनदेखी न हो। एसपी राज ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में चुनावी शांति और कानून-व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन ने सीसीए के अलावा वारंटियों, बांड उल्लंघनकताओं और बेल पर छूटे अपराधियों पर भी विशेष नजर रखी है। इन सभी को थाना में नियमित उपस्थिति दर्ज कराने के लिए कहा गया है। पुलिस मुख्यालय से जुड़े अधिकारी लगातार जिलों से रिपोर्ट मंगा रहे हैं ताकि हर स्तर पर नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। एसपी ने बताया कि जिले के विभिन्न हिस्सों में फ्लैग मार्च, चेकिंग अभियान और नशा तस्करों पर कार्रवाई के साथ-साथ बाहरी तत्वों की गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। साथ ही पुलिस-प्रशासन चुनाव से पहले भयमुक्त मतदान का माहौल तैयार करने में जुटा है।

57 प्रस्तावों को स्वीकृति

इनमें से 57 प्रस्तावों को स्वीकृति मिल चुकी है। इन 57 लोगों को एक से दूसरे थाने में जाकर नियमित हाजिरी लगानी होगी, ताकि पुलिस उनकी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रख सके। वहीं, 81 अन्य मामलों में नोटिस जारी करने की प्रक्रिया जारी है। सभी प्रस्तावों पर जिला प्रशासन की विशेष नजर है। अधिकारियों का कहना है कि जिन तत्वों का आपराधिक इतिहास रहा है और जो पूर्व में सामाजिक शांति भंग करने या हिंसक घटनाओं में शामिल रहे हैं, उन्हें सीसीए के तहत चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है।

आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों की सूची तैयार

पुलिस सूत्रों ने बताया कि भोजपुर जिले के लगभग सभी थानों जैसे आरा नगर, नवादा, बड़हरा, चांदी, बिहिया,कोईलवर, चरपोखरी, जगदीशपुर, पीरो, शाहपुर, तरारी, सहार ,संदेश और उदवंतनगर आदि क्षेत्र से जुड़े आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों की सूची तैयार की गई है। प्रत्येक थाना क्षेत्र में ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर उनके ऊपर निगरानी तंत्र मजबूत किया गया है। थाना स्तर पर गश्त और एरिया डॉमिनेशन बढ़ाया गया है ताकि कोई भी संदिग्ध गतिविधि अनदेखी न हो। एसपी राज ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में चुनावी शांति और कानून-व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन ने सीसीए के अलावा वारंटियों, बांड उल्लंघनकताओं और बेल पर छूटे अपराधियों पर भी विशेष नजर रखी है। इन सभी को थाना में नियमित उपस्थिति दर्ज कराने के लिए कहा गया है। पुलिस मुख्यालय से जुड़े अधिकारी लगातार जिलों से रिपोर्ट मंगा रहे हैं ताकि हर स्तर पर नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। एसपी ने बताया कि जिले के विभिन्न हिस्सों में फ्लैग मार्च, चेकिंग अभियान और नशा तस्करों पर कार्रवाई के साथ-साथ बाहरी तत्वों की गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। साथ ही पुलिस-प्रशासन चुनाव से पहले भयमुक्त मतदान का माहौल तैयार करने में जुटा है।

नशा तस्करों पर भी कसेगा शिकंजा

एसपी ने बताया कि जिले के विभिन्न हिस्सों में फ्लैग मार्च, चेकिंग अभियान और नशा तस्करों पर कार्रवाई के साथ-साथ बाहरी तत्वों की गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। साथ ही पुलिस-प्रशासन चुनाव से पहले भयमुक्त मतदान का माहौल

जिला पदाधिकारी उदिता सिंह ने स्वीप कोषांग का किया उद्घाटन



केटी न्यूज/रोहतास

शनिवार को रोहतास जिले के प्रथम महिला जिला पदाधिकारी के कर कमल के द्वारा दीप प्रज्वलन कर- के बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 के स्वीप कोषांग का उद्घाटन सासाराम के मल्टीपर्पस हॉल में किया गया। जिसमें स्वीप कोषांग के वरीय पदाधिकारी उप विकास आयुक्त सहित नोडल एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। डीएम उदिता सिंह के द्वारा स्वीप कोषांग के उद्घाटन की तैयारी की सराहना की गई। साथ ही साथ बिहार विधानसभा चुनाव में महिलाओं की भागीदारी पर अपनी बात रखी। उन्होंने सभागार में उपस्थित राभी महिलाओं का हौसला बढ़ाया और उन्होंने बताया कि पिछले बार महिला मतदान की जो प्रतिशत थी पुरुषों के मुकाबले इस बार उसे जागरूकता अभियान से चरण बद्ध तरीके से सुधार किया जाएगा। सभागार में उपस्थित सभी महिलाओं ने प्रण लिया कि इस बार ज्यादा से ज्यादा महिला वोटर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिससे महिलाओं का प्रतिशत पिछले बार की तुलना में और अधिक बढ़े। जिला पदाधिकारी महोदया के द्वारा बताया गया की वैसे वोटर और महिलाएं जो जाने में असमर्थ है। उनके लिए गाड़ी महिलाओं के लिए कतार की व्यवस्था, वेटिंग रूम, गर्भवती महिलाओं के लिए अलग से व्यवस्था की जाएगी। जिला पदाधिकारी ने बताया कि अपना मतदान का प्रयोग करें और अपने अधिकार का हनन होने ना दें। क्योंकि मतदान करना हमारे अस्तित्व के लिए जरूरी है। आप अपना वोट अपने विवेक और बुद्धि से करें पर जरूर वोट करें। उन्होंने बताया भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में वोट आपका आवाज होता है। डीएम ने सभी जनता से अपील किया कि लोगों से मिले और लोगों को प्रेरित करें ताकि हम अपने मतदान में वोट देना सुनिश्चित करें। साथ ही साथ जिला पदाधिकारी ने बताया कि महिलाओं को केंद्र में रखकर यह चुनाव कराया जाए, जिससे महिलाओं की भागीदारी अधिक से अधिक सुनिश्चित हो। उन्होंने बताया यह अभियान 11 नवंबर तक चलता रहेगा। जिला पदाधिकारी ने जिले के स्वीप आइकन को पुरस्कृत किया। जिसमें ज्योति कुमारी राष्ट्रीय खिलाड़ी, शेखर चौरसिया दिव्यांगजन राष्ट्रीय पैरा एथलीट एवं कला संस्कृति के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर बिहार के पद्मश्री अशोक कुमार विश्वास मौजूद रहे। साथ ही साथ रोहतास जिले के शुभंकर लिट्टी बाबू के रचनाकार हर्षित कुमार को चेक देकर सम्मानित किया गया।

करवा चौथ व्रत कर सुहागिनों ने चांद के समक्ष पति के दीघार्यु उम्र की दुआ मांगी

केटी न्यूज/रोहतास

अनुमंडल के सभी कस्बों में शुक्रवार की देर संध्या करवा चौथ का पर्व ऐसी छटा बिखेर गया,मानो पूरा इलाका श्रद्धा और प्रेम के उजास में डूब गया हो । सुहागिन महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर अपने पति की दीघार्यु,सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की । दिनभर की तपस्या और संयम के बाद जब चांदनी ने धरती को स्पर्श किया, तो हर आंगन में श्रद्धा और सौंदर्य की उजली लहर दौड़ गई । सुबह से ही नगर और ग्रामीण इलाकों में उत्साह का माहौल था । महिलाओं ने लाल, गुलाबी और सुनहरी साड़ियों में सोलह श्रृंगार कर खुद को दुल्हन-सा सजाया । मेंहदी से रचे हाथ,मांग में भरी सिंदूर की लकीर और पूजा की थाल में सजे करवे से पूरा माहौल सुहाग के रंग में रंग गया । संध्या होते ही महिलाएं मंदिरों,आंगनों और छतों पर सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना के लिए जुटीं ।स्थानीय पंडित हरिशरण दुबे ने इस अवसर पर कहा कि करवा चौथ व्रत केवल पति की दीघार्यु की कामना भर नहीं है,यह भारतीय नारी की आस्था, त्याग और प्रेम का जीवंत प्रतीक है । यह पर्व सिखाता है कि रिश्ते केवल शब्दों से नहीं,बल्कि समर्पण और श्रद्धा से निभाए जाते हैं । वहीं नगर की व्रति महिला रमा राय ने मुस्कुराते हुए कहा कि इस दिन का इंतजार हर साल दिल से करती हूं । जब छलनी से चांद और फिर पति का चेहरा देखती हूं,तो लगता है जैसे पूरा जीवन इसी क्षण में सिमट आया हो । यह व्रत प्रेम, विश्वास और एकनिष्ठता की सच्ची परिभाषा है । रात्रि में जैसे ही आसमान पर चांद का उदय हुआ,तो महिलाएं करवा की थाल सजाकर उत्साह से भर उठीं । किसी ने गीत गाए,किसी ने आरती उतारी और किसी ने पति के हाथों से पहला जल ग्रहण कर व्रत का समापन किया। हर घर से घंटियों और मंगल गीतों की ध्वनि गूंज उठी । इस पावन रात ने साबित कर दिया कि करवा चौथ सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं,बल्कि भारतीय नारी की निष्ठा,प्रेम और शक्ति का उत्सव है। जिसने पूरे बिक्रमगंज अनुमंडल को एक शाम के लिए भक्ति और सौंदर्य के उजाले में नहला दिया।



विधानसभा चुनाव तैयारी को लेकर डीएम ने पदाधिकारियों साथ की बैठक

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन,2025 की तैयारी के क्रम में शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी महोदया, रोहतास की अध्यक्षता में जिले के सभी निवार्ची पदाधिकारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी एवं उनके नामांकन कोषांग को नाम निर्देशन प्रपत्र भरने के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के क्रम में उप निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि द्वितीय चरण के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को निर्गत होनी है। अधिसूचना निर्गत होने के पश्चात, कोई अभ्यर्थी अथवा उसका प्रस्तावक



निवार्ची पदाधिकारी या उनके द्वारा नामित सहायक निवार्ची पदाधिकारी के कक्ष में नामांकन पत्र दाखिल कर सकता है। नामांकन पत्र में वर्णित अवकाश को छोडकर 20 अक्टूबर तक दाखिल किया जा सकता है। नामांकन हेतु नामांकन राशि समान्य अभ्यर्थियों के लिए 10 हजार रुपए तथा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिए 05 हजार रुपए निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अभ्यर्थियों का एक-एक प्रस्तावक एवं स्वतंत्र अभ्यर्थियों को 10-10 प्रस्तावक की आवश्यकता होगी। प्रस्तावक उसी विधानसभा का होना चाहिए, जिस विधानसभा हेतु नामांकन किया जा रहा है। अभ्यर्थी को भारत का नागरिक होना आवश्यक है साथ हीं, अभ्यर्थी की आयु संवीक्षा की तिथि को कम से कम 25 वर्ष का होना चाहिए। यदि अभ्यर्थी की पृष्ठभूमि अपराधिक है तो उन्हें अपना अपराधिक चरित्र प्रिंट मिडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मिडिया में कम से कम 03 बार प्रकाशित करना अनिवार्य है । जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा उपस्थित सभी निवार्ची पदाधिकारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी एवं कोषांग के कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा गया कि नामांकन निर्वाचन प्रक्रिया का सबसे संवेदनशील भाग होता है, जिसके लिए सभी लोगों को नियमों की स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए तथा सभी लोगों को नामांकन पत्र उपलब्ध कराते हुए स्वयं उसे भरने तथा कार्य में होने वाले कठिनाईयों का समाधान करने हेतु निदेशित किया गया। मौके पर सूर्यपूरा सीओ गोल्डी तिवारी, बीडीओ प्रियंका कुमारी, बीडीओ प्रभा कुमारी, सीओ पूजा कुमारी सहित सभी निवार्ची पदाधिकारीयों ने भाग लिया।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी व "पंचायत" के सचिव जी और विधायक जी बने स्टेट स्वीप आईकान

केटी न्यूज/आरा

विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चला रहा है। इस अभियान को और गति देने के लिए खेल और कला जगत से जुड़े बिहार के नामचिन हस्तियों को नए सिरे से जोड़ा गया है। देश के मशहूर क्रिकेटर समस्तीपुर निवासी वैभव सूर्यवंशी और ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर आने वाली लोकप्रिय सीरीज "पंचायत" में सचिव जी की मशहूर भूमिका निभाने वाले वैशाली के अभिनेता चंदन राय एवं इसी सीरीज में विधायक जी की शानदार भूमिका निभाने वाले सहरसा के प्रसिद्ध अभिनेता पंकज झा उर्फ पंकज झा को स्वीप आइकॉन बनाया गया है। उल्लेखनीय हो कि वैभव सूर्यवंशी की उम्र 18 वर्ष से कम होने के कारण इन्हें फ्यूचर वोटर आइकॉन के रूप में स्टेट आइकॉन बनाया गया है। इन तीनों के अलावे आधा दर्जन अन्य लोगों को भी जिला स्तर पर भी स्वीप आइकॉन बनाया गया है। इसमें भोजपुर जिले की मशहूर अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी सौम्या आनंद और आयुष ठाकुर के साथ-साथ रोहतास की हॉकी खिलाड़ी ज्योति कुमारी व पेंटिंग के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले अशोक कुमार विश्वास, जमुई के सामाजिक कार्यकर्ता तबस्सुम अली को स्वीप आईकॉन बनाया गया है।



एक नजर

ढ़ाई लीटर देसी शराब साथ एक पकड़ाया

बिक्रमगंज। स्थानीय थाना की पुलिस ने नगर परिषद बिक्रमगंज वार्ड संख्या 12 गौतम नगर से पवन कुमार को ढ़ाई लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष ललन कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

काराकाट । पुलिस ने एक कुर्की वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव से श्रीभगवान सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से कुर्की वारंट निर्गत था।

देशी कट्टा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

संझौली। संझौली पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर आर्म्स,मोबाइल व जिंदा कारतूस के साथ दो आरोपी को पकड़ लिया। थानाध्यक्ष पूनम कुमारी ने बताया कि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के मसोना गांव से छोटू कुमार एवं बीरू कुमार को एक देशी कट्टा,एक एंड्रॉयड मोबाइल व एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया है । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार दोनों आरोपी के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 192/25 के आलोक में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया गया है । कहा कि कांड दर्ज करने के उपरांत गिरफ्तार दोनों आरोपी को जेल भेज दिया गया।

फर्जी जमीन रजिस्ट्री मामलें में जालसाज गिरफ्तार

बिक्रमगंज । थाना क्षेत्र में फर्जी तरीके से जमीन की रजिस्ट्री कराने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है । बिक्रमगंज सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार के निर्देश पर गठित टीम ने छापेमारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के कोल्हा निवासी प्रकाश कुमार सिंह पिता स्व.अजय कुमार सिंह के रूप में हुई है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि आरोपी अपने सहयोगी रवि गुप्ता के साथ मिलकर ग्राहकों की तलाश करता था और फर्जी व्यक्तियों को खड़ा कर जमीन की रजिस्ट्री (केवाला) करवाता था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक मोबाइल भी बरामद किया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी व्यक्ति को इन लोगों द्वारा जमीन खरीद- बिक्री या केवाला में ठगे जाने की जानकारी हो,तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

पुलिस ने अभियुक्त को भेजा जेल

नासरीगंज । नासरीगंज थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से नासरीगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न कांडों में कई अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है । थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि कांड संख्या 117/25 के अभियुक्त मरोझियां निवासी रोहित शर्मा,विद्या सागर,फिरोज अंसारी एवं अफरोज अंसारी,कांड संख्या 354/ 25 के अभियुक्त मरोझियां निवासी इंद्रजीत कुमार तथा जीआर संख्या 457/01 व कांड संख्या 95/01 के अभियुक्त तिलसा निवासी किशोर सिंह को पुलिस ने छापेमारी कर धर दबोचा । थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि कानून से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी ।थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने स्पष्ट कहा कि थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी कीमत पर असामाजिक तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा।

जिला पदाधिकारी ने लोक शिकायत निवारण में छः मामलों का किया निष्पादन

सासाराम। शनिवार को लोक शिकायत निवारण के द्वितीय अपील अन्तर्गत प्राप्त 31 अपील आवेदनों पर पर जिला पदाधिकारी उदिता सिंह द्वारा सुनवाई की गयी। परन्तु कुछ लोक प्राधिकार यथा अनुमण्डल पदाधिकारी, सासाराम,बिक्रमगंज,भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, सासाराम,बिक्रमगंज निर्वाचन कार्य में व्यस्त होने के कारण उपस्थिति नहीं हुए ऐसी स्थिति में उनसे संबंधित मामले का सुनवाई नहीं की जा सकी। शेष मामलें में लोक प्राधिकार अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, सासाराम -1, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, कोचस, कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ प्रमण्डल सासाराम, कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल, सासाराम उपस्थित रहें। परन्तु, दस अपीलार्थी सुनवाई के क्रम में अनुपस्थित रहे। लोक प्राधिकार द्वारा अनुपालन प्रतिवेदन समर्पित किया गया। प्राप्त अनुपालन प्रतिवेदन के आलोक में सुनवाई की गई तथा दोनो पक्षों को विस्तार से सुना गया। सुनवाई के दौरान रवि शंकर शर्मा, ददन सिंह, चन्दन पासवान, हरी सिंह, निलेश कुमार उपाध्याय, रंजन कुमार के शिकायतों का निराकरण करते हुए निष्पादित किया गया।

डीएम उदिता सिंह के अध्यक्षता में स्वीप कोषांग बैठक का आयोजन

सासाराम । जिला पदाधिकारी रोहतास के अध्यक्षता में शनिवार को स्वीप कोषांग की बैठक बुलाई गई। जिसमें वरीय पदाधिकारी स्वीप कोषांग उप विकास आयुक्त, नोडल पदाधिकारी एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे। जिले में चल रहे मतदाता जागरूकता अभियान के कार्यों की समीक्षा की गई और इस अभियान को कैसे बेहतर किया जा सके उस पर अपना मंतव्य रखा। डीएम के द्वारा निर्देश दिया गया कि प्रखंड स्तर से लेकर जिला स्तर तक मतदान जागरूकता अभियान विभिन्न गतिविधियों के द्वारा करवाया जाए। जिसमें साईकिल रैली, प्रभात फेरी, रंगोली, पेंटिंग, नुक्कड़ नाटक, लोक संगीत प्रतियोगिता करवाने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी पदाधिकारी के कार्यों का बंटवारा किया गया। उन्होंने बताया कि समय-समय पर स्वीप कोषांग की बैठक करके इसकी समीक्षा की जायेगी।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का बिहार दौरा, लोकनायक जयप्रकाश नारायण की



एजेंसी। पटना

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को उपराष्ट्रपति डॉक्टर सीपी राधाकृष्णन ने उनके पैतृक गांव सिताबदियारा पहुंचकर उनकी आत्म प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से भी मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त के बीच वे सड़क मार्ग से पटना से सिताबदियारा पहुंचे। यह पहला अवसर था जब कोई उपराष्ट्रपति सिताबदियारा पहुंचे। उपराष्ट्रपति ने लगभग 45 मिनट तक गांव में रुककर न केवल जेपी को नमन किया, बल्कि जेपी के विचारों और उनके योगदान को भी याद किया। एक जेपी सेनानी ने उन्हें पेंशन न मिलने की बात बताई, जिस पर उपराष्ट्रपति ने संबंधित अधिकारियों को उचित कार्रवाई का निर्देश देने का आश्वासन दिया। इसके बाद वे लोकनायक जयप्रकाश नारायण स्मृति भवन पहुंचे, जहां आयोजित समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित रहे और उन्होंने गांव की समस्याएं, जैसे सड़क, स्वास्थ्य सुविधा और रोजगार से जुड़ी मांगें रखीं। बता दें कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण का जन्म 11 अक्टूबर 1902 को सारण जिले के सिताबदियारा में हुआ था। वे स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी सेनानी रहे और हजारीबाग जेल से फरार होने की घटना आज भी इतिहास में दर्ज है। स्वतंत्रता के बाद उन्होंने सत्ता से दूरी बनाए रखी और सर्वोदय आंदोलन से जुड़े। वर्ष 1974 में उन्होंने 'संपूर्ण क्रांति' का नारा दिया–"सिंहासन खाली करो, जनता आती है", जिसने देश की राजनीति को झकझोर दिया। इस आंदोलन से कई बड़े नेता उभरे, जिनमें लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, स्व. रामविलास पासवान और दिवंगत सुशील कुमार मोदी प्रमुख हैं।

यातायात व्यवस्था संबंधी दिशा-निर्देश

उपराष्ट्रपति के सारण आगमन एवं भ्रमण कार्यक्रम को देखते हुए संपूर्ण जिले में सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया गया है। कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार का जाम अथवा अवरोध न उत्पन्न हो, इसके लिए निम्नलिखित मार्गों पर भारी वाहनों के आवागमन पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है।

सुरक्षा के लिए घोषित किया गया नो ड्रोन जोन

सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि उपराष्ट्रपति का आगमन सिताब दियारा स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण राष्ट्रीय स्मारक और प्रभावती पुस्तकालय परिसर में प्रस्तावित है। सुरक्षा की दृष्टि से दोनों स्थलों तथा आसपास के 5 किलोमीटर के दायरे को शुक्रवार सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक अस्थायी रेड जोन / ड्रोन उड़ान निषेध क्षेत्र घोषित किया गया है।

एक नजर

बिहार में बाल सुधार गृह में नाबालिग लड़के की संदिग्ध मौत, प्रशासन में मचा हड़कंप

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले के लहेरियासराय थाना क्षेत्र स्थित बाल सुधार गृह में एक किशोर की संदिग्ध मौत से सनसनी फैल गई है। मृत किशोर को सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र में चोरी के एक मामले में बंद किया गया था। उसका शव शौचालय में मिला, जिसके बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी कौशल कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी बाल सुधार गृह पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिला है, लेकिन मामला आत्महत्या या हत्या का हो सकता है। किशोर के परिजनों को सूचना दे दी गई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस घटना ने बाल सुधार गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिला प्रशासन ने तुरंत एक उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करने का फैसला लिया है। इस जांच में सुधार गृह के कर्मचारियों और चिकित्सकों से पूछताछ की जाएगी। एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने बताया कि फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है और सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

बिहार में भीषण आग से लाखों का नुकसान वाहन और मवेशी जलकर खाक

पूर्वी चंपारण । चकिया थाना क्षेत्र के बारा गोविंद गांव में देर रात एक भयंकर आग लगने की घटना में लगभग 20-25 लाख रुपये का नुकसान हुआ। आग बारा गोविंद गांव के निवासी उपेंद्र राय के घर में अचानक लगी। आग ने उनकी स्कॉर्पियो, अपाचे, ग्लैमर मोटरसाइकिल और कई मवेशियों को पूरी तरह खाक कर दिया। सूचना मिलने के बावजूद जब तक फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, तब तक आग ने घर के अधिकांश सामान को भस्म कर दिया। उपेंद्र राय उसी समय घर में सोए हुए थे, लेकिन वे सुरक्षित रहे। आग की चपेट में घर में रखा अनाज और अन्य घरेलू सामग्री भी जलकर बर्बाद हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही चकिया सीओ घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच के बाद आग लगने के कारणों का पता लगाया जाएगा और घटना में हुए आर्थिक नुकसान की रिपोर्ट तैयार कर संबंधित अधिकारियों को भेजी जाएगी। स्थानीय लोग भी आग की भयावहता से सहम गए और प्रशासन से जल्द राहत एवं मुआवजे की मांग कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि पीड़ित परिवार को प्राथमिक राहत मुहैया कराई जाएगी और इस घटना की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में दो ट्रकों की भीषण टक्कर में एक चालक की मौत

सासाराम। बिहार के सासाराम में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें झारखंड के एक ट्रक चालक की मौत हो गई और उत्तर प्रदेश के दूसरे ट्रक के चालक व सह चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना सासाराम चौसा पथ पर अमवलिया चर्च के समीप हुई, जब दो ट्रक आमने-सामने टकरा गए। दुर्घटना के बाद घायल चालक को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया गया। घटना के अनुसार, उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिला के जहानाकंद थाना अंतर्गत रामपुर निवासी चालक अर्जुन यादव गोरखपुर से प्लाईवुड लोड कर सासाराम जा रहे थे। इसी दौरान सुबह लगभग 3:30 बजे विपरीत दिशा से तेज गति से आ रही लोडेड ट्राली ने उनकी गाड़ी से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनका ट्रक गहरे पानी में पलट गया और चालक समेत खलासी फंस गए। पास के सिंचाई फाल पर मछली मार रहे ग्रामीणों ने काफी प्रयास के बाद घायल को बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया। दूसरी ओर, झारखंड के लातेहार जिले के बालूमाथ निवासी टुनटुन उर्फ धनेश्वर कुमार, जो टाटा कंपनी का सरिया लोड कर बक्सर जा रहे थे, की ट्रक केबिन में फंसे शव को निकालने में पुलिस को तीन घंटे मशक्कत करनी पड़ी।

विधायक मिश्रीलाल यादव ने किया भाजपा छोड़ने का एलान, बोले- पार्टी में मुझे प्रताड़ित किया गया



एजेंसी। पटना

जनता दल यूनाइटेड के बाद भारतीय जनता पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। दरभंगा जिले की अलीनगर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव ने पार्टी से इस्तीफा देने का एलान कर दिया है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा अब पिछड़ों का सम्मान नहीं करती। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व घमंड में चूर हो गया है। इस बात जनता इन्हें सबक सिखाकर रहेगी। मिश्रीलाल यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अलीनगर में पिछले 30 वर्षों से एनडीए का विधायक नहीं रहा। लेकिन, 2020 में मैंने वहां भाजपा का परचम लहराया। इसके बावजूद पार्टी ने मेरा अपमान किया है। भाजपा में मेरे स्वाभिमान की कोई कद्र नहीं है। मुझे लगातार प्रताड़ित किया गया। अब ऐसे दल में रहना मेरे जैसे स्वाभिमानी व्यक्ति के लिए संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को अपना इस्तीफा पत्र सौंपने जा रहे हैं। मिश्रीलाल यादव ने साफ कर दिया कि वह अलीनगर से चुनाव जरूर लड़ेंगे, चाहे किसी भी दल से लड़ना पड़े। हालांकि उन्होंने अभी तक यह नहीं बताया कि वे किस पार्टी में शामिल होंगे। कहा कि मैं एक सेकुलर सोच रखने वाला व्यक्ति हूं, इसलिए संभव है कि मैं किसी सेकुलर पार्टी में जाऊं। लेकिन फिलहाल यह तय नहीं है कि किस पार्टी से जुड़ूंगा। उन्होंने कहा कि एक बात तय है कि मैं चुनाव लड़ूंगा और जीतूंगा भी। बता दें कि दरभंगा के अलीनगर विधानसभा से भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव की विधानसभा की सदस्यता 23 जुलाई को बहाल कर दी गई है। विधायक मिश्रीलाल यादव को दरभंगा के एमपी एमएलए की विशेष न्यायालय ने एक पुराने मारपीट के मामले सुनवाई करते हुए 27 मई को दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद मिश्रीलाल को जेल हो गई थी, जिस वजह से 20 जून को भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव की विधानसभा की सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। हालांकि इस मामले में विधायक को हाईकोर्ट से पहले ही जमानत मिल चुकी है, जबकि हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए 18 जुलाई को विधानसभा सदस्यता रद्द करने के मामले को निरस्त कर दिया था। बता दें कि मिश्रीलाल यादव ने 2020 के विधानसभा चुनाव में मुकेश सहनी की पार्टी विकाससील इंसान पार्टी (वीआईपी) के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उस समय वीआईपी एनडीए का हिस्सा थी। लेकिन, 2022 में पार्टी टूट गई थी और चार में से तीन विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे, जिनमें मिश्रीलाल यादव भी शामिल थे। इधर, हाल में ही वह राष्ट्रीय जनता दल के कुछ नेताओं के साथ देखे गए थे, लेकिन उन्होंने इन खबरों का खंडन करते हुए कहा था कि मैं बीजेपी में हूं और बीजेपी में ही रहूंगा।

जेल भी हो गई थी मिश्रीलाल यादव को

बता दें कि दरभंगा के अलीनगर विधानसभा से भाजपा विधायक मिश्रिलाल यादव की विधानसभा की सदस्यता 23 जुलाई को बहाल कर दी गई है। विधायक मिश्रिलाल यादव को दरभंगा के एमपी एमएलए की विशेष न्यायालय ने एक पुराने मारपीट के मामले सुनवाई करते हुए 27 मई को दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद मिश्रीलाल को जेल हो गई थी, जिस वजह से 20 जून को भाजपा विधायक मिश्रिलाल यादव की विधानसभा की सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। हालांकि इस मामले में विधायक को हाईकोर्ट से पहले ही जमानत मिल चुकी है, जबकि हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए 18 जुलाई को विधानसभा सदस्यता रद्द करने के मामले को निरस्त कर दिया था।

गंगा नदी में नहाने गई चार बच्चियां डूबीं, तीन की मौत, गांव में मातम

एजेंसी। सारण

सारण जिले के दिघवारा प्रखंड के अकिलपुर पंचायत के रामदास चक बिंदटोलिया गांव में शनिवार को गंगा नदी में नहाने गई चार बच्चियों के डूबने की घटना ने पूरे गांव को झकझोर दिया। हादसे में तीन बच्चियों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज चल रहा है। यह एक दुखद घटना है जिसने ग्रामीणों में भारी मातम फैला दिया है। घटना की जानकारी के अनुसार, भुलेटन महतो की पुत्रियां 11 वर्षीय गुंजन कुमारी, 9 वर्षीय सपना कुमारी और 7 वर्षीय तुरनी कुमारी शनिवार दोपहर को घर से नदी में नहाने गई थीं। उनके साथ लखमुनि कुमारी (पिता रामनाथ महतो) भी थी। चारों बच्चियां नदी में स्नान कर रही थीं, तभी गहरे पानी में जाने के कारण अचानक डूबने लगीं। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन तब तक तीन सगी बहनों की मौत हो चुकी थी। घायलों में शामिल लखमुनि कुमारी को स्थानीय लोगों की मदद से पतलापुर



बाजार स्थित एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। मृत बच्चियों के परिजन रो-रोकर बेहाल हैं और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना की सूचना पाकर स्थानीय प्रशासन और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नदी तट पर सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है। उनका कहना है कि नदी में स्नान के दौरान बच्चों की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए जाएं ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके। इस हादसे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि गहरी और तेज बहाव वाली नदियों में बच्चों के लिए सुरक्षा बेहद जरूरी है। स्थानीय प्रशासन ने भी लोगों को सचेत रहने और बच्चों को अकेले नदी में नहाने नहीं जाने की सलाह दी है। इस घटना ने क्षेत्र में बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर से गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सामाजिक और प्रशासनिक दृष्टि से यह घटना चेतावनी स्वरूप है। ग्रामीण अब सरकार और स्थानीय प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि नदी तट पर नियमित निगरानी और बचाव के लिए उचित व्यवस्था की जाए।

पटना : सैदपुर हॉस्टल के छात्रों ने नवादा के युवक का किया अपहरण

- **पत्नी से मांगी 2 लाख की फिरौती, पुलिस ने दबोचा**

एजेंसी। नवादा

नवादा के रहने वाले 24 साल के सोनू का अपहरण शुक्रवार 10 अक्टूबर को कर लिया गया था। सोनू को सैदपुर हॉस्टल में बंधकर बनाकर रखा गया था। इस दौरान उसकी पिटाई भी की गयी थी और परिजनों से फोन पर दो लाख की फिरौती मांगी गयी थी। इस मामले का खुलासा पुलिस ने कर लिया है। पुलिस ने जाल बिछाकर दो आरोपियों को दबोचा और अगवा सोनू को बरामद किया। दोनों आरोपी पटना के सैदपुर हॉस्टल में रहकर कंपटीशन की तैयारी करते थे सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने बताया कि अगवा सोनू की पत्नी 20 वर्षीय कोमल ने थाने में शिकायत की थी कि उसके पति का अपहरण हो गया है और 2 लाख फिरौती मांग रहा है। जिसके बाद रउढड सिटी-1 और बहादुरपुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में सोनू को छुड़ाने के लिए जांच टीम का गठन किया गया। कोमल ने बताया कि बाजार समिति मेन गेट पर पैसा लेकर आने को कहा गया है। पुलिस ने ऐसा जाल बिछाया कि सोनू का अपहरण करने वाले दो युवक उसमें फंस गये। पुलिस ने सैदपुर हॉस्टल में रहने वाले दो छात्रों को गिरफ्तार किया जो कंपटीशन की तैयारी किया करता था। दोनों ने ही सोनू को बंधकर बनाकर 24 घंटे तक बहादुरपुर थाना क्षेत्र स्थित सैदपुर हॉस्टल में रखे हुए था। इस दौरान सोनू के साथ मारपीट भी की थी और उसकी पत्नी से दो लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। पुलिस ने सुरक्षित सोनू को सैदपुर हॉस्टल से बरामद कर लिया। वही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान अमित कुमार उर्फ आर्यन और अमित कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने जब दोनों आरोपियों से पूछताछ की तब दोनों ने पुलिस को बताया कि साइबर फ्रॉड के कारण हमारा बैंक अकाउंट फ्रिज हो गया है। इसमें सोनू के साले की गलती है। उसी के चलते 2 लाख का नुकसान हुआ है। जिसकी भरपाई के लिए ही उन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस सोनू, उसकी पत्नी कोमल और गिरफ्तार दोनों आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पटना में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ सफल समापन

डिजिटल ऑर्थोडॉन्टिक्स और 3डी प्रिंटिंग तकनीक रही केंद्र बिंदु

एजेंसी। पटना

बुद्धा इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल, पटना में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला "टीएडी और डिजिटल ऑर्थोडॉन्टिक्स के साथ सीमाओं का विस्तार" का दूसरा दिन भी पूरे उत्साह, जोश और ज्ञानवर्धक चचाओं के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन ने दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नई तकनीकों, डिजिटल इनोवेशन और क्लिनिकल अनुभवों को एक साझा मंच पर लाकर भविष्य की दिशा तय करने का कार्य किया। दूसरे दिन के सत्रों में देशभर से आए प्रतिष्ठित विशेषज्ञों – डॉ. समीर जैन, डॉ. अंशु साहू, प्रो. डॉ. शुभाकर राव जुव्वादी, डॉ. अनुराग राय, डॉ. ज्योतिमय सिंह, डॉ. पूनम कुमारी जयप्रकाश, डॉ. अभिषेक सिंह रॉय, डॉ. आनंद ए. त्रिपाठी, ले. कर्नल दीपक चौहान, डॉ. नीतू दुबे, डॉ. परियात पल्लव, डॉ. दया शंकर, प्रो. डॉ. अमित कुमार सिंह, डॉ. तुषार



कांति नायक और डॉ. सुभाष चंद्र ने अध्यक्षता की। इन वरिष्ठ विशेषज्ञों ने अपने अनुभवों से प्रतिभागियों को समृद्ध किया और ऑर्थोडॉन्टिक्स के बदलते स्वरूप पर गहन विमर्श किया। डॉ. सूर्या कांत दास के प्रेरक व्याख्यान क्लियर एलाइनर थेरेपी द्वारा जटिल मामलों के लिए कार्यालय में योजना बनाना से हुई, जिसमें उन्होंने डिजिटल तकनीक द्वारा जटिल दंत उपचारों की सटीक योजना बनाने की प्रक्रिया समझाई। इसके पश्चात डॉ. मुकेश कुमार ने ह्रूटी ए डी एस के साथ निर्णय लेने की कलाह्र विषय पर कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सही निर्णय ही आधुनिक दंत चिकित्सा की रीढ़ हैं। वहीं, डॉ. अनुपमा वी ने ह्लएलाइनर्स के लिए डिजिटल उपकरण और स्वचालनह्व के माध्यम से बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 3डी ऑटोमेशन तकनीक किस तरह उपचार को अधिक प्रभावी बना रही हैं। डॉ. अंग्शुमन भट्टाचार्य ने सीमाओं को चुनौती देनाः उच्च-कठिनाई वाले ऑथोडॉंटिक मामलों में एलाइनर्स विषय पर अपने विचार साझा करते हुए बताया कि डिजिटल प्रगति ने कठिनतम मामलों को भी सरल बना दिया है।

बिहार से मानसून के विदा होते ही ठंड ने दी दस्तक

एजेंसी। पटना

बिहार में ठंड की शुरूआत, 17 अक्टूबर तक कहीं कोई बारिश नहीं, पटना में आज तापमान 21-31त्ड के बीच रहेगा। इस दिन से सर्दी बढ़ने की संभावना. बिहार में अब मौसम ने अपना नया रंग दिखाना शुरू कर दिया है। यहां बारिश का दौर पूरी तरह से थम चुका है और सुबह व शाम की हवाओं में ठंड की हल्की सिहरन घुलने लगी है। गांवों की गलियों में ओस की चमक और खेतों पर हल्का कोहरा सर्दी की दस्तक का संदेश दे रहा है।दिन के समय धूप खिलती है जो मौसम को सुहावना बनाए रखती है, लेकिन जैसे ही शाम होती है, ठंडी हवाएं चलने लगती हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया है कि बिहार से दक्षिण-पश्चिम



मॉनसून की विदाई शुरू हो चुकी है। अगले 3-4 दिनों में यानी 14-15 अक्टूबर तक पूरे राज्य से मानसून पूरी तरह चला जाएगा। इसका मतलब है कि अब बारिश की संभावना खत्म हो चुकी है और 17 अक्टूबर तक मौसम शुष्क ही रहेगा। पटना, गया, दरभंगा, भागलपुर और पूर्णिया जैसे शहरों में सुबह और शाम को हल्की ठंड महसूस हो रही है। ग्रामीण इलाकों में सुबह कोहरा छाने लगा है, यह नदियों और खेतों के आसपास ज्यादा दिखता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तर-पश्चिम से आने वाली शुष्क हवाओं ने मानसून को पूरी तरह दबा दिया है। अक्टूबर के चौथे हफ्ते से ये हवाएं और तेज होंगी, जिससे रात का तापमान 2-3 डिग्री तक गिर सकता है। अभी हवा में नमी 70-80% के बीच है, लेकिन बारिश न होने से ये धीरे-धीरे कम होगी और ठंड का असर बढ़ेगा। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस बार सर्दी सामान्य से थोड़ी ज्यादा तीखी हो सकती है तो उस हिसाब से तैयारी अभी से शुरू कर देनी चाहिए। आज पटना में तापमान सुबह 21 डिग्री से शुरू होकर दिन में 31 डिग्री तक जाएगा और औसतन 29 डिग्री के आसपास रहेगा। गया में भी तापमान 21 से 31 डिग्री के बीच रहेगा, लेकिन रातें हल्की ठंडी होंगी। मुजफ्फरपुर में भी अधिकतम 31 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री के करीब रहेगा, जहां सुबह कोहरे का असर ज्यादा होगा। पूर्णिया में भी दिन का तापमान 31 डिग्री तक चढ़ सकता है, लेकिन रात में यह 21 डिग्री तक गिरेगा। भागलपुर का भी यही हाल रहने वाला है।

बिहार चुनाव से पहले शिवहर में कार से 62.80 लाख कैश बरामद

एजेंसी। शिवहर

बिहार के शिवहर में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जिले में उड़न दस्ते की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। एसपी शैलेश कुमार सिन्हा और डीएम विवेक रंजन मैत्रेय के निर्देश पर गठित उड़न दस्ता टीम ने वाहन चेकिंग अभियान के दौरान कुल 62.80 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, शिवहर शहर के जीरो माइल चौक से 62 लाख रुपये और धनकोल क्षेत्र से 80 हजार रुपये बरामद किए गए। यह कार्रवाई वाहन



जांच अभियान के तहत की गई। कैश मिलने के बाद आयकर विभाग को सूचना दे दी गई है और मामले की जांच जारी है। एसपी शैलेश कुमार सिन्हा ने पुष्टि की कि इस जब्ती के पीछे क्या उद्देश्य था, इसे लेकर अधिकारी जांच कर रहे हैं। चुनाव के मद्देनजर जिले में निगरानी और वाहन चेकिंग को और तेज किया गया है।

सुभाषितम्

तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे। - अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

सूचना अधिकार कानून बनाम नागरिकों के अधिकारों का हनन

भारत में सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून 2005 में इस उद्देश्य से लागू किया गया था, कि सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाई जा सके। कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित हो। सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार कम हो। सरकारी तंत्र अपनी जिम्मेदारी को समझे और नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करे। यह कानून लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करने वाला माना गया था, लेकिन वर्तमान में यह कानून एक मजाक बनकर रह गया है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं कर रही है। पद खाली पड़े हुए हैं। सरकार और उसके अधिकारी अपनी जवाबदेही से बचने के लिए सूचना अधिकार कानून को लाल बस्ते में बंद करके रखना चाहते हैं। कुछ राज्यों में आरटीआई मामलों की सुनवाई के लिए 20 से 30 साल तक का इंतजार करना पड़ रहा है। तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है, क्या यह कानून अब नागरिकों के लिए मजाक बनकर रह गया है? हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार, राज्यों में सूचना अधिकार कानून के तहत जो मामले पंजीकृत हैं उनकी सुनवाई में कई दशकों तक इंतजार करना पड़ेगा। सूचना अधिकार कानून में जो जानकारी मांगी गई है। उसके लिए तेलंगाना में आरटीआई मामलों की सुनवाई के लिए 29 साल, त्रिपुरा में 23 साल, छत्तीसगढ़ में 11 साल और मध्य प्रदेश व पंजाब में 7 साल तक का इंतजार नागरिकों को करना पड़ सकता है। यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक अधिकारों और नागरिक अधिकारों को बनाए रखने की दिशा में गहरी चिंता का विषय है। आरटीआई कानून का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना था। सूचना आयोगों की धीमी प्रक्रिया ने इस कानून को औपचारिक बना दिया है। यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण के स्थान पर भ्रष्टाचार को और बढ़ावा देने का एक माध्यम बन गया है। जब एक नागरिक सूचना मांगता है, तो वह केवल एक सवाल नहीं करता, बल्कि शासन और उसके अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का प्रयास करता है। यदि उसे सूचना पाने के लिए दशकों तक प्रतीक्षा करनी पड़े, तो यह नागरिक अधिकारों का खुला उल्लंघन होगा। ऐसी स्थिति में आरटीआई कानून का अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न लग जाता है। देश में जून 2025 तक 4।13 लाख अपीलें और शिकायतें लंबित थीं। कई सूचना आयोगों ने तो कानून के तहत अनिवार्य वार्षिक रिपोर्ट तक प्रकाशित नहीं की। यह लापरवाही न केवल प्रशासनिक असफलता को दशार्ती है, बल्कि शासन की पारदर्शिता के प्रति उदासीनता उजागर करती है। जरूरी है, केंद्र और राज्य सरकारें इस स्थिति को गंभीरता से लें। सूचना आयोगों में पर्याप्त मानव संसाधन और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए। समय सीमा पर सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की जाए जो स्वीकृत पद हैं उन्हें समय पर भरा जाए। कई राज्यों में तो सूचना आयुक्तों के पद कई वर्षों से खाली पड़े हुए हैं। लंबित मामलों की समय सीमा तय कर सख्ती के साथ निगरानी की जाए। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुनवाई प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया जा सकता है। सूचना अधिकार कानून में एक समय सीमा के अंदर सूचना उपलब्ध कराने का प्रावधान है। ऐसा नहीं करने पर दंड का प्रावधान है। यह नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। इसका पालन किसी भी स्तर पर यदि नहीं होता है तो इसको लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को भी संज्ञान लेने की जरूरत है। आरटीआई कानून नागरिकों के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की रीढ़ है। अगर इसमें देरी और उपेक्षा जारी रही, तो यह कानून अपने मूल उद्देश्य से भटक जाएगा। नागरिकों को जानकारी पाने का अधिकार तभी सार्थक है जब वह निश्चित समय पर मिले। वरना कई साल बाद की सुनवाई की जाती है तो इसमें नागरिक अधिकार बुरी तरह से प्रभावित होते हैं। जब कोई कानूनी सुविधा नागरिकों को प्राप्त नहीं होती है तो उससे व्यथित होकर व्यक्ति सूचना अधिकार कानून का उपयोग करता है।

चिंतन-मनन

सुखी रहने के लिए लें धर्म की शरण!

दुनिया का हर व्यक्ति केवल सुख ही चाहता है। दुख से सब दूर भागते हैं। यदि हमें सुखी रहना है तो सबसे पहले धर्म से जुड़ना होगा। किसी के मन को दुखाना भी पाप है। भागदौड़ भरी जिंदगी में आज हर व्यक्ति विवेक नहीं रख पाता है। इसलिए पाप बंध को बांधता चला जाता है और पाप बंधने के कारण सुखी नहीं हो पाता। इसलिए सुखी रहने के लिए धर्म की शरण में जाकर धर्म के मर्म को समझना होगा। धर्म की शुरूआत व्यक्ति को सबसे पहले अपने घर से ही करना चाहिए। यदि हम विवेकपूर्ण जीवन जिएंगे तो पाप से बच पाएंगे और जो पाप से बच पाएगा, वहीं सही मायनों में धर्म से भी जुड़ पाएगा। मयार्दाओं को भंग करना पाप की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी के मन को दुखाना भी पाप है। हमें अपने जीवन काल में सुख प्राप्ति के लिए जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा, क्योंकि जिनवाणी अमृत रूप है। हमारा सौभाग्य है कि हमें जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिला है। जीवन में यदि सुख प्राप्त करना है तो जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा। धर्म आधारित जीवन जीते हुए ही मनुष्य वैराग्य की ओर अग्रसर हो सकता है। संपूर्ण जीवन लोभ, मोह, मद, मान और माया में ही व्यतीत हो जाता है और प्रभु आराधना का समय ही नहीं मिल पाता तथा व्यक्ति संसार से प्रस्थान भी कर जाता है। संसार में रहते हुए वैराग्य के प्रसंग जीवन में आते हैं। फिर भी विरक्ति नहीं होती। इसलिए निरंतर साधना व स्वाध्याय करते रहना चाहिए। सुखी और सफल जीवन के लिए भौतिक सुख नहीं, आध्यात्मिक सुख ज्यादा जरूरी है, जो वैराग्य से ही प्राप्त हो सकता है। संसार के सभी जीव सुख चाहते हैं। सभी लोग सुख प्राप्त करने के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं, लेकिन सच्चा सुख कहां है, इसका हमें ध्यान नहीं है। जो जीवात्मा अरिहंत परमात्मा की वाणी को आत्मसात करती है, उसकी सभी प्रकार की आधि-व्याधि नष्ट हो जाती है। जिसने आत्मस्वरूप की पहचान कर ली है, वही धर्मध्यान में लीन होगा। हमारे आर्तध्यान और रौद्रध्यान से जीवन भटक जाता है। धर्मध्यान को अपनाकर व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति में भी समभाव को धारण कर सकता है।

सच कहना यदि बगावत है तो कह दो हम भी बागी हैं

-निमिषा सिंह



5 जून 1974 पटना का गांधी मैदान। मंच पर विराजमान जयप्रकाश नारायण के साथ फणीश्वरनाथ रेणु और नागार्जुन। बिहार के तत्कालीन गफूर सरकार के इस्तीफे के प्रस्ताव के समर्थन में इकट्ठे किए गये तीन ट्रक हस्ताक्षर के पुलिंदे राजभवन पहुँचाकर लौट रहे आंदोलनकारियों पर बेली रोड में इंदिरा ब्रिगेड के अड्डे से गोलीबारी शुरू कर दी गई। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने पटना के गांधी मैदान में पांच लाख की उत्साही भीड़ के सामने सम्पूर्ण क्रांति का ऐलान किया और कहा कि सच कहना यदि बगावत है तो कह दो हम भी बागी है। इंदिरा गांधी की सत्ता को उखाड़ फेकने का आहवान किया गया। लाखों लाख लोग जेपी के सम्पूर्ण क्रांति से जुड़ गए। 11अक्टूबर 1902 में सिताब दियारा के एक कायस्थ परिवार में जन्मे जयप्रकाश नारायण सन 1979 तक विविध रूप मे सक्रिय दिखे। स्वतंत्रता सेनानी के रूप में समाजसेवी के रूप और अन्ततः राजनेता के रूप में। इन तीनों रूपों में उन्होंने भारतीय जनमानस को गहराई से प्रभावित किया। वह उन लोगों में से थे जिन्होंने सत्ता और पद से परे रहकर समाज को अपनी सेवा के लिए चुना और राजनीति को जनता की सेवा का माध्यम बनाया। भाईचारा स्वतंत्रता आजादी यह विचार जे पी को महात्मा गांधी से विरासत के तौर पर मिले थे। उन्होंने कॉन्ग्रेस के अंदर सोशलिस्ट पार्टी योजना बनाई थी और कॉन्ग्रेस को सोशलिस्ट पार्टी का स्वरूप देने के लिए आंदोलन भी शुरू किया था। इतना ही नहीं जेल से भाग कर नेपाल में रहने के दौरान उन्होंने सशस्त्र क्रांति भी शुरू की थी। इसके अलावा वह किसान आंदोलन छात्र आंदोलन और सर्वोदय आंदोलन सहित कई छोटे-बड़े आंदोलनों में शामिल रहे और उन्हें अपना समर्थन देते रहे।

जयप्रकाश इकलौते ऐसे नेता हुए जिन्होंने देश के तीन बड़े आंदोलन में मुख्य भूमिका निभाई थी या यूं कहे कि नेतृत्व किया था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गांधी जी के साथ हर मोर्चे पर साथ खड़े दिखाई दिए। आजाद भारत के भूदान आंदोलन में जे पी विनोबा भावे के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते दिखे। तीसरा वह आंदोलन जिसकी अगुवाई स्वयं जेपी ने की। संपूर्ण क्रांति जब इस देश के घर-घर में क्रांति का पर्याय बने थे जे पी। वह जे पी ही थे जिन्होंने उस दौर के युवाओं को सही दिशा दिखाया। यह वह दौर था जब देश के युवाओं में सरकार के प्रति असंतोष का भाव घर कर चुका था। देश इंदिरा के नेतृत्व में महंगाई भ्रष्टाचार और विकास की सुस्त गति से त्रस्त था। शैक्षणिक अराजकता का माहौल था। ऐसे में गुजरात में हुई एक राजनीतिक उथल-पुथल ने बिहार के छात्रों को काफी प्रेरित किया। गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नवनिर्माण समिति द्वारा आंदोलन तीव्र हो चुका था। गुजरात विधानसभा को भंग करना पड़ा। चुनाव में चिमन भाई पटेल की सरकार की हार हुई। इस घटनाक्रम से बिहार के छात्रों का हौसला बढ़ा। बिहार प्रदेश में तत्कालीन गफूर सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए बिहार के छात्र प्रतिबद्ध हुए।लाठी चार्ज के द्वारा छात्रों की आवाज को दबाने की कोशिश की गई। 21 जनवरी 1974 को पटना के ह्विलर सीनेट में यूथ फॉर डेमोक्रेसी के तत्वाधान में एक सभा हुई जिसमें जे पी ने संबोधित किया। 17 और 18 फरवरी को पटना में बिहार राज्य छात्र नेता सम्मेलन हुआ जिसमें साम्यवादी छात्रों को छोड़ सभी संगठनों के छात्रों ने हिस्सा लिया और बिहार छात्र संघर्ष समिति का गठन हुआ। मुलायम सिंह यादव, लालमुनि चौबे, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, दिवंगत रामविलास पासवान, रविशंकर या फिर सुशील मोदी, आज के सारे नेता जेपी के उसी छात्र युवा संघर्ष वाहिनी का हिस्सा थे। इनमें से कुछ ने आगे चलकर कुछ नए दल बनाए तो कुछ दूसरे स्थापित पार्टियों में शामिल हो गए। सक्रिय छात्रों के नेतृत्व में प्रदेश के हर हर नुक्कड़ चौराहे पर धरना प्रदर्शन और नुक्कड़ नाटक होने लगे। सरकार की दमनकारी नीतियां आरंभ हो गई। 16 मार्च को बेतिया और बाढ़ में गोली चली। 18 मार्च को 12 सूची मांगों को लेकर छात्रों का प्रदर्शन हुआ। सरकार ने अपनी बर्बरता दिखाई। पुलिस कारवाही में 110 छात्र मारे गए। 23 मार्च को राम बहादुर राय एवं गोविंदाचार्य जैसे बड़े नेता की मुलाकात जेपी से हुई और उन्होंने उनसे छात्र आंदोलन का नेतृत्व करने का आग्रह किया। जयप्रकाश ने छात्रों को सही दिशा दिखाते हुए शांतिपूर्वक और अहिंसात्मक तरीके से आंदोलन करने की अपील की। उस वक्त जयप्रकाश नारायण ने युवाओं का नेतृत्व किया और उनके आंदोलन को चरम सीमा तक पहुंचाया। अगर जेपी नहीं होते तो उस आंदोलन का दमन कर दिया जाता। बड़ी संख्या में और युवा मारे जाते। भविष्य में किसी की भी हिम्मत नहीं होती कि वह सत्ता के खिलाफ अपना सर उठा सके।

8 अप्रैल 1974 को पटना से विशाल मुक प्रदर्शन हुआ जिसमें हजारों की संख्या में मुंह पर काली पट्टी बांधे और पीठ पीछे हाथ बांधे युवा छात्र सड़कों पर निकल पड़े। जीपी ने नारा दिया-- हमला चाहे जैसा होगा हाथ हमारा नहीं उठेगा। अखिल विश्व भारतीय परिषद छात्र संगठनों को समाजवादी युवजन सभा का साथ मिला। 9 अप्रैल 1974 को गांधी मैदान में हुई सभा में जे पी को लोक लायक की उपाधि दी गई। बिहार के सभी विधायकों से त्यागपत्र देने की अपील हुई। 5 जून 1974 को जयप्रकाश नारायण ने बिहार विधानसभा भंग करने का आह्वान दिया और गांधी मैदान से ही सम्पूर्ण क्रांति की घोषणा कर डाली। जे पी की हुंकार पर नौजवानों का जत्था सड़कों पर निकल पड़ता था। देखते ही देखते बिहार से उठी संपूर्ण क्रांति की चिंगारी देश के कोने-कोने में आग बनकर भड़क उठी थी। पूरे साल भर के लिए छात्रों द्वारा कक्षा बहिष्कार तथा परीक्षा बहिष्कार कर दिया गया। विधायकों को विधान परिषद में आने से रोका जाने लगा। अगले 21 दिनों तक बिहार पुलिस प्रशासन की बर्बरता जारी रही एक समय ऐसा भी आया जब छात्रों ने विधान परिषद को चारों तरफ से घेर लिया। पुलिस की तरफ से अंधाधुंध गोलियां चलाई गई और 50 से ज्यादा युवा मारे गए। अक्टूबर महीने तक पूरे बिहार में धरना प्रदर्शन चलता रहा। छात्र मारे जाते रहे। 4,5 और 6 अक्टूबर 1974 को बिहार बंद का आवाह्न किया गया जो काफी हद तक सफल रहा। 1 नवंबर को जयप्रकाश नारायण और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बीच हुई वार्ता विफल रही। 4 नवंबर को जयप्रकाश नारायण की नेतृत्व में निकली जुलुश पर हुई लाठी चार्ज के दौरान जे पी चोट खाकर जमीन पर गिर पड़े। नानाजी देशमुख ने उन्हें बचाने की कोशिश कीजिए और इसी क्रम में उनका हाथ टूट गया। दर्जनों नेता और बड़ी संख्या में आंदोलनकारी घायल हुए। यह वाकया इंदिरा सरकार के लिए ताबूत में आखिरी कील साबित हुई। 18 नवंबर को गांधी मैदान में विशाल जनसभा में जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा गांधी द्वारा दी गई चुनाव मैदान में उतरने की चुनौती को स्वीकार किया। अपने बिगड़ते स्वास्थ्य के बावजूद जेपी ने आपातकालीन शासन से लड़ने असमान राजनीतिक संस्थाओं का एक गठबंधन बनाकर इंदिरा गांधी की हार सुनिश्चित करने और लोकतंत्र की बहाली सुनिश्चित करने के लिए अड़े रहे डटे रहे।

मासूम कलियों को रौंदने से बचाना होगा?

- नरेंद्र भारती



बेशक प्रत्येक वर्ष 11 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के रुप में मनाया जा रहा है मगर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए हैं। केवल मात्र एक दिन पूरे विश्व में बालिकाओं की सुरक्षा के दावे किए जातें हैं संकल्प लिए जाते हैं उसके बाद 364 दिनों तक मासूम कलियों को रौदा जाता है। समूचे विश्व में बालिका दिवस पर भाषण प्रतियोगिताएं करवाई जाती हैं,सैमीनार लगाए जातें हैं ,कवि सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं।मगर सुधार शून्य ही रहता है।अगर सही मायनों में बालिकाओं को सुरक्षित बनाना है तो समाज के हर वर्ग को इसमें सहयोग देना होगा तभी ऐसें आयेजन सफल हो सकते हैं अन्यथा सुधार संम्भव नही हो सकता। आज पूरे विश्व में बालिकाओं की स्थिथती बहुत ही दयनीय होती जा रही है। समाज में बालिकाओं पर अत्याचार हो रहे हैं उनसे दुष्कर्म किए जा रहे हैं मासूम कलियों की हत्याएं की जा रही है। कन्या भ्रूण हत्याएं हो रही है लिंग अनुपात घटता जा रहा है। मंदिरों ,झाड़ियों में नवजात शिशु फैके जा रहे है जिनमें अधिकांश लडकियां होती है। समाज किस ओर जा रहा है वह यह क्यों नहीं सोचता कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी।कन्या भ्रूण हत्या के लिए समाज जिम्मेवार है।आज लड़कियां हर क्षेत्र में अपना नाम चमका रही है हर शिखर पर परचम लहरा पही है। आज धरती से लेकर आकाश तक बेटियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाकर समाज को बता दिया कि हम किसी से कम नहीं है। आज बेटियां एवरेस्ट पर्वत पर पहुच रही है ,हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही है।वंश परपरा की खातिर कोख में ही कत्ल किए जा रहे है। आज भले ही मानव 21वीं सदी में पहुच चुका है मगर उसकी सोच में कोई बदलाव नहीं आया है।इतिहास गवाह है कि देश में लड़कियों ने शिक्षा, राजनीति,से लेकर हर क्षेत्र में सफलता की इबारतें लिखी हैं।आज सरकारों द्वारा बेटी है अनमोल जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे है मगर कुछ तथाकथित दकियानूसी सोच रखने वाले लोगों के कारण ऐसे कार्यक्रमों पर बटटा लग रहा है जो लड़के की चाहत में ऐसे घिनौने कार्य कर रहे हैं ऐसे लोगों को कसाई कहना चाहिए,जो जानबूझ कर ऐसे रुह कंपा देनं वाले कार्यों को बेखौफ होकर अंजाम दे रहे है।समाज को ऐसें लोगो को बहिष्कृत करना चाहिए जो लड़कियों के जन्म पर मातम मनाते हैं। समाज के लोग गैर जिमेदार होते जा रहे हैं क्योकि समाज में कोई इन घटनाओं को रोकने के लिए आगे नही आ रहा है। अगर समाज जागरुक हो जाएगा तो इस पर रोक लग सकती है।आज भारत में ऐसे मामलों में इजाफा हो रहा है। ऐसी घटनाएं सभ्य समाज का अभिशाप बनती जा रही हैं। कन्या भ्रूण हत्या एक अपराध है मगर लोग निडर होकर बच्चियों को कूडेदानों व सुनसान जगहो पर फैंक रहे है यह पतन की पराकाष्ठा है अगर समय रहते इन घिनौने कार्य पर रोक नहीं लगाई तो आने वाला कल बहुत ही विनाशकारी होगा।ऐसी वारदातो से समाज का अहित होता है। यह एक चिन्ता का विषय बनता जा रहा है समाज के बुद्विजीविओं को बालिकाओं के बचाने के लिए चिंतन करना चाहिए।बेटा-बेटी के अन्तर को खत्म करना होगा। अगर हर मां-बाप यह सोच रखें की उसकी जो भी संतान होगी चाहे लड़का हो या लड़की उसका कत्ल नहीं किया जाएगा तो लिंग अनुपात में सुधार हो सकता है मगर समाज के लोगों को यह बात कौन समझायगा लोग अपनी मनमानी करते है अगर समाज के लोग सक्रिय हो जाएं जो इन लोगों पर नजर रखी जा सकती है जो लिंग जांच करवाने के बाद बेटियों का बेरहमी से कत्ल करवाते है समय-समय पर देश के राज्यों से ऐसे समाचार आते रहतें है ऐसे क्लिनिक चलाने वाले डाक्टरों को सजा ए मौत देनी चाहिए जो ऐसें नीच काम करते हैं ।ऐसे लोगों को जल्लाद कहना गलत नहीं होगा जो जानबूझर अजन्मी कन्ययओं मौत के घाट उतार रहे हैं ।चंद मुठठी भर लोग समाज का वातावरण खराब कर रहे है। समाज में गरीब लोग मेहनत मजदूरी करके अपनी बच्चियों का पालन-पोषण कर रहे है ऐसे घिनौने कार्यों को सरमाएदार लोग ही अंजाम देते है। क्योकि अमीर लोगों पर कोई उगली नही उठाता।बेटियों को कोख में ही खत्म करवाने वाले राक्षसो को सूली पर टांगना चाहिए।समाज के यही तथाकथित अमीर लोग नवरात्रों में कंजको को पूजते है मगर एक दिन पूजा करे इनके पाप नही घुल सकते क्योकि इनके पापों की सजा खुदा जरुर देगा।महिलाओं को भी इस को रोकने के लिए आगे आना होगा ऐसे लोगो को सजा दिलवानी होगी। अगर महिलाएं इसके विरुद्ध खड़ी हो जाए तो इन पर पूर्ण रुप से रोक लग सकती है।मगर वंश परंपरा के कारण कई महिलाएं भी दोषी है।केन्द्र सरकार को इन मामलो पर संज्ञान लेना होगा। आज की बालिका कल की स्त्री है उसके बगैर समाज की कल्पना नहीं जा सकती।समाज को जागरुक करने के लिए सरकार को संचार माध्यमों से अभियान चलाना होगा ताकि लोगों को जागृत किया जा सके ।प्रत्येक शहर व गांवों में शिविर लगाने चाहिए। अगर यह सिलसिला ऐसे ही बदस्तूर चलता रहा तो आने वाला समय इतना भंयकर हो जाएगा कि अराजकता फैल जाएगी जब चारों तरफ बालिकाओ का चीरहरण होगा। अगर समाज का हर आदमी जागरुक हो जाएगा तभी बालिकाओं को बचाया जा सकता है और तभी ऐसे बालिका दिवस सार्थक होगें।अगर अब भी लापरवाही बरती जो एक दिन बालिकाओं का आस्तित्व मिट जाएगा फिर पछताने के सिवाए कुछ हासिल नही होगा। विश्व के देशों को इस विकराल हो रही समस्या पर लगाम लगाने के लिए सामूहिक रुप से विचार विर्मश करना होगा तभी बालिकाओं को बचाया जा सकता है। अतः समय जागने का है।

दरकते पहाड़ बेकसूर मरते लोग, कसूरवार कौन ?

- नरेन्द्र भारती

दरकते पहाड़ बेकसूर मरते लोग एक दुखांत है तबाही का कसूरवार कौन है यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है।बीते सालों 2018 , 2022, 2023, 2024, में भूस्खलन से बहुत ही डरावनी तबाही हुई है। तबाहियों के जख्म अभी तक नहीं भर पाए हैं चार वर्षों से तबाही ही तबाही हो रही है। पहाड़ी से भूस्खलन होने के हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अभी बीतें हादसों की स्याही भी नहीं सूखी थी कि भल्लू पुल पर हुए दर्दनाक हादसे ने नई इबारत लिख दी है। 7 अक्तूबर 2025 मंगलवार का दिन अमंगल कर गया और गमगीन कर गया।एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए पल भर में पहाड़ काल बन गया।और 18 यात्रियों की अनमोल जिंदगीयां लील गया केवल मात्र दो बच्चों समेत तीन लोगों को सुरक्षित निकाल लिया है।मंगलवार शाम को बिलासपुर जिला के बरठीं क्षेत्र के मलारी गांव के पास भल्लू पुल के पास यह दर्दनाक हादसा हुआ। चंद मिनंटों में यह त्रासदी हो गई। चीखो पुकार मच गई शवों के चिथडे बन गए प्राईवेट बस मरोतन से घुमारवीं जा रही थी निजि अभागी बस संतोषी पर भल्लू पुल के पास पहाड़ का मलवा गिरने से जिन्दा लोग मौत के आगोश में समा गए। मलवे से पूरी बस दब गई।यह कोई पहला हादसा नहीं है आंकडों के अनुसार 8 अगस्त 2025 को चंबा में एक कार पर पत्थर गिरने से छह लोगों की मौत हो गई थी। 17 अगस्त 2025 को सिरमौर में निगम की बस पर चटटान गिरने से बस चालक व कुछ लोगों को चोटें आई थी। 12 अगस्त को चंबा में भी एक निजि बस की छत पर चटटान गिरने से तीन बस यात्री घायल हो गए थे। 11 सितंबर 2025 को चंडीगढ़ मनाली मार्ग पर हरिद्वार जा रही बस पर पत्थर गिरने से एक बच्ची घायल हो गई थी। भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेश में अब तक काफी लोग मारे जा चुके है।12 अगस्त 2017 की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई की रौगटे खडे हो गए। कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था।पल भर में लाशों के ढेर लग गए थे लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। शनिवार की काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया।पठानकोट - मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत गत वर्ष 2024 में आनी के निरमंड में बादल फटने से समेज गांव में बहुत त्रासदी हुई जहां 45 लोग बेमौत मारे गए थे। 2025 में सैंज के पंग्लीयूर में एक ही परिवार के नौ लोग मारे गए है।आनी में भी एक ही परिवार के आठ लोग मकान के जमींदोज होने से जिंदा दफन हो गए। 2025 की बेरहम बरसात हिमाचल को गहरे व अमिट जख्म दे गई। जख्म तो भर जाएंगें मगर निशान अमिट रहेगें।मानसून ने बहुत गहरे जख्म दिए हैं। सराज से तबाही का आगाज हुआ जहां बहुत ही खौफनाक मंजर हुआ था। 99 दिन तक मानसून ने ऐसी इबारत लिखी की हर इंसान खौफ के साए में जीने को मजबूर हो गया था।तबाही के समाचार जीवंत तस्वीरें देखकर आत्मा सिहर उठती थी लोग बरसात के डर से रात भर जागतें रहते थे कि पता नहीं बरसात कब आफत बनकर कहर ढायेगी। मानवीय तबाही से लोग एक डरावने माहौल में दिन काट रहे हैं। मानव को आने वाले भविष्य को सुरक्षित करना होगा।

आज का राशिफल

मेष राशि स्वामी मंगल के पाप ग्रहों की संगति में होने से संबंधों में थोड़ी कड़वाहट आ सकती है।

वृषभ आज जीवन में शांति लेकर आया है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे।

मिथुन जातकों का मन अस्थिर रहेगा। मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की संभावना दिख रही है।

कर्क आज उत्तम संपत्ति और भाग्य वृद्धि के संकेत दे रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

सिंह दिन आर्थिक प्रगति वाला रहेगा। चार ग्रहों के बीच में होने से सूर्य आमदनी के नए स्रोत खोलेंगे।

कन्या आज कन्या राशि के जातकों का भाग्य चमकेगा और सफलता प्राप्त होगी।

तुला आज का दिन आपके लिए अत्यंत सुखद और भाग्यशाली रहने वाला है।

वृश्चिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां संभव हैं। मूत्र या रक्त से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

धनु प्रशंसा करते नजर आएंगे। शासन-सत्ता से निकटता बढ़ाने से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

मकर आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में किए जा रहे नए प्रयास सफल होंगे।

कुंभ आज के दिन आपके स्वास्थ्य में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकते हैं।

मीन आज का दिन संतान की चिंता में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में पुराने मतभेद समाप्त होंगे।

विशेष

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की परीक्षा?

तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार की जल्द ही परीक्षा होने वाली है। तेलंगाना में स्थानीय निकायों के चुनाव होने जा रहे हैं। इस चुनाव में किस पार्टी की कितनी लोकप्रियता है, इसका पता चुनाव परिणाम से चल जाएगा। भारत राष्ट्र समिति और भारतीय जनता पार्टी के लिए यह एक मौका है। जब वह अपनी ताकत दिखा सकते हैं। वहीं रेवंत रेडी ने विधानसभा का चुनाव जरूर जीत लिया। स्थानीय निकायों में वह चुनाव की परीक्षा में पास हो पाते हैं, या नहीं। इसको लेकर अटकलों का दौर चल पड़ा है।

सनातनियों में आई लव मोहम्मद का विरोध

इस समय देश में आई लव मोहम्मद का विरोध सनातनियों मे देखने में मिल रहा है। सनातनी मानते हैं, इस्लाम धर्म गैर मुस्लिम को स्वीकार नहीं करता है। गैर मुसलमानों को इस्लाम धर्म काफिर मानता है। ऐसी स्थिति में इस्लाम और मोहम्मद से मोहब्बत कैसे की जा सकती है। यह तो यही बात होगी कि घोड़ा घास से यारी करने लगे। इस्लाम मूर्ति पूजा का विरोध करता है। सनातनी मूर्ति पूजा ही करते हैं। ऐसे में उन्हें मुसलमानो की मुहम्मद से मोहब्बत का विरोध करना ही था, सनातनी कर भी रहे हैं।योगी बाबा तो खुलकर मैदान में आ गए हैं। इसे कहते हैं,जो समर्थ हो,उसका विरोध नहीं करना चाहिए।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1737: पश्चिम बंगाल में चक्रवात से लगभग तीन लाख लोग मारे गए। 1797: ब्रिटिश बेडे ने हालैंड के बेडे को कैम्परडाउन में पराजित किया। 1921: चीन के राष्ट्रवादियों ने राजशाही को उखाड़ फेंका। 1915: प्रथम विश्वयुद्ध में ब्रिटिश नर्स जुडिथ कावेल को ब्रुसेल्स में मौत के घाट उतार दिया गया। 1921: जयप्रकाश नारायण का जन्म। 1963: राष्ट्र संघ ने दक्षिण अफ्रीका में दमन की निंदा की। 1972 : उत्तर वियतनाम में तीन दूतावासों के क्षतिग्रस्त होने के बाद अमरीका ने अपने लड़ाकू विमान चालकों पर प्रतिबंध लगाया। 1976: चीन में माओ की विधवा को तीन और लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया। 1987: श्रीलंका के जाफना प्रायद्वीप में भारतीय शांति सेना की कार्यवाही में 12 तमिल उग्रवादी मारे गए।

दैनिक पंचांग

11 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.26 बजे से
चंद्र	वृष में	वृश्चिक	08.41 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.57 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.02 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.49 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	16.22 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.52 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.32 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.30 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.44 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		सिंह	02.00 बजे से
		कन्या	04.12 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 284 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 16.44 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 15.20 बजे को समाप्त।
योग व्यतीपात 14.07 बजे को समाप्त।
करण कौलव 06.08 बजे, तैतिल 16.44 बजे तदनन्तर गर 03.27 बजे रात्र को समाप्त। चन्द्रायु 19.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 07° 02'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872494
जूलियन दिन 2460959.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी तारीख 18
विशेष रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से 07.23	बजे तक	लाभ	05.37	से 07.10	बजे तक
शुभ	07.23	से 08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10	से 08.42	बजे तक
रोग	08.51	से 10.19	बजे तक	शुभ	08.42	से 10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19	से 11.46	बजे तक	अमृत	10.14	से 11.47	बजे तक
चर	11.46	से 01.14	बजे तक	चर	11.47	से 01.19	बजे तक
लाभ	01.14	से 02.42	बजे तक	रोग	01.19	से 02.51	बजे तक
अमृत	02.42	से 04.10	बजे तक	काल	02.51	से 04.23	बजे तक
काल	04.10	से 05.37	बजे तक	लाभ	04.23	से 05

संक्षिप्त समाचार

जामाडोबा शास्त्री नगर में हजारों की चोरी

जोड़ापोखर, एजेंसी। जामाडोबा शास्त्री नगर में गुरुवार की रात एक चोर ने स्वर्ग मोहन साव की राशन दुकान में घुसकर 15 हजार रुपये नगद की चोरी कर ली। घटना की शिकायत श्री साव के पुत्र तारकेश्वर साव ने जोड़ापोखर थाना में की है। उन्होंने पुलिस को बताया कि मोहल्ला में एक नाबालिग चोर है, जो बाहर की खिड़की से छत पर के रास्ते अंदर जाकर दरवाजा की कुंडी उखाड़ दिया और घटना को अंजाम दिया। उसका फोटो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। गल्ला में रखा पैसा नहीं है। इस संबंध में जोड़ापोखर थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता ने बताया कि चोरी की शिकायत मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घर में एक नाबालिग को घुसते व निकलते सीसीटीवी कैमरे में देखा गया है।

सेना और डाक विभाग में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 37 लाख ठगने वाले 3 गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। बरियातू के तेतर टोली स्थित तालाब के पास रहने वाले एक युवक व उसके परिचित को रेलवे व डाक विभाग में नौकरी लगाने का झांसा देकर 37 लाख ठगने वाले 3 आरोपियों को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम गौतम कुमार, विनोद कुमार और चंदन सिंह हैं। गौतम सदर थाना क्षेत्र स्थित शिवाजी नगर का रहने वाला है। वहीं विनोद बरियातू के मोरहाबादी स्थित कुसुम विहार रोड नंबर 7 में रहता था। चंदन को पुलिस ने वर्द्धमान के रतल्ला वर्द्धमान स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। इस ठगी कांड में 3 आरोपी अब भी फरार हैं, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। मालूम हो कि तेतर टोली निवासी अभिषेक कुमार ने 27 सितंबर को पूरी घटना की जानकारी बरियातू थाने को देते हुए 6 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

धनबाद के गोधर बस्ती में युवक ने की आत्महत्या :कमरे में फंदे से लटकी मिली लाश, नशे की थी लत

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के केंदुआडीह थाना क्षेत्र के गोधर बस्ती स्थित मड़ी गोदाम में 18 वर्षीय रवि कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक चिकन-मुर्गा बेचता था। परिवार वालों ने बताया कि रवि पिछले कुछ महीनों से गलत संगत में पड़ गया था और नशे की लत का शिकार हो गया था। उसके भाई सुजीत कुमार ने कहा कि हमने कई बार उसे नशा छोड़ने की सलाह दी, लेकिन वह किसी की बात नहीं मानता था। सुबह जब परिवार के लोगों ने दरवाजा नहीं खुलते देखा, तो अंदर जाकर पाया कि रवि ने फांसी लगा ली है। घबराहट में परिजनों ने बिना पुलिस को सूचित किए शव को दफनाने की कोशिश की। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही केंदुआडीह थाना के एसआई रविंद्र कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए धनबाद एसएनएमएमसीएच भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेनों का गया-सरमाटांड़ तक हुआ ट्रायल

धनबाद, एजेंसी। रेल मंडल द्वारा रेल संरचना एवं उच्च गति परिचालन क्षमता का मूल्यांकन के लिए चार से 10 अक्तूबर तक ग्रैंड कॉर्ड पर गया-सरमाटांड़ के बीच 93 किमी तक 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन का ट्रायल किया गया। ट्रायल के दौरान रोलिंग स्टॉक- जैसे वंदे भारत एक्सप्रेस रैक एवं डब्लूएपी-5 इंजन के साथ 10 एलएचबी कोच का उपयोग किया गया। ताकि ट्रैक, सिग्नलिंग एवं सुरक्षा प्रणाली (कवच) की उच्च गति संचालन के लिए तत्परता का मूल्यांकन किया जा सके। 'कवच' भारतीय रेल द्वारा स्वदेश में विकसित एक अत्याधुनिक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है। इसका उद्देश्य ट्रेन संचालन के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करना, टक्कर की संभावनाओं को रोकना, और सिग्नल ओवरशूट जैसी स्थितियों में स्वचालित नियंत्रण प्रदान करना है।

गोपाल रेड्डी हमला कांड में ड्राइवर संजय की जमानत अर्जी खारिज

धनबाद, एजेंसी। इंदुकुरी मधुबन प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के एवीपी सी गोपाल रेड्डी पर हुई फायरिंग मामले में उनके चालक जेल में बंद संजय कुमार राय की जमानत अर्जी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला की अदालत ने खारिज कर दी। बचाव पक्ष के अधिवक्ता कुमार कृष्णा ने अदालत को बताया कि पुलिस ने संजय को 27 सितंबर 2025 को गिरफ्तार किया और 29 सितंबर को उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस पर अदालत ने पुटकी (मुनीडीह) पुलिस से जवाब मांगा है। ज्ञात हो कि 27।9।2025 को सुबह सी गोपाल रेड्डी मंदिर में पूजा कर बाहर निकले तो अज्ञात बाइक सवार ने उनपर फायरिंग कर दी थी। इसमें वह जख्मी हो गये थे। कंपनी के सुरेश बाबू राव अन्मुलवार के आवेदन पर पुटकी (मुनीडीह) थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

14 अक्टूबर से मानसून की वापसी संभव रात के तापमान में होगी गिरावट

रांची, एजेंसी। अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में झारखंड से मानसून की विदाई लगभग तय मानी जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा और तेलंगाना से मानसून की वापसी के अनुकूल हालात बन गए हैं। विभाग ने संकेत दिया है कि राज्य से 13 से 14 अक्टूबर के बीच मानसून की औपचारिक वापसी हो सकती है।

वहीं हरियाणा और पश्चिम बंगाल के आसपास बने चक्रवाती सिस्टम के कारण शुक्रवार को रांची में आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहा। हालांकि, राज्य के अधिकतर हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहा और केवल कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना बनी रही।

सिर्फ गुमला में 0.5 मिमी बारिश, बाकी इलाकों में हल्की नमी : शुक्रवार की सुबह रांची समेत कई इलाकों में हल्की धुंध देखी गई। पूरे राज्य में केवल गुमला जिले में 0.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि बाकी क्षेत्रों में वातावरण थोड़ा नम रहा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछले 24 घंटे में राज्य में किसी बड़े बारिश के सिस्टम का प्रभाव नहीं रहा। इसी वजह से अब पश्चिमी हवाएं सक्रिय हो रही हैं, जो मानसून की विदाई का संकेत हैं। अगले तीन दिनों में बादल पूरी तरह छंट जाएंगे और दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है।

पलामू सबसे गर्म और गुमला सबसे ठंडा : शुक्रवार को राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम केंद्र के



अनुसार राज्य में सबसे अधिक तापमान पलामू में 33.5 डिग्री सेल्सियस और गिरिडीह में 33.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

वहीं, सबसे कम तापमान गुमला में 21.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को भी मौसम शुष्क रहेगा और हवा की गति सामान्य बनी रहेगी। अगले तीन दिनों में झारखंड से मानसून की विदाई लगभग तय मानी जा रही है।

30-33 डिग्री के बीच रहेगा अधिकतम तापमान : मौसम विभाग के अनुसार झारखंड के सभी जिलों में अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान 30 से 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 19 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। रांची, खूंटी, लोहरदगा, लातेहार और गुमला में रातें ठंडी होंगी। जहां न्यूनतम तापमान 18 से 19 डिग्री तक जा सकता है। वहीं, पलामू, गढ़वा और देवघर में दिन के तापमान में गर्मी बरकरार रहेगी, जहां अधिकतम 33 डिग्री तक रहने की संभावना है। जमशेदपुर और सरायकेला में तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा।

10 दिन में हुई 40.6 मिमी बारिश : 1 से 10 अक्टूबर के बीच राज्य में औसतन केवल 40.6 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य 67.3 मिमी से 66% कम है। मौसम विभाग के अनुसार यह सीजन की सबसे बड़ी कमी मानी जा रही है। सबसे अधिक बारिश गिरिडीह (129.3 मिमी), धनबाद (122.4 मिमी) और गढ़वा (98 मिमी) में दर्ज की गई। जबकि सबसे कम बारिश सिमडेगा (20.5 मिमी) और सरायकेला-खरसावां (46.5 मिमी) में हुई। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले तीन दिनों में कोई बड़ा सिस्टम सक्रिय नहीं होगा। झारखंड से मानसून की विदाई तय है। इसके बाद प्रदेश में पूरी तरह शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

कॉलेजों की लापरवाही के कारण इंटर कॉलेज जूडो प्रतियोगिता रद्द

धनबाद, एजेंसी। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) में शुक्रवार को आयोजित होने वाली इंटर कॉलेज जूडो प्रतियोगिता अचानक रद्द कर दी गयी। खिलाड़ियों को इसकी जानकारी पहले से नहीं दी गयी थी। कई खिलाड़ी प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचे, तो उन्हें बताया गया कि आयोजन रद्द हो गया है। इससे नाराज खिलाड़ी और उनके अभिभावक सीधे विवि पहुंचे और डीएसडब्ल्यू डॉ पुष्पा कुमारी तथा स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ जयगोपाल मंडल से मिले। उन्होंने प्रतियोगिता रद्द करने का कारण पूछा और इसे पुनः आयोजित करने की मांग की। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रतियोगिता कॉलेजों द्वारा समय पर भागीदारी की सूचना नहीं देने के कारण रद्द की गयी है। विवि के स्पोर्ट्स ऑफिसर ने कहा कि सभी खेलों का कैलेंडर पहले से तय होता है। शिकायत करने पहुंचे खिलाड़ियों में जीएन कॉलेज, चास कॉलेज, विस्थापित कॉलेज और आरवीएस कॉलेज बोकारो के खिलाड़ी शामिल थे।

इस वर्ष इंटर कॉलेज जूडो प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी एसएसएलएनटी महिला कॉलेज को दी गयी थी। विवि प्रशासन ने सभी कॉलेजों को निर्देश दिया था कि 10 अक्तूबर (शुक्रवार) को होने वाली प्रतियोगिता के लिए सात अक्तूबर तक अपनी भागीदारी की लिखित सूचना मेजबान कॉलेज को दें। लेकिन तय समय सीमा तक केवल विस्थापित कॉलेज, बोकारो ने ही अपनी भागीदारी की पुष्टि की। अन्य किसी कॉलेज से सूचना नहीं मिलने पर एसएसएलएनटी महिला कॉलेज ने विश्वविद्यालय प्रशासन को अवगत कराया। इसके बाद विवि ने प्रतियोगिता रद्द करने का निर्णय लिया। डीएसडब्ल्यू डॉ पुष्पा कुमारी ने बताया कि किसी भी इंटर कॉलेज प्रतियोगिता के आयोजन के लिए कम से कम तीन कॉलेजों की भागीदारी जरूरी होती है। इस बार पर्याप्त आवेदन नहीं मिलने के कारण विवि ने यह प्रतियोगिता रद्द की है और इसका नोटिस भी जारी कर दिया गया।

प्रतियोगिता रद्द होने से खिलाड़ियों में निराशा है। जीएन कॉलेज के तीसरे सेमेस्टर के छात्र व जूडो खिलाड़ी मोहम्मद इमरान ने कहा कि उन्हें इस प्रतियोगिता से काफी उम्मीदें थीं। उन्होंने पिछले वर्ष राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा दिखायी थी और इस बार बेहतर प्रदर्शन की तैयारी में थे।

धनबाद में एफसीआई गोदाम फायरिंग मामले का खुलासा:दो आरोपी गिरफ्तार

धनबाद, एजेंसी। धनबाद पुलिस ने धनसार थाना क्षेत्र के बरमसिया स्थित एफसीआई गोदाम लोडिंग प्वाइंट पर हुई फायरिंग की घटना का खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से एक पिस्टल, 14 जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद हुआ है। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने शुक्रवार को डीएसपी कार्यालय में यह जानकारी दी।

सिटी एसपी ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब 1:30 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि एफसीआई गोदाम परिसर में ट्रक चालक श्रवण कुमार यादव को गोली मारी गई है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल श्रवण यादव को शहीद निर्मल महतो मेमोरियल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। शाम लगभग 5 बजे श्रवण यादव का बयान दर्ज किया गया, जिसके आधार पर धनसार थाना कांड संख्या 185/25 दर्ज किया गया।

श्रवण यादव को दाहिने हाथ और पैर में गोली लगी

श्रवण यादव के बयान के अनुसार, घटना के समय ट्रांसपोर्टर और ट्रक मालिक भाड़ा बढ़ाने को लेकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान ट्रांसपोर्टर कुणाल सिंह ने गाली-गलौज करते हुए पिस्टल निकाली और फोन पर अपने साथियों को



बुलाया। कुछ देर बाद काले रंग की स्कॉर्पियो में उदय प्रताप सिंह, करणवीर सिंह और 4-5 अज्ञात लोग मौके पर पहुंचे और फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान श्रवण यादव को दाहिने हाथ और पैर में गोली लगी।

पुलिस ने घटनास्थल से एक पिस्टल, 14 जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया था। बाद में पुलिस ने कुणाल सिंह को निचितपुर अस्पताल से और करणवीर सिंह को पाटलिपुत्रा नर्सिंग होम से इलाज के दौरान गिरफ्तार कर लिया। सिटी एसपी ने बताया कि इस घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है।

धनबाद के मां मंगल चंडी मंदिर में आग:बजरंगबली और भगवान शिव के मंदिरों में नुकसान, स्थानीय लोगों ने काबू पाया

धनबाद, एजेंसी। झरिया के चार नंबर टैक्सी स्टैंड के पास स्थित सैकड़ों साल पुराने मां मंगल चंडी मंदिर में शनिवार सुबह अचानक आग लग गई। इस घटना से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मंदिर के पुजारी ने बताया कि आग मंदिर के बगल में स्थित पूजा समिति के कार्यालय से शुरू हुई। जिसमें बड़ी मात्रा में कपड़े रखे हुए थे। आग वेंटिलेटर के रास्ते मंदिर परिसर तक फैल गई। स्थानीय लोगों ने धुआं उठता देख तुरंत शोर मचाया और पुलिस तथा अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

स्थानीय निवासियों ने काबू पाया, फायर ब्रिगेड भी पहुंची : झरिया पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। हालांकि, फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही स्थानीय निवासी और मंदिर समिति के सदस्य मिलकर आग पर काबू पाने में सफल हो गए। पुजारी ने बताया कि इस प्रयास से आग को फैलने से रोका जा सका और बड़ी तबाही टली। बावजूद इसके, मंदिर परिसर में स्थित बजरंगबली और भगवान शिव के मंदिरों को भारी नुकसान हुआ।

मंदिर परिसर को हुआ भारी नुकसान : आग की चपेट में आने से मंदिर के टाइल्स, बिजली की वायरिंग, पंखे, बल्ब और कुछ मूर्तियां भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। पुजारी ने बताया कि इस हादसे में लगभग दो से तीन लाख रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। मंदिर के पास



स्थित दुर्गा भवन के रूम में रखे डेकोरेटर के तिरपाल, बांस और कपड़े भी जलकर खाक हो गए। हालांकि, नुकसान का सटीक आकलन अभी तक नहीं किया जा सका है।

आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं : मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन आग लगने के वास्तविक कारण की जांच कर रहे हैं। शुरुआती अनुमान के अनुसार, आग पूजा समिति के कार्यालय में रखे कपड़ों और अन्य ज्वलनशील सामग्री के कारण फैल गई। पुजारी और स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने के लिए तत्परता दिखाई, जिससे और बड़े नुकसान से बचा जा सका। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि सभी मंदिरों में सुरक्षा उपाय और अग्नि सुरक्षा उपकरण सुनिश्चित किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

चतरा में संदिग्ध अवस्था में इंजीनियर की मौत

चतरा, एजेंसी। चतरा में एक इंजीनियर का शव उनके कमरे से बरामद किया गया है। घटना सिमरिया थाना क्षेत्र के शीला के पीरी गांव की है। यहां निर्माणाधीन संकट मोचन मंदिर के कार्य में ये लगे हुए थे। मृतक के बिस्तर के नीचे से कुछ दवाएं भी बरामद की गई है। मृतक की पहचान बिहार के मधेपुरा निवासी दिलनवाज के रूप में हुई है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि उन्हें मंदिर निर्माण कार्य के लिए चतरा आए इंजीनियर की मौत की जानकारी मिली थी।

घुटनों पर चोट के निशान मिले

सिमरिया थाना के एसआई नंदलाल राम के अनुसार, मृतक कुछ दिनों से बीमार चल रहा था और दवाइयां भी ले रहा था। हालांकि, घटनास्थल से मृतक के बिस्तर के नीचे से कुछ दवाएं भी बरामद हुई हैं। मृतक के घुटनों पर चोट के निशान और मलहम पट्टी भी देखी गई है।

मामले की गहनता से पड़ताल शुरू

इन बरामदगी और चोट के निशानों के बाद



मौत की वजह पर सस्पेंस गहरा गया है। पुलिस अब इस पूरे मामले की गहनता से पड़ताल कर रही है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इंजीनियर दिलनवाज की मौत सामान्य है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

मृतक के परिजनों को दी गई सूचना

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और बरामद दवाओं की जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

बिजली चोरी में 1297 पर केस, रांची में 94 मामले:जेबीवीएनएल की एपीटी टीम ने राज्यभर के 8893 घरों में की छापेमारी

रांची, एजेंसी। बिजली चोरी के खिलाफ विभाग सख्त है। जेबीवीएनएल एपीटी टीम के द्वारा गठित 119 टीमों ने तीन दिनों बिजली चोरी रेड चलाया। जिसमें रांची समेत राज्य के 17 सर्किल अंतर्गत 8893 उपभोक्ताओं के ठिकाने पर रेड की गई। जिसमें कुल 1297 लोग बिजली चोरी करने में पकड़े गए, जिनके खिलाफ विभाग ने एफआईआर दर्ज कराया है। आरोपियों पर कुल 215.12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

बिजली चोरी के मामले में सबसे अधिक 1303 लोगों के घर व प्रतिष्ठानों में रेड डाला गया। इसमें कुल 101 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया गया। वहीं, सबसे कम कोडरमा में 208 रेड में कुल 44 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज हुई। जबकि, राजधानी रांची में कुल 961 रेड डाली गई, जिसमें 94 लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किया गया। इसके अलावा, सबसे अधिक एफआईआर



डालटनगंज में 125 लोगों पर हुआ है।

रिटायर्ड सैनिक ने बिजली चोरी की शिकायत की : इधर, रांची के एक उपभोक्ता सेवानिवृत्त सैनिक लोकमाला रेजिंसी हेसाग निवासी रौशन कुमार झा ने रांची अधीक्षण अभियंता को पत्र लिखकर बिजली चोरी की सूचना दी है। उन्होंने बताया कि वे फ्लैट नंबर 302 ए ब्लॉक में रहते हैं। बी ब्लॉक में कुल 18 फ्लैट हैं। उन्होंने अपने स्तर से जांच की, तो यहां 17 मीटर ही हैं। ऐसे में कोई न कोई उपभोक्ता निश्चित रूप से बिजली चोरी या मीटर में छेड़छाड़ करके बिजली जला रहा है। इसकी जांच होनी चाहिए।

9431135515 नंबर पर बिजली चोरी की सूचना दें : लोगों पर प्राथमिकी दर्ज हुई। जबकि, राजधानी रांची में कुल 961 रेड डाली गई, जिसमें 94 लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किया गया। इसके अलावा, सबसे अधिक एफआईआर डालटनगंज में 125 लोगों पर हुआ है।

कोडरमा अनुमंडल कार्यालय में अनुसेवक की मौत

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के अनुमंडल कार्यालय में एक अनुसेवक की काम के दौरान हृदयगति रुकने से मौत हो गई। मृतक की पहचान हजारीबाग निवासी 45 वर्षीय महेश कुमार के रूप में हुई है। वह अनुमंडल कार्यालय में अनुसेवक के पद पर कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात करीब 8 बजे कार्यालय के अन्य कर्मचारी अपना काम खत्म कर घर जा रहे थे। चूंकि कार्यालय में ताला लगाने का काम महेश कुमार ही करते थे, इसलिए कर्मचारियों ने उन्हें ढूंढना शुरू किया, लेकिन वह कहीं नहीं मिले।

मोबाइल ऑफिस के एक कमरे में बज रहा था

कर्मचारियों ने उन्हें फोन किया तो पता चला कि उनका मोबाइल ऑफिस के एक कमरे में बज रहा है। कर्मियों को लगा कि महेश अपना फोन ऑफिस में छोड़कर किसी जरूरी काम से घर चले गए हैं। इसके बाद गोलू सिन्हा नामक एक कर्मचारी ने



मुख्य दरवाजे पर ताला लगाकर महेश का मोबाइल फोन उनकी पत्नी को घर जाकर दे दिया। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब महेश घर नहीं पहुंचे, तो उनकी पत्नी अपने बेटे के साथ उन्हें ढूंढते हुए अनुमंडल पदाधिकारी के आवास पहुंचीं और महेश के बारे में पूछताछ की।

एसडीओ के चैंबर में बेसुध हालत में पड़े मिले

वहां मौजूद गार्ड ने अनुमंडल कार्यालय की एक अन्य चाबी का गुच्छा लेकर महेश की पत्नी के साथ कार्यालय पहुंचे। काफी खोजबीन के बाद महेश एसडीओ के चैंबर में बेसुध हालत में पड़े मिले। उन्हें तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर एसडीओ रिया सिंह सदर अस्पताल पहुंचीं और मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाया।

इधर, शुक्रवार की सुबह जब अनुमंडल कार्यालय का सीसीटीवी फुटेज चेक किया गया तो पाया कि शाम के करीब 7 बजे वे अनुमंडल पदाधिकारी के चैम्बर में गए हैं, उसके बाद वे वहां से बाहर नहीं निकले हैं। वहीं, उपायुक्त ऋतुराज भी सदर अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाया।

कोडरमा में किराए के मकान में रहता है परिवार

बताते चलें कि महेश कुमार के दो पुत्र व एक पुत्री है। मृतक हजारीबाग जिले का रहने वाला था और फिलहाल वह अपने बीवी बच्चों के साथ कोडरमा के जलवाबाद में किराए के मकान में रहते थे। महेश कुमार 2021 से यहां कार्यरत थे।

टाटीझरिया में कुबरी नदी किनारे अधजला शव मिला

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले के टाटीझरिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार को कुबरी नदी के पास एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का अधजला शव बरामद हुआ। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने जंगल के रास्ते में शव देखकर तुरंत जनप्रतिनिधियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही डहरभंगा के मुखिया प्रतिनिधि रवींद्र यादव और टाटीझरिया मुखिया सुरेश यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल पुलिस को घटना की जानकारी दी। टाटीझरिया थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार, सब इंस्पेक्टर पवन कुमार और एएसआई रामप्रवेश राय अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की।

फोरेंसिक और तकनीकी जांच के माध्यम से घटना को सुलझाने का प्रयास : पुलिस को मौके से एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन, बीस-बीस रुपए के तीन नोट, माचिस की डिब्बी और मृतक का जबड़ा मिला है। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिला है कि अपराधियों ने पहचान मिटाने के उद्देश्य से शव और मोबाइल फोन दोनों को जलाने का प्रयास किया था।

थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार ने बताया कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है और हर पहलू से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि फोरेंसिक और तकनीकी जांच के माध्यम से घटना को सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जिसके लिए आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्टों की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से जांच में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। इस घटना से टाटीझरिया और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। पुलिस ने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध जानकारी को तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की है।



स्टेनोग्राफर एक अच्छा कॅरियर विकल्प

जिन युवाओं की इच्छा सरकारी नौकरी करने की है। उनके लिए स्टेनोग्राफी एक अच्छा करियर विकल्प हो सकता है। यह 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद स्टेनोग्राफी करियर का एक अच्छा क्षेत्र है। स्टेनोग्राफर के पद का वेतनमान आकर्षक होता है। यह कम खर्चीला भी होता है। स्टेनोग्राफर पर कार्यालय या संस्था के गोपनीय रिकॉर्डों को संभालने का दायित्व रहता है। स्टेनोग्राफर अपने अधिकारी के प्रति विश्वनीय पद है। इस पद पर काम करना एक गरिमापूर्ण व चुनौतीपूर्ण है। अच्छी खासी तनख्वाह ऊपर से सरकारी नौकरी का रौब अलग। यही बातें हैं जो युवाओं को स्टेनोग्राफी की तरफ आकर्षित करती हैं, लेकिन इसमें कड़ी मेहनत की आवश्कता होती है।

स्टेनोग्राफी आशय होता है संक्षिप्त लेखन जिसे अंग्रेजी में शॉर्टहैंड कहा जाता है एक प्रकार की लेखन विधि होती है। हमारे देश में स्टेनोग्राफर के पद अदालतों, शासकीय कार्यालयों, मंत्रालयों, रेलवे विभागों में होते हैं। स्टेनोग्राफर का कोर्स करने के लिए कड़े परिश्रम की आवश्कता होती है, क्योंकि इस भाषा में शब्द गति होना आवश्यक है। एक कुशल स्टेनोग्राफर बनने के लिए उस विषय की भाषा का व्याकरण का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है। स्टेनोग्राफर बनने के लिए 100 शब्द प्रति मिनट की गति उत्तीर्ण करना आवश्यक होता है। देश में विभिन्न संस्थाएं स्टेनोग्राफर के कोर्स करवाए जाते हैं। देश में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों आईटीआई में भी स्टेनोग्राफर का एक वर्षीय कोर्स करवाया जाता है। इन संस्थानों में 100 शब्द प्रति मिनट की गति से परीक्षाएं भी ली जाती हैं। इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने के बाद आप स्टेनोग्राफर बन सकते हैं। सरकारी विभागों द्वारा विज्ञापनों में स्टेनोग्राफर की भर्तियां निकाली जाती हैं।

महत्वपूर्ण पद

हर सरकारी दफ्तर में स्टेनोग्राफर के कई पद होते हैं। स्टेनोग्राफर गरिमापूर्ण पद होता है क्योंकि उसकी नियुक्ति विभागाध्यक्ष के निजी सहायक के रूप में होती है। वह कार्यालय के गोपनीय कार्य सम्भालना, डिक्टेशन कार्य और पीठासीन अधिकारी के प्रति विश्वसनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी संभालता है। स्टेनोग्राफर पद का वेतनमान भी आकर्षक है। यह द्वितीय श्रेणी का पद है। कुशल और तीव्र गति की स्टेनोग्राफी के माध्यम से सीधे ही राजपत्रित अधिकारी का पद भी प्राप्त किया जा सकता है जिससे संसद व विधानसभा में संसदीय रिपोर्टर के पद नियुक्ति प्राप्त की जा सकती है। यह बहुत आकर्षक पद होता है।

जरूरी योग्यता

स्टेनोग्राफर पद के लिए उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण होना तथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी आशुलिपि में न्यूनतम 80 शब्द प्रति मिनट की गति होना आवश्यक है। इस पद के लिए न्यूनतम 18 वर्ष तथा अधिकतम 27 वर्ष तक की आयु निर्धारित है, कुछ विभागों में अधिकतम आयु 35 वर्ष तक निर्धारित है।

भर्ती

स्टेनोग्राफर पद की भर्ती संसद, विधानसभाओं, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों, कर्मचारी चयन आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग, रेल्वे भर्ती बोर्ड, अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड तथा अन्य राजकीय उपक्रमों के माध्यम से की जाती है। इनके द्वारा चयनित अभ्यर्थियों का पदस्थापन केंद्रीय सचिवालय, शासन सचिवालय, संसद, विधानसभाओं आदि सरकारी कार्यालयों में राजकीय कर्मचारी के रूप में किया जाता है। पॉलिटेक्निक कॉलेजों में आधुनिक कार्यालय प्रबंधन या मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट एमओएम के रूप में कोर्स करवाए जाते हैं। इसमें आशुलिपि के अलावा कम्प्यूटर, टंकण एवं लेखा से संबंधित कोर्स भी सम्मिलित है। राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई में भी एक वर्षीय कोर्स करवाया जाता है।



अवसरों की भरमार है बैंकिंग क्षेत्र में

देश में बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार देने वाले सेक्टर के रूप में बैंकिंग इंडस्ट्री का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के दूरदराज के इलाकों में बैंकों की नई शाखाएं खुलने तथा प्रति वर्ष लगभग 40-50 हजार बैंक कर्मियों के रिटायर होने अथवा स्वैच्छिक सेवा अवकाश लेने के कारण इस क्षेत्र में नियुक्तियां करने की प्रक्रिया निरन्तर चलती रहती है। युवाओं में आज भी बैंकिंग जॉब्स का आकर्षण बना हुआ है। यह इस बात से सिद्ध हो जाता है कि प्रति वर्ष लाखों नहीं बल्कि करोड़ों की संख्या में युवा बैंकिंग चयन परीक्षाओं में शामिल होते हैं। इन्हीं प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से बैंकों में क्लर्क और अधिकारी वर्ग की रिक्तियों को भरा जाता है।

वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य

देश की विशाल आबादी की ही तरह भारतीय बैंकिंग क्षेत्र भी व्यापक है। इसका नेटवर्क देश के लगभग साढ़े पांच लाख गाँवों को अपनी परिधि में किसी न किसी रूप में अवश्य लिए हुए है। इस विस्तृत बैंकिंग ढांचे के अंतर्गत 27 पब्लिक सेक्टर बैंक, 22 प्राइवेट बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 रीजनल रूरल बैंक, 1589 शहरी को-ऑपरेटिव बैंक, 93550 ग्रामीण को-ऑपरेटिव बैंक शामिल हैं।

बैंकिंग क्षेत्र के लिए व्यक्तिगत गुण

ऑफिस जॉब और जीवन में स्थिरता चाहने वाले युवाओं के लिए बैंकिंग सेक्टर एक बेहतर और उपयुक्त करिअर ऑप्शन माना जा सकता है। इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कारूरी है कि युवा में मैथ्स के साथ एकाउंटिंग में रुचि हो। पब्लिक डीलिंग का प्रावधान होने की वजह से धैर्यवान और गुस्से से कोसों दूर रहने जैसे गुण भी काफी उपयोगी कहे जा सकते हैं।

बैंकिंग चयन परीक्षाएं

इंस्टिट्यूट ऑफ़ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन (आई बी पी एस) द्वारा देश भर के बैंकों की रिक्तियों को भरने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इन परीक्षाओं के लिए आवेदन से लेकर परीक्षा के पैटर्न आदि के बारे में आई बी पी एस की वेबसाईट से अधिकृत जानकारी हासिल की जा सकती है। इस संस्थान द्वारा आयोजित बैंकिंग परीक्षाओं में 2016-17 के दौरान लगभग 1.51 करोड़ प्रत्याशियों ने अखिल भारतीय स्तर पर रजिस्ट्रेशन कराया था। इस तथ्य से इसकी क्षमता का सहज ही अंदाका हो जाता है। स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया और इससे सम्बद्ध बैंकों की रिक्तियों को भरने के लिए एस बी आई द्वारा स्वयं चयन प्रक्रिया का संचालन किया जाता है।

बैंकिंग परीक्षाओं के पैटर्न

क्लर्क और प्रोबेशनरी ऑफिसर के पदों की रिक्तियों को भरने के लिए बुनियादी तौर पर दो तरह के बैंकिंग एग्जाम्स का आयोजन किया जाता है। क्लेरिकल पदों के एग्जाम में इंग्लिश लैंग्वेज, न्यूमेरिकल एबिलिटी, रीजनिग, कम्प्यूटर एप्टीट्यूड, बैंकिंग/फाइनेंस इत्यादि पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रोबेशनरी ऑफिसर की रिक्तियों को भरने के लिए आयोजित परीक्षा में तीन स्तर पर चयन प्रक्रिया का आयोजन किया जाता है। इनमें प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू शामिल हैं। दोनों ही पदों के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता ग्रेजुएशन ही है।

जॉब्स के प्रकार

प्रोबेशनरी ऑफिसर (पी ओ) पर बैंक शाखा के प्रबंधन से लेकर अन्य प्रकार के समन्वयन संबंधित कार्यों का जिम्मा होता है और क्लर्क कैडर के कर्मियों द्वारा पब्लिक डीलिंग का काम मुस्तैदी से संभाला जाता है। मात्र तीन -चार वर्षों के बाद ही ये कर्मी भी पी ओ वर्ग की श्रेणी में प्रोन्नति पाकर पहुँच जाते हैं। इसके अतिरिक्त बैंकिंग इंडस्ट्री में विभागीय परीक्षाओं का समय-समय पर आयोजन किया जाता है। इन परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर समय से पूर्व प्रमोशन भी लिया जा सकता है।

बैंकिंग स्पेशियलिस्ट ऑफिसर

बैंकिंग सेक्टर में बहुसंख्यक कर्मी पी ओ और क्लेरिकल वर्ग के ही होते हैं,परन्तु इनके अलावा खास विधाओं में ट्रेंड कर्मियों की भी सभी बैंकों द्वारा नियुक्तियां की जाती हैं। इनमें इन्फोर्मेशन टेक्नोलोजी ऑफिसर(आई टी डिग्रीधारक) , एग्रीकल्चरल फील्ड ऑफिसर(एग्रीकल्चर साइंस में ग्रेजुएट), ह्युमन रिसोर्स ऑफिसर (ह्युमन रिसोर्स में एम बी ए/पर्सोनल मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा), लॉ ऑफिसर(एल एल बी डिग्रीधारक), मार्केटिंग ऑफिसर (मार्केटिंग की विधा में ट्रेंड), राजभाषा अधिकारी आदि का खास तौर पर उल्लेख किया जा सकता है। इनके पदनामों से ही इनके कार्यकलापों के महत्त्व को समझा जा सकता है।

सैलरी

बैंकिंग इंडस्ट्री की सैलरी और इनके भत्तों को एक समय में काफी आकर्षक माना जाता था लेकिन वेतनमानों में मुद्रास्फीति की बढ़ती दरों के अनुसार संशोधन नहीं होने के कारण अब इनका आकर्षण कुछ कम हुआ है। बैंक कर्मी लगातार इस दिशा में संघर्षरत हैं और उम्मीद की जाती है कि निकट भविष्य में बैंकिंग इंडस्ट्री के वेतनमानों को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाये जा सकते हैं। इसके बावजूद करिअर निर्माण और स्थाई जॉब की दृष्टि से यह क्षेत्र अभी भी युवाओं की प्राथमिकताओं में काफी ऊपर है।





स्टार्टअप नहीं बड़ी कंपनियों को तरजीह दे रहे हैं युवा

मौजूदा आर्थिक अनिश्चितताओं और भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के सामने आने वाली हालिया चुनौतियों के साथ, नौकरी चाहने वाले अब स्टार्टअप्स के बजाय बड़ी कंपनियों को तरजीह दे रहे हैं.

नौकरी और पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म के एक सर्वेक्षण के मुताबिक 73 प्रतिशत नौकरी चाहने वाले संगठन के साथ काम करने और करियर में आगे बढ़ने के लिए स्थिर और स्थापित कंपनियों को पसंद करते हैं. मंगलवार को जारी नई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है. इस रिपोर्ट के मुताबिक केवल 27 प्रतिशत कर्मचारी अभी भी करियर के विकास के लिए स्टार्टअप पर स्विच करने पर विचार करेंगे. अपना डॉट को के संस्थापक और सीईओ निरमित पारिख ने कहा, नौकरी चाहने वालों की बदलती प्राथमिकताओं के साथ भारत का नौकरी बाजार तेजी से विकसित हो रहा है. ऐसे में नौकरी चाहने वाले अब बेहतर करियर की संभावनाओं के लिए स्थिर और स्थापित कंपनियों की ओर अधिक झुकाव रखते हैं.

10 हजार नौकरी चाहने वालों से पूछे गए सवाल

रिपोर्ट तैयार करने के लिए में 10,000 से अधिक नौकरी चाहने वालों और 1,000 मानव संसाधन भर्तीकर्ताओं के बयानों को शामिल किया गया है.

इसके मुताबिक नियोक्ता एक कौशल-प्रथम दृष्टिकोण को प्राथमिकता दे रहे हैं. रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि नौकरी चाहने वाले नौकरी की तलाश करते समय, स्थान, आने जाने और वर्क लाइफ बैलेंस और कंपनी की संस्कृति के साथ-साथ वेतन के साथ-साथ करियर के विकास के अवसरों को प्राथमिकता देते हैं. लगभग 73 प्रतिशत भारतीय अपनी नौकरी की खोज में करियर के विकास को प्राथमिक कारक मानते हैं. यहां तक कि वर्क लाइफ बैलेंस और लचीले काम के घंटों के महत्व को भी पार कर जाते हैं. 10 में से लगभग 9 नियोक्ताओं ने कुशल पेशेवरों के महत्व को भर्ती के लिए एक प्रमुख मानदंड के रूप में पहचाना है, हालांकि 10 में से केवल 6 नियोक्ताओं ने अपने संगठनों में अपस्किलिंग कार्यक्रमों को लागू किया है. इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि नियोक्ता अब तकनीकी कौशल वाले उम्मीदवारों की तलाश कर रहे हैं, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में भूमिकाओं के लिए. लगभग 65 प्रतिशत पेशेवर नौकरी के साक्षात्कार में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल को एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिग्री के रूप में महत्वपूर्ण मानते हैं.

स्टार्टअप्स में नौकरी जाने का डर

रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं प्रासंगिक कौशल पर अधिक जोर देती हैं, 77 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने 51 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में इसके महत्व का संकेत दिया है. नौकरी के लिए बड़ी कंपनियों को चुनना इस बात की ओर भी इशारा करता है कि लोग छंटनी से बचना चाहते हैं क्योंकि हाल के दिनों में स्टार्टअप्स में छंटनी तेजी से बढ़ी है. स्टार्टअप कवरेज पोर्टल ने एक रिपोर्ट जारी की थी. उसके मुताबिक देश में अब तक 84 स्टार्टअप द्वारा 24,256 कर्मचारियों की छंटनी की जा चुकी है. कर्मचारियों को बर्खास्त करने वाले स्टार्टअप्स की सूची देश में बढ़ती ही जा रही है.



कब लें कॅरियर काउंसलर की सलाह

अक्सर हम करियर काउंसलिंग का समय पहचानने में देरी कर देते हैं। जब बच्चे आगे की राह चुनने की दहलीज पर होते हैं। इसे आप हाई स्कूल (सेकेंडरी) ही मानिए, क्योंकि इसके बाद ही स्टूडेंट्स के लिए स्ट्रीम चेंज करने का समय होता है और यही वह समय है, जब उन्हें प्रॉपर गाइडेंस की जरूरत होती है। पैरेंट्स को इसी फेज में बच्चों को करियर संबंधी गाइडेंस प्रोवाइड करवानी चाहिए। इससे उसे सही सब्जेक्ट चुनने में मदद मिलती है, बल्कि वह यह भी जान पाता है कि किन विषयों में वाकई उसका रूझान है। प्रोफेशनल काउंसलर मनोवैज्ञानिक तरीके से छात्र से बातचीत करते हैं और मनोवैज्ञानिक या साइकोमेट्रिक टेस्ट के आधार पर स्टूडेंट के टैलेंट को समझते हैं। अक्सर हम करियर काउंसलिंग का समय पहचानने में देरी कर देते हैं।

दरअसल, करियर काउंसलिंग का सही समय वह है, अगर 11वीं में सही सब्जेक्ट का चुनाव न किया, तो पूरा करियर ही यू-टर्न ले सकता है। पैरेंट्स को बच्चे की पढ़ाई पर ध्यान तो देना ही चाहिए, जरूरत उन्हें यह समझने की भी है कि बच्चे की रुचि किन सब्जेक्ट्स में है और वह उनमें कैसा कर रहा है!

यह भी देखना चाहिए कि किन विषयों को पढ़ने में बच्चे का मन नहीं लगता। इसके बाद अभिभावक करियर के चुनाव में बच्चे की मदद कर सकते हैं। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पैरेंट्स बच्चों के लिए कितना वक्त निकाल पाते हैं, यह सबको मालूम है। बच्चे का रिजल्ट भले पैरेंट्स को पता हो, लेकिन वे अक्सर उसकी पसंद को समझने में चूक जाते हैं। सिर्फ किसी सब्जेक्ट में अच्छे नंबर लाना उस सब्जेक्ट में बच्चे के आगे बेहतर करने की गारंटी नहीं है।पैरेंट्स के लिए इस बात को समझना जरूरी है। इंजीनियरिंग-मेडिकल जैसे क्षेत्रों के प्रति क्रेज का ही यह नतीजा है कि मन मुताबिक पढ़ाई न कर पाने की वजह से बच्चे तनाव में घिर रहे हैं। यहीं पर बच्चों यानी स्टूडेंट्स को काउंसलिंग की जरूरत होती है, ताकि उनके पैरेंट्स उनकी प्रतिभा को पहचान सकें और उसे अपनी पसंद के रास्ते पर बढ़ने की इजाजत दे सकें। यह कतई जरूरी नहीं है कि साइंस में 90 या 100 फीसदी अंक लाने वाला छात्र साइंस स्ट्रीम ही पसंद करे। आज मैनेजमेंट में कई नए सब्जेक्ट आ गए हैं। हो सकता है उसकी रुचि गणित में न हो, क्योंकि 10वीं के बाद पढ़ाई का लेवल अचानक हाई हो जाता है और अगर स्टूडेंट की रुचि उसमें न हो, तो उसका प्रदर्शन प्रभावित होने लगता है। काउंसलिंग में इन्हीं बातों को पैरेंट्स को समझाने की कोशिश की जाती है। नए क्षेत्रों की जानकारी काउंसलिंग का एक सबसे बड़ा फायदा यह भी है कि काउंसलर आपको वैसे सब्जेक्ट या उभरते क्षेत्रों के बारे में भी बताते हैं, जिनसे आप अनजान होते हैं। काउंसलर आपको मार्केट ट्रेंड (देश-विदेश) के बारे में बताते हैं और इन सबसे ऊपर आपको अच्छा इंस्टीट्यूट चुनने में मदद करते हैं। सब्जेक्ट पसंद का होने से आप अपनी पसंद की राह पर बढ़ तो सकते हैं, लेकिन इस गलाकाट प्रतियोगिता के जमाने में अच्छे इंस्टीट्यूट का चुनाव करके ही आप दूसरों पर बढ़त ले सकते हैं। आज मैनेजमेंट में कई नए सब्जेक्ट आ गए हैं। इसी तरह लॉ का क्षेत्र बढ़ गया है। फैशन टेक्नोलॉजी का बुखार और खुमार तो है ही, खेल के क्षेत्र में हो रहे सुधार और कमाई से इस क्षेत्र में क्रिकेट के अलावा नए ऑप्शन पर भी उभरे हैं। एक काउंसलर की सलाह यहीं कारगर होती है।

अगले दशक तक 10 फीसदी घट जाएगा सरकार पर कर्ज का बोझ



नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सरकारी कर्ज में अगले दशक में लगातार गिरावट आने की उम्मीद है ।वित्त वर्ष 2034-35 तक सरकार पर कर्ज का बोझ10 फीसदी तक कम हो सकता है ।केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में सरकारी कर्ज जीडीपी का 81 फीसदी है ।यह 2030-31 तक कम होकर जीडीपी का 77 फीसदी और 2034-35 तक 71 फीसदी रह जाएगा ।रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर की सरकारों पर बढ़ते कर्ज के बीच उम्मीद है कि भारत राजकोषीय समेकन के मार्ग के अनुसरण करेगा ।इसे जीडीपी में निरंतर वृद्धि और केंद्र सरकार के विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन से समर्थन मिलेगा, जिससे सरकारी कर्ज में कमी आएगी ।रिपोर्ट के मुतबिक, केंद्र सरकार के राजकोषीय समेकन प्रयासों और करीब 6.5 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर के बने रहने से देश को मध्यम अवधि के कर्ज में कमी लाने में मदद मिलेगी ।हालांकि, राज्य सरकारों का कुल कर्ज अब भी उच्च स्तर पर बना हुआहै ।यह समग्र राजकोषीय सेहत के लिए जोखिम पैदा कर रहा है ।

ट्रेड बढ़ाने पर पॉजिटिव संकेत, टेक्सटाइल शेयरों पर टूट पड़े निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार एक बार फिर गुलजार है ।इस माहौल के बीच सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को टेक्सटाइल शेयरों में जबरदस्त उछाल आया ।बीएसई पर टेक्सटाइल इंडेक्स से जुड़ी कई कंपनियों के शेयर 17 प्रतिशत तक उछल गए ।कारोबार के दौरान सांगम इंडिया का शेयर 17 प्रतिशत बढ़कर 464.40 तक पहुंच गया, वहीं किटेक्स गारमेंट्स में 11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 199.25 का स्तर देखा गया ।इसके अलावा गोकलदास एक्सपोर्ट्स 9 प्रतिशत बढ़कर 799.40 और इंडो काउंट इंडस्ट्रीज 7 प्रतिशत की तेजी के साथ 281.35 तक पहुंच गया ।शेयरों में यह तेजी भारत और ब्रिटेन के बीच ट्रेड को लेकर पॉजिटिव संकेतों की वजह से आई है ।भारत और ब्रिटेन ने आपसी व्यापार को 2030 तक दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है ।वर्तमान में भारत का ब्रिटेन को टेक्सटाइल निर्यात लगभग 2 अरब डॉलर है, जो ब्रिटेन के कुल टेक्सटाइल आयात का लगभग 6 प्रतिशत हिस्सा है ।सरकार का मानना है कि यह व्यापार समझौता भारतीय टेक्सटाइल उद्योग के लिए बड़ा अवसर साबित होगा ।घरेलू ब्रोकरेज आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का अनुमान है कि भारत का टेक्सटाइल निर्यात अगले पांच वर्षों में 2-3 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है ।घरेलू ब्रोकरेज आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का अनुमान है कि भारत का टेक्सटाइल निर्यात अगले पांच वर्षों में 2-3 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है ।ब्रोकरेज के मुताबिक मौजूदा तिमाही में टैरिफ बढ़ने के कारण कंपनियों की एबिटा मार्जिन पर दबाव रहेगा लेकिन भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता अगले कुछ महीनों में हो जाता है तो तीसरी तिमाही से मार्जिन में सुधार देखने को मिल सकता है ।हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) देश के सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देगा ।और इससे रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी ।इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य वर्ष 2030 की निर्धारित समयसीमा से पहले ही हासिल कर लेने का भरोसा जताया ।पीएम मोदी ने कहा- आज भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय व्यापार 56 अरब डॉलर है ।मुझे विश्वास है कि इसे दोगुना करने का लक्ष्य 2030 की निर्धारित समयसीमा से पहले हासिल कर लिया जाएगा ।

इसी सप्ताह अपने सोने के भंडार में 3.753 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई

तीसरे सप्ताह घटा विदेशी मुद्रा भंडार

मुंबई एजेंसी।
भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर से कमी दिखी है। यह लगातार तीसरा सप्ताह है जबकि अपना विदेशी मुद्रा भंडार गिरा है। बीते 03 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 276 मिलियन डॉलर की कमी हुई। लेकिन इसी सप्ताह अपने सोने के भंडार में 3.753 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई। लेकिन फॉरेन करेंसी एसेट में 6.04 बिलियन डॉलर डॉलर से ज्यादा की गिरावट होने से ओवरऑल विदेशी मुद्रा भंडार घट गया।



कहां तक गिर गया भंडार

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 3 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 276 मिलियन डॉलर की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 2.33 बिलियन की गिरावट हुई थी। अब अपना भंडार घट कर 699.960 बिलियन का रह गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियन डॉलर के रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में भारी कमी हुई है। 3 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) में 4.049 3.753 बिलियन डॉलर की गिरावट हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 4.393 3.753 बिलियन डॉलर की कमी हुई है। अब अपना एफसीए भंडार घट कर 577.708 3.753 बिलियन डॉलर रह गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व बढ़ा

इस समय दुनिया के लगभग सभी सेंट्रल बैंक सोने की खूब खरीदारी कर रहे हैं। अपने यहां भी ऐसा हुआ है। तभी तो बीते सप्ताह अपने गोल्ड रिजर्व या स्वर्ण भंडार में खूब बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते 3 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने सोने के भंडार में 3.753 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 2.2383.753 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। इसी के साथ अब अपना सोने का भंडार बढ़ कर 98.770 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हो गया है। मार्गन स्टेनली की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिजर्व बैंक साल 2024 से अब तक करीब 75 टन सोना खरीद चुका है। इस समय आरबीआई के पास सोने का भंडार 880 टन तक पहुंच गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का 14 फीसदी बैठता है।

एसडीआर में मामूली बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में मामूली बढ़ोतरी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर में 25 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई। हालांकि रुपये के टर्म में 350 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़ कर 18.814 बिलियन डॉलर का हो गया है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में 4 मिलियन डॉलर की कमी हुई है। अब यह घट कर 4.669 बिलियन डॉलर का रह गया है।

टीटी ग्रुप के चेयरमैन 77 साल के जगन्नाथन ने बेंगलुरु में अंतिम सांस ली

प्रेस्टीज कुकर को घर-घर पहुंचाने वाले टीटी जगन्नाथन का हुआ निधन, अमेरिका में भी मचाई थी धूम

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रेस्टीज कुकर को घर-घर पहुंचाने वाले टीटी जगन्नाथन का निधन हो गया है। टीटी ग्रुप के चेयरमैन एमिरेटस 77 साल के जगन्नाथन ने शुक्रवार को बेंगलुरु में अंतिम सांस ली। वह 1975 में मात्र 26 साल की उम्र में टीटीके प्रेस्टीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बने और इस छोटी सी कुकर कंपनी को भारत के सबसे भरोसेमंद कंज्यूमर-ड्यूरेबल्स ब्रांड में बदल दिया। साल 1996 में उन्होंने अमेरिका में मंत्रा इंक लॉन्च किया, जिससे प्रेस्टीज कुछ गिने-चुने भारतीय किचन ब्रांड्स में शामिल हो गया, जिन्हें बड़े अमेरिकी रिटेलर्स में जगह मिली।

जगन्नाथन ने आईआईटी मद्रास से मैकेनिकल इंजीनियरिंग और कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से एमएस की डिग्री लेने वाले 1970 के दशक की शुरुआत में तमिलनाडु प्रिंटर्स एंड ट्रेडर्स को संभाला। उनकी बनाई हुई खास गैस्केट-रिलीज सिस्टम ने प्रेशर कुकर की सुरक्षा को नए स्तर पर पहुंचाया और प्रेस्टीज को हर घर का नाम बना दिया। जगन्नाथन ने कुकवेयर, किचन अप्लायंसेज और होम-केयर प्रोडक्ट्स में लगातार कंपनी को आगे बढ़ाया। उन्होंने प्रेस्टीज स्मार्ट किचन रिटेल नेटवर्क के जरिए अपनी पहुंच बढ़ाई और बाद में इलेक्ट्रिक अप्लायंसेज और क्लीनिंग सॉल्यूशंस में भी कदम रखा।



जगन्नाथन भारतीय उद्योगपतियों की उस पहली पीढ़ी के थे जिन्होंने इंजीनियरिंग की महारत और मैनेजमेंट की अनुशासन को मिलाकर दुनिया भर में कॉम्पिटिटिव बिजनेस बनाए। उनके नेतृत्व में टीटीके ग्रुप ने हेल्थकेयर और पर्सनल केयर जैसे कई नए सेक्टर में एंट्री की ।

उन्होंने इंडियन गोल्फ यूनियन के प्रेसिडेंट के तौर पर भी काम किया। वह टीटीके हॉस्पिटल, टी.टी. रंगनाथन क्लिनिकल रिसर्च फाउंडेशन और चेन्नई के रोटरी-टीटीके ब्लड बैंक जैसी सामाजिक और शैक्षिक पहलों में भी सक्रिय थे।

दूरदर्शी लीडर

प्रेस्टीज की प्रतिद्वंद्वी कंपनी स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेंद्र गांधी ने जगन्नाथन के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि इंडस्ट्री ने एक ऐसे दूरदर्शी को खो दिया है, जिनके नेतृत्व और इनोवेशन ने भारतीय किचनवेयर इंडस्ट्री को फिर से परिभाषित किया। उनकी विरासत हम सभी को आगे बढ़ने और प्रेरित करती रहेगी। जगन्नाथन अपने पीछे पत्नी डॉ. लता जगन्नाथन और तीन बेटों को छोड़ गए हैं।

गुपचुप छंटनी कर रही हैं आईटी कंपनियां, 50 हजार से ज्यादा कर्मचारियों पर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के आईटी सेक्टर में बड़े पैमाने पर छंटनी होने वाली है ।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साल 2025 के अंत तक लगभग 50,000 कर्मचारियों की नौकरियां जा सकती हैं ।यह आंकड़ा 2023-24 के मुकाबले दोगुना हो सकता है ।बता दें कि तब करीब 25,000 लोगों को नौकरी से निकाला गया था ।ईटी की एक खबर क मुताबिक टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज समेत कई आईटी कंपनियां अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही हैं ।टीसीएस की ओर से औपचारिक ऐलान किया गया है तो कुछ आईटी कंपनियां बिना घोषणा के कर्मचारियों से इस्तीफा देने या नई नौकरी तलाशने के लिए कह रही हैं ।हाल ही में टीसीएस ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी करते हुए बताया कि उसने पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत अपने कुल कार्यबल का एक प्रतिशत यानी 6,000 लोगों को नौकरी से हटाया है ।टीसीएस के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी सुदीप कुन्नुमल ने यह भी कहा था कि इस बारे में आंकड़ों को काफी बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है ।उन्होंने ऐसे आंकड़ों पर ध्यान नहीं देने का आग्रह किया ।यह पूछे जाने पर कि 50,000 से 80,000 लोगों की छंटनी की आशंका जतायी जा रही है, कुन्नुमल ने कहा, ये आंकड़े तथ्यात्मक रूप से सही नहीं हैं ।हम जिस समय बात कर रहे हैं, उस समय हमने मध्य और वरिष्ठ स्तर पर लगभग एक प्रतिशत लोगों को हटाया है ।

12 में बिकने वाली चीज का 800 रुपये पेमेंट... अब 1.5 करोड़ का टर्नओवर

केरल के त्रिसूर जिले के इरिंजलकुडा शहर में इंजीनियर कार्तिक सुरेश ने भारतीय कृषि-व्यवसाय को नई दिशा दी है

नई दिल्ली, एजेंसी।
केरल के त्रिसूर जिले के इरिंजलकुडा शहर में इंजीनियर कार्तिक सुरेश ने भारतीय कृषि-व्यवसाय को नई दिशा दी है। उन्होंने 2021 में अपने स्टार्टअप फ्रेश एन गुड की नींव रखी। इसके जरिये वह पारंपरिक व्यापारिक मॉडलों को चुनौती दे रहे हैं। कार्तिक का मिशन सिर्फ फलों का व्यापार करना नहीं है। अलबत्ता, एक ऐसा फारमर-फर्स्ट इकोसिस्टम बनाना भी है, जो किसानों को खास तरह के फलों (जैसे मैंगोस्टीन, रामबुतान, एवोकाडो) के लिए उचित मूल्य दिलाए। यह अनूठा प्रयास फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करता है। साथ ही भारत की अनदेखी फलों की विविधता को बेंगलुरु, मुंबई जैसे राष्ट्रीय बाजारों के अलावा खाड़ी और अमेरिका तक पहुंचा रहा है। इस फार्म-टू-फोर्क पहल के दम पर कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष में 1.5 करोड़ रुपये से ज्यादा का टर्नओवर हासिल किया है। आइए, यहां कार्तिक सुरेश की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।



अपनी कारोबारी यात्रा के दो साल बाद कार्तिक ने कटहल के बाजार में एक बड़ी कमी देखी। उन्होंने महसूस किया कि शहरी क्षेत्रों में लोग कटहल छीलने की मेहनत और गंदगी के कारण इसे खरीदना पसंद नहीं करते थे। न ही वे कटहल की विभिन्न किस्मों (जैसे छ33, वियतनाम सुपर अर्ली, डांग सूर्या) के बारे में जानते थे। इस गैप को भरने के लिए जनवरी 2025 में कार्तिक ने साफ किए हुए, खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) कटहल पोड्स को 200 ग्राम के पैकेट में लॉन्च किया। 100 रुपये (थोक) में बिकने वाला यह उत्पाद तेजी से लोकप्रिय हुआ। कुछ ही महीनों में मासिक बिक्री 1,000 से बढ़कर 3,000 पैकेट तक पहुंच गई। यह इनोवेशन कटहल को सुविधाजनक, हाई वैल्यू-ऐडेड प्रोडक्ट बनाकर किसानों को भी लाभ पहुंचाता है। इसमें एक 20 किलोग्राम कटहल के लिए स्थानीय व्यापारी के 12 रुपये के मुकाबले कार्तिक 800 रुपये तक का भुगतान करते हैं। कार्तिक के वेंचर का परिचालन केरल के तीन जिलों में खरीद टीमों और कलेक्शन सेंटरों के जरिये होता है।

अनूठा मॉडल अपनाया

इंजीनियर कार्तिक सुरेश ने 2021 में फ्रेश एन गुड की शुरुआत केरल और हिमाचल प्रदेश से एक्जॉटिक फलों की सोर्सिंग के साथ की। एवोकाडो, मैंगोस्टीन और पैशन फ्रूट जैसे फल जो पहले महज निर्यात या विशिष्ट बाजारों तक सीमित थे, उन्हें सीधे फार्म पार्टनरशिप के जरिए भारतीय उपभोक्ताओं तक पहुंचाया गया। इस पहल की सबसे बड़ी खासियत इसका एमएसपी-आधारित मूल्य निर्धारण मॉडल रहा। कार्तिक ने स्थानीय व्यापारियों के लंपसम यानी एकमुश्त ऑफर को खत्म किया। इसके बजाय फलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी दी। उदाहरण के लिए वह रामबुतान के लिए किसानों को 125 रुपये प्रति किलोग्राम का गारंटीड रेट देते हैं, चाहे बाजार में कुछ भी हो।

करवा चौथ पर दुनिया के टॉप अमीरों को भारी चपत, केवल अंबानी-अडानी की बढ़ी दौलत

दुनिया के टॉप 25 अमीरों में से 23 की नेटवर्थ में गिरावट आई



ई दिल्ली, एजेंसी।
मेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीनी सामान पर 100 प्रतिशत तिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा ी है। इससे शुक्रवार को अमेरिकी यर बाजार में भारी गिरावट आई। स गिरावट से हफ्ते के आखिरी ारोबारी दिन दुनिया के टॉप 25 मीरों में से 23 की नेटवर्थ में ारावट आई। केवल एशिया के सबसे बड़े ईस केश अंबानी और गौतम अडानी की नेटवर्थ में तेजी खने को मिली। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को जी के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 328 अंक ी तेजी के साथ बंद हुआ था।

दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ शुक्रवार को सबसे ज्यादा गिरावट आई। टेस्ला ौर स्पेसएक्स जैसी कई कंपनियों के सीईओ मस्क ी नेटवर्थ 15.8 अरब की गिरावट के साथ 437 रब रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में केवल .36 की तेजी आई है। लैरी एलिसन ने 5.17 रब, मार्क जकरबर्ग ने 9.67 अरब, जेफ बेजोस 10.2 अरब, लैरी पेज ने 3.84 अरब, सर्गेई ब्रिन ने 3.56 अरब, बर्नार्ड आरनॉल्ट ने 2.99 अरब, स्टीव बालमर ने 3.65 अरब, जेंसन हुआंग ने 8.07 अरब और माइकल डेल ने 5.92 अरब गंवाए।

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 18वें नंबर पर मौजूद अंबानी की नेटवर्थ में शुक्रवार को 37.9 करोड़ की तेजी आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन की नेटवर्थ अब 97.5 अरब पहुंच चुकी है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 6.85 अरब की तेजी आई है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ 63 करोड़ बढ़कर 88.8 अरब पहुंच चुकी है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 10.1 अरब की तेजी आई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 20वें नंबर पर हैं।

देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाएगा टाटा ग्रुप! सरकार के साथ मीटिंग के बाद बदला रुख?

नई दिल्ली, एजेंसी।
टाटा ग्रुप देश का सबसे बड़ा आईपीओ ला सकता है। टाटा ट्रस्ट्स के कई ट्रस्टी जुलाई के उस फैसले पर फिर से विचार कर रहे हैं जिसमें कहा गया था कि टाटा संस को प्राइवेट ही रहना चाहिए। यह कदम टाटा संस को भारत के शेयर बाजारों में लिस्ट कराने के रास्ते से सबसे बड़ी रुकावट को हटा सकता है। अगर ऐसा होता है तो टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस देश का सबसे बड़ा आईपीओ ला सकती है। टाटा ट्रस्ट्स, टाटा संस के सबसे बड़े शेयरधारक हैं। आरबीआई ने तीन साल पहले टाटा संस को अपर लेयर एनबीएफसी के रूप में क्लासीफाई किया था। नियमों के मुताबिक उसे तीन साल के भीतर लिस्ट हो जाना चाहिए था जिसकी समयसीमा 30 सितंबर को खत्म हो चुकी है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा ट्रस्ट्स के रुख में बदलाव ऐसे समय में आया है जब टाटा के अधिकारी कुछ दिन पहले दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिले थे। टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टियों में मतभेद की खबरों के बीच ऐसा हुआ था। मीटिंग में सरकार ने उनसे कहा था कि टकराव का रास्ता छोड़कर ट्रस्ट्स के अंदर स्थिरता बनाए रखें और अपने मतभेदों को भारत के सबसे बड़े बिजनेस ग्रुप के कामकाज पर असर न डालने दें। यह अभी साफ नहीं है कि टाटा संस की लिस्टिंग का रास्ता साफ करने के पक्ष में ट्रस्टी बहुमत हासिल कर पाएंगे या नहीं।



बोर्ड मीटिंग

टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड की शुक्रवार को हुई बैठक में किसी भी विवादित मसले से बचा गया। इसमें आम मुद्दों पर ही बात हुई। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब ट्रस्टियों के बीच बोर्ड की नियुक्तियों और कामकाज के तरीकों को लेकर अनबन की खबरें चल रही हैं। एक सूत्र ने बताया कि बैठक सामान्य थी, इसमें कोई विवादित मुद्दा नहीं उठाया गया। सूत्र ने कहा कि बैठक में कई अस्पताल और ग्रामीण विकास परियोजनाओं पर प्रेजेंटेशन दिए गए। सूत्रों के मुताबिक ट्रस्टी यह दिखाना नहीं चाहते कि वे बंटे हुए हैं, भले ही उनके बीच मतभेद हों। माइनॉरिटी शेयरहोल्डर शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप कई साल से टाटा संस को पब्लिक लिस्ट कराने की मांग कर रहा है। इसकी वजह यह है कि एसपी ग्रुप पर काफी कर्ज है और लिस्टिंग से उन्हें अच्छी-खासी रकम मिल सकती है। शुक्रवार को ग्रुप ने फिर से टाटा संस को लिस्ट कराने की अपनी मांग दोहराई।

भारत बनाम वेस्टइंडीज

बतौर कप्तान इस मामले में कोहली की बराबरी पर पहुंचे गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल एक कैलेंडर ईयर में पांच टेस्ट शतक जमाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान बन गए हैं। गिल ने शनिवार को वेस्टइंडीज के विरुद्ध अरुण जेटली स्टेडियम में जारी दूसरे टेस्ट में शतक लगाया। इसी के साथ उन्होंने विराट कोहली की बराबरी कर ली है। शुभमन गिल को इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम का टेस्ट कप्तान चुना गया था। यहां गिल ने लीड्स में 147 रन की



पारी खेली, जिसके बाद बर्मिंघम में 269 और 161 रन बनाए। इसके बाद गिल ने मैनचेस्टर में इंग्लैंड के विरुद्ध 103 रन की पारी खेली। इस सीरीज में शुभमन गिल 10 पारियों में 75.40 की औसत के साथ 754 रन बनाकर शीर्ष बल्लेबाज रहे। भारत ने इंग्लैंड दौरे पर 5 मुकाबलों की सीरीज को 2-2 से ड्रॉ पर खत्म किया। इसके बाद गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में 50 रन बनाए। टीम इंडिया ने यह मैच पारी और 140 रन से जीता। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में शतक जड़कर गिल ने एक बार फिर खुद की उपयोगिता साबित कर दी है। शुभमन गिल से पहले विराट कोहली एक कैलेंडर ईयर में बतौर कप्तान पांच टेस्ट शतक जमाने वाले भारतीय बन चुके हैं। कोहली साल 2017 और 2018 में यह कारनामा कर चुके हैं। गिल ने अपने टेस्ट करियर के 39 मुकाबलों में 10 शतक जमाए हैं। बतौर कप्तान उन्होंने 12 पारियों में पांचवां शतक लगाया। दिल्ली में खेले जा रहे इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 518/5 पर घोषित की। इस पारी में यशस्वी जायसवाल ने 175 रन बनाए, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद रहते हुए 129 रन टीम के खाते में जोड़े।

मेसी की गैरमौजूदगी में लो सेल्सो का विजयी गोल

वेनेजुएला पर आसान जीत

मियामी, एजेंसी। लियोनेल मेसी की गैरमौजूदगी के बावजूद, अर्जेंटीना ने शुक्रवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में वेनेजुएला को 1-0 से शिकस्त दी। इस मुकाबले में गियोवानी लो सेल्सो जीत के हीरो रहे। जूलियन अल्वारेज और लौटारो मार्टिनेज के नेतृत्व में अर्जेंटीना का आक्रमण इस पूरे मैच में आक्रामक



रहा, जबकि फुलबैक नाहुएल मोलिना ने दाहिने छोर पर अपनी ऊर्जा से फैंस को प्रभावित किया। इस मुकाबले में निर्णायक मौका 31वें मिनट में आया। अल्वारेज और मार्टिनेज ने बॉक्स के पास शानदार तालमेल दिखाया, जिसने वेनेजुएला के डिफेंडर्स को अपनी पोजीशन से बाहर खींच लिया और फिर लो सेल्सो को पास थमा दिया। मिडफील्डर ने बेहतरीन संयम दिखाते हुए बाएं पैर से सटीक शॉट लगाया, जो गोलकीपर जोस कॉन्ट्रेरास को चकमा देते हुए नेट में जा पहुंचा। इसी के साथ अर्जेंटीना ने 1-0 की बढ़त हासिल की।

महिला विश्व कप: हरमनप्रीत की टीम का आज ऑस्ट्रेलिया से सामना

सात बार की चैम्पियन से आज मुकाबला

विशाखापत्तनम, एजेंसी। महिला क्रिकेट विश्व कप के तीसरे मैच में भारतीय टीम सात बार की चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। पिछली हार और खराब फॉर्म से जूझ रहे भारतीय शीर्षक्रम के बल्लेबाजों पर अब जिम्मेदारी का दबाव है। अगर शीर्ष पांच बल्लेबाज जिम्मेदारी से नहीं खेलते, तो सेमीफाइनल की राह कठिन हो जाएगी।





टीम इंडिया का प्रदर्शन और चिंता

भारतीय टीम ने श्रीलंका और पाकिस्तान को निचले क्रम की मदद से हराया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ, ब्ट-ड्ढष्ठ स्टेडियम में बृहस्पतिवार को टीम को 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच के बाद भारत चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों में पांच अंकों के साथ शीर्ष पर है।

शीर्षक्रम की असफलता और चिंता

लगातार तीसरे मैच में शीर्षक्रम नाकाम रहा। आठवें नंबर की बल्लेबाज रिचा घोष के 94 रन की मदद से ही टीम ने 251 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर पिछले तीन मैचों में सिर्फ 21, 19 और 9 रन ही बना पाई हैं। स्मृति मंधाना ने भी 8, 23 और 23 रन ही बनाए। मध्यक्रम की जेमिमा रॉड्रिग्स केवल पाकिस्तान के खिलाफ 32 रन ही बना पाई। कुल मिलाकर भारत के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में कोई भी तीन मैचों में अर्धशतक नहीं बना सका। कप्तान हरमनप्रीत ने हार के बाद कहा, हम शीर्षक्रम में जिम्मेदारी से नहीं खेल सके। हमें बड़े स्कोर बनाने होंगे और सकारात्मक सोच के साथ खेलना होगा।

ऑस्ट्रेलिया की चुनौती

ऑस्ट्रेलिया ने अब तक कोई मैच नहीं गंवाया है। गत चैम्पियन ने पाकिस्तान के खिलाफ बेथ मूनी का शतक और गेंदबाजों की मदद से टीम को संकट से बाहर निकाला। तेज गेंदबाज किम गार्थ, मेगन शूट और अनाबेल सदरलैंड ने मिलकर सात विकेट लिए। पिछले 12 वनडे विश्व कप मुकाबलों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच भारत को केवल 3 बार जीत मिली है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 9 बार जीत दर्ज की है।

भारतीय खिलाड़ियों से उम्मीद

2017 इंग्लैंड सेमीफाइनल में भारत की जीत की जिम्मेदारी निभाने वाली हरमनप्रीत कौर और स्पिनर दीप्ति शर्मा से इस बार भी वही प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद होगी।

विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप

भारत ने जीता कांस्य

● मिक्स्ड टीम सेमीफाइनल में हारी, फिर भी रच दिया इतिहास



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा दल को विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के मिक्स्ड टीम सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन इंडोनेशिया के खिलाफ हार झेलनी पड़ी है। गुवाहाटी में खेले गए इस मुकाबले में इंडोनेशिया ने मेजबानी भारतीय मिस्क्ड टीम को 45-35 और 45-21 से हराया। हालांकि, इस हार के बावजूद भारत को कांस्य मिला है और यह इस चैंपियनशिप के इतिहास में भारत का पहला मेडल भी है।

यानी इस हार के बावजूद भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया। भारत ने इससे पहले गुरुवार 9 अक्टूबर को पूर्व चैंपियन कोरिया पर क्वार्टर फाइनल में जीत दर्ज की थी। हालांकि शुक्रवार को भारत इस लय को बरकरार नहीं रख पाया और टीम इंडोनेशिया से हार गई। वहीं इसी के साथ भारत को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

इंडोनेशिया का अब फाइनल में गोल्ड के लिए 14 बार के चैंपियन चीन और जापान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से भिड़ेगी। भारतीय टीम को अब सिंगल इवेंट में उन्नति हुड्डा से काफी उम्मीद थी। अगर उनको जीत नहीं मिली तो बाकी दल से इसकी उम्मीद काफी कम थी। लेकिन उन्नति का प्रदर्शन एकल मुकाबले में थलिता विर्यवान के खिलाफ खास नहीं रहा।

हार्दिक पांड्या को फिर चढ़ा प्यार का बुखार

खूबसूरत मॉडल के साथ कन्फर्म किया रिलेशनशिप!



नई दिल्ली, एजेंसी। हार्दिक पांड्या ने अपने नए रिलेशनशिप की पुष्टि कर दी है. उनका नाम लगातार माहिका शर्मा के साथ जोड़ा जा रहा था, जो पेशे से एक मॉडल और एक्ट्रेस हैं. अब हार्दिक ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा करते हुए माहिका के साथ अपने रिलेशनशिप का खुलकर इजहार कर दिया है. सामने आई तस्वीर में हार्दिक और माहिका समुद्र किनारे बीच पर आनंद ले रहे हैं. एक तरफ भारतीय ऑलराउंडर ने काली शर्ट के साथ शॉर्ट्स पहने हुए हैं. वहीं माहिका ने सफेद शर्ट पहनी है. उन्होंने एक-दूसरी फोटो भी साझा की है, जिसमें हार्दिक और माहिका ने एक-दूसरे के हाथ में हाथ डाला हुआ है. सूत्रों की मानें तो हार्दिक और माहिका को डेट करते हुए काफी समय बीत गया है, लेकिन पहली बार उन्होंने इसकी पब्लिक अनाउंसमेंट की है. दोनों पहली बार सुर्खियों में तब आए, जब उन्हें इसी महीने मुंबई एयरपोर्ट पर एकसाथ देखा गया था. उनका यह वीडियो खूब वायरल हुआ था.

खराब फॉर्म के चलते सूर्यकुमार यादव की टीम से छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इन दिनों अपने करियर के मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं. एशिया कप 2025 में भले ही भारत ने उनकी कप्तानी में खिताब जीता हो, लेकिन सूर्या का बल्ला पूरे टूर्नामेंट में खामोश ही रहा. अब उनकी खराब फॉर्म का असर घरेलू क्रिकेट में भी देखने को मिला है. मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने आगामी रणजी ट्रॉफी सीजन के लिए जो स्क्वॉड जारी किया है, उसमें सूर्यकुमार यादव को जगह नहीं दी गई है.

टीम से बाहर हुए सूर्या

रणजी ट्रॉफी 2025-26 का आगाज 15 अक्टूबर से होने जा रहा है. इस बार 42 बार की चैंपियन मुंबई अपनी पहली भिड़ंत जम्मू-कश्मीर से करेगी. शुक्रवार, 10 अक्टूबर को स्क्ष्ट ने 16 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान किया, लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इस टीम में सूर्यकुमार यादव का नाम शामिल नही था. सूत्रों के मुताबिक, सूर्यकुमार को बाहर करने के पीछे जो प्रमुख कारण हो सकता है, वो है उनकी हाल की कमजोर फॉर्म.

महिला विश्व कप: हरलीन देओल को गुडबाय का इशारा

साउथ अफ्रीकी गेंदबाज को आईसीसी ने फटकारा

दुबई, एजेंसी। साउथ अफ्रीकी स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा को भारत के खिलाफ मुकाबले के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आधिकारिक रूप से फटकार लगाई गई है। गुरुवार को विशाखापत्तनम में खेले गए महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट से जीत दर्ज की थी। बाएं हाथ की 24 वर्षीय स्पिनर को आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते पाया गया, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, व्यवहार, हावभाव या आक्रामक प्रतिक्रिया से संबंधित है। इस स्पिनर को आधिकारिक फटकार लगाई गई और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया। यह 24 महीने की अवधि में म्लाबा का पहला अपराध है। आईसीसी के अनुसार, लेवल 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकार, अधिकतम मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और मामले की गंभीरता के आधार पर एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं। यह घटना भारतीय पारी के 17वें ओवर में हुई, जब म्लाबा ने हरलीन देओल को आउट किया। विकेट लेने के बाद, जब भारतीय बल्लेबाज मैदान से बाहर जा रही थीं, तो म्लाबा ने उन्हें गुडबाय का इशारा किया। आईसीसी ने बयान में कहा, म्लाबा ने अपराध स्वीकार कर लिया है। उन्होंने मैच रेफरी की ओर से प्रस्तावित दंड को स्वीकारा है, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं थी। इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 49.5 ओवरों में 251 रन पर सिमट गई। ऋचा घोष ने 77 गेंदों में सर्वाधिक 94 रन बनाए, जबकि प्रतिका रावल ने 37 और स्नेह राणा ने 33 रन की पारी खेली।



इसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 48.5 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने टीम के लिए 70 रन बनाए, जबकि नादिन डी क्लार्क ने नाबाद 84 रन बनाए। इसी के साथ विश्व कप 2025 में भारत को पहली हार का सामना करना पड़ा।

चीन के दौरे पर भारतीय ए पुरुष हॉकी टीम का नेतृत्व करेंगे संजय, वरुण भी रहेंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। संजय के अलावा, टीम में शामिल एक और बड़ा नाम टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता वरुण का है। वरुण भी ड्रैग फ्लिकर और डिफेंडर है। ये मैच गांसु क्लब के खिलाफ खेले जाएंगे। चीन दौरे के लिए भारतीय ए पुरुष हॉकी टीम में ओलंपिक कांस्य पदक



विजेता वरुण कुमार और संजय को जगह दी गई है। ये दोनों खिलाड़ी 12 अक्तूबर से होने वाले इस दौरे के दौरान 20 सदस्यीय भारत ए टीम का नेतृत्व करेंगे। दोनों टीमों के बीच मुकाबले जियांग्सू प्रांत के चांगझौ शहर में खेले जाएंगे। टीम की कप्तानी पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता संजय करेंगे, जो डिफेंडर होने के साथ-साथ ड्रैग फ्लिकर भी हैं। संजय के अलावा, टीम में शामिल एक और बड़ा नाम टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता वरुण का है।

डोपिंग में फंसा गाइड

सिमरन का विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड और सिल्वर छीन जाएगा?

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया। भारत के खाते में कुल 22 मेडल आए। यह अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। हालांकि अब भारत के लिए दो मेडल जीतने वाली रेसर सिमरन शर्मा परेशानी में दिख रही हैं। सिमरन के गाइड उमर सैफी का नाम नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी की डोपिंग के कारण अस्थायी रूप से निलंबित किए गए एथलीटों की सूची में आ गया है।

उमर पर स्टेरॉयड लेने का आरोप- नाडा ने 9 अक्टूबर को जारी अपनी सूची में बताया कि उमर सैफी डोपिंग टेस्ट में फेल हुए हैं। उन पर प्रतिबंधित पदार्थ ड्रोस्टानोलोन के सेवन का आरोप है। ड्रॉस्टानोलोन एक स्टेरॉयड है। इससे एथलीट का प्रदर्शन बेहतर होता है। यह शरीर में मांसपेशियों को बढ़ाने और फैट को कम करने में मदद



करता है। वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी ने प्रदर्शन बढ़ाने वाले इस पदार्थ पर रोक लगा रखी है। इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है कि उनका परीक्षण कहां और कब किया गया था।

20 साल के उमर सैफी ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में हुई विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दृष्टिबाधित पैरा एथलीट सिमरन शर्मा के गाइड थे। सैफी की मदद से सिमरन ने महिलाओं की 100 मीटर ङ्क12 दौड़ में गोल्ड मेडल और 200 मीटर ङ्क12 दौड़ में सिल्वर मेडल जीता था। सिमरन के पति और कोच गजेंद्र शर्मा ने दावा किया कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। गजेंद्र शर्मा ने एक अखबार को बताया, यह हमारे लिए भी एक खबर है। हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, हो सकता है कि उसने विश्व चैंपियनशिप के दौरान कहीं टेस्ट कराया हो।

सिमरन का मेडल छीन जाएगा?

उमर सैफी के डोपिंग टेस्ट में फेल होने का मतलब है कि सिमरन के दोनों मेडल पर खतरा मंडरा रहा है। इंटरनेशनल पैरालंपिक समिति के डोपिंग रोधी नियमों के अनुसार, गाइड को आधिकारिक तौर पर एथलीट सहायक के रूप में माना जाता है। यदि गाइड रेसर डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन करते पाए जाते हैं तो पदक वापस लिए जा सकते हैं।

4 करोड़ मेरी सेलिब्रिटी फीस थी

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी की सफाई



मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने ीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के लाफ दर्ज 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में व तेज कर दी है। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह शिल्पा शेट्टी का ान दर्ज किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, शिल्पा शेट्टी ने ने बयान में कहा कि उन्होंने बेस्ट डील टीवी से 4 करोड़ रुपए ए, लेकिन यह रकम किसी निवेश या कारोबारी सौदे की नहीं बल्कि उनकी सेलिब्रिटी फीस थी। शिल्पा शेट्टी ने वकर्ताओं से कहा कि मैं बेस्ट डील टीवी की डायरेक्टर जरूर लेकिन जिन 4 करोड़ रुपए की बात हो रही है, वो मैंने कंपनी प्रचार और विज्ञापन के लिए बतौर सेलिब्रिटी लिए थे। मैंने उस टफॉर्म पर एक विज्ञापन अभियान में हिस्सा लिया था, जिसके ज में मुझे भुगतान किया गया। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी बताया कि शिल्पा शेट्टी ने कंपनी से जनवरी 2016 में अपने रेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, जिस कंपनी में वे रेक्टर थीं, उसी से पैसे लेने का मामला अब जांच के दायरे में यह सही है या गलत, यह अभी सब्जेक्ट टू इंटरप्रिटेशन है। अधिकारी ने आगे कहा कि जांच के दौरान कंपनी से जुड़े ावेजों की पड़ताल में एक और अहम जानकारी सामने आई शुरुआती चरण में इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय ार भी इक्विटी होल्डर रह चुके हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह स्पष्ट किया कि इस मामले में अक्षय कुमार का कोई प्रत्यक्ष ंध नहीं पाया गया है। अक्षय कुमार ने कभी भी कंपनी की सी बोर्ड मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया और न ही वे कंपनी के ामर्रा के कार्यों से जुड़े थे। बता दें कि शिल्पा शेट्टी और उनके ा राज कुंद्रा पर व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा है कि दंपति ने मिलकर का पैसा व्यवसाय में विस्तार करने के लिए कर्ज के तौर पर या था, लेकिन टैक्स को लेकर दोनों ने इसे निवेश के तौर पर ाने के लिए कहा।

कोठारी ने शिकायत में यह भी कहा कि शिल्पा ने उनसे वादा या था कि वह ब्याज की रकम भी टाइम पर लौटाएंगी, लेकिन वापस करने के समय शिल्पा ने कंपनी के डायरेक्टर पद से ीफा दे दिया। एक्ट्रेस ने व्यवसाय में विस्तार के नाम पर पैसे ए, लेकिन अपने निजी चीजों में खर्च कर दिए।

पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचे सुनील शेट्टी



पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एक्टर ने कोर्ट से मांग की है कि बिना अनुमति के उनके फोटो का इस्तेमाल जुए की साइट्स, बिजनेस साइट्स और कई गलत जगहों पर किया जा रहा है, ऐसे में उन्हें पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा दी जाए। सुनील शेट्टी के वकील, वरिष्ठ एडवोकेट बिरेन्द्र सराफ ने कहा कि सुनील शेट्टी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं और उनकी बिना इजाजत के उनकी तस्वीरें, वीडियो और डीपफेक कंटेंट का इस्तेमाल अलग-अलग बिजनेस साइट्स कर रही हैं। ज्यादा तस्वीरें और वीडियो का इस्तेमाल प्रोडक्ट के विज्ञापन और सेल को बढ़ाने में किया जा रहा है, जिससे ऐसा लगता है कि शेट्टी इन ब्रांड्स या सेवाओं से जुड़े हैं, जबकि हकीकत में उनका उन ब्रांड से कोई लेना-देना नहीं है। इससे दर्शकों के बीच एक्टर की छवि को लेकर गलत मैसेज जाता है। सुनील शेट्टी की तरफ से दायर की गई याचिका में डीपफेक फोटो का भी जिक्र है। याचिका में बताया गया कि हाल ही में साइट्स पर उनकी और उनकी नातिन ईवारा की फर्जी फोटो लगाकर उनकी निजता का उल्लंघन किया गया। बता दें कि ईवारा एक्टर की बेटी अथिया की बेटी हैं, जिन्हें उन्होंने 24 मार्च 2025 को जन्म दिया था। याचिका में सुनील शेट्टी की तरफ से वेबसाइट्स पर कार्रवाई की मांग की गई है।



फेस्टिव सीज़न में क्या पहनना है?

राशि खन्ना हैं आपकी परफेक्ट स्टाइल गाइड!

अ त्योहारों का मौसम शुरू होते ही सबकी नज़रें पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना पर टिकी हैं, जिनका बेमिसाल एथनिक वॉर्डरोब स्टाइल इंस्पिरेशन से कम नहीं। हवादार कुर्ता सेट से लेकर शाही साड़ियों और खूबसूरत लहंगों तक, राशि हमें दिखाती हैं कि कैसे पारंपरिक फैशन को ग्रेस, ग्लैमर और मॉडर्न ट्विस्ट के साथ अपनाया जा सकता है। यहाँ हैं उनके कुछ सबसे खूबसूरत फेस्टिव लुक्स, जो आपके अपने फेस्टिव स्टाइल गेम को एक नया आयाम देंगे। गुलाबी रंग में सुंदर-वाइब्रेंट कुर्ता चिक राशि ने इस लुक में सादगी और शान का परफेक्ट मेल पेश करती हैं – फ्यूशिया पिंक कुर्ता सेट, जिस पर नाजुक कढ़ाई की गई है। ट्रेडिशनल जुत्तियों और स्टेटमेंट इयररिंग्स के साथ यह लुक उतना ही सहज है जितना कि एलीगेंट। परिवारिक समारोहों, पूजा या छोटे फेस्टिव गेट-टुगेदर्स के लिए यह एकदम परफेक्ट चॉइस है। राशि का यह मस्टर्ड कुर्ता लुक सादगी और एलिगेंस का एक बेहतरीन उदाहरण है। सफेद धागों की कढ़ाई और पारंपरिक चूड़ियाँ इसमें एक नर्म आकर्षण जोड़ती हैं, जो दिन के उत्सवों या कैजुअल फेस्टिव इवेंट्स के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

शादी की खबरों पर तृषा कृष्णन का रिएक्शन

● हनीमून को लेकर कह दी यह बात; लिखा- उन लोगों से प्यार है...

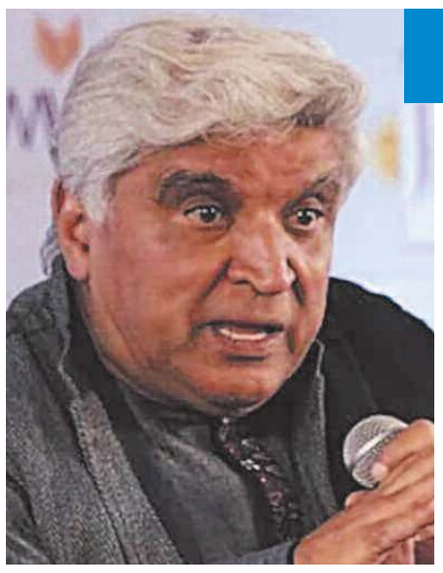
हाल ही में साउथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन को लेकर एक खबर चल रही हैं कि वो किसी व्यवसायी से शादी करने वाली हैं। अब एक्ट्रेस ने इसपर टिप्पणी की है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

साउथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की निजी जिंदगी को लेकर एक खबर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें कहा जा रहा है कि वो चंडीगढ़ के एक व्यवसायी से शादी करने वाली हैं। हालांकि अब एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसे लेकर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने हनीमून का भी जिक्र भी किया है। बस इंतजार है हनीमून अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने अपनी निजी जिंदगी और शादी से जुड़ी अटकलों पर बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर मजाकिया अंदाज में एक स्टोरी साझा की है। उन्होंने कहा, 'मुझे अच्छा लगता है जब लोग मेरे लिए मेरी जिंदगी की योजना बनाते हैं। बस इंतजार है कि वे हनीमून भी तय करें।'



क्या उड़ी थी अफवाह?

सियासत डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, तृषा कृष्णन के माता-पिता चंडीगढ़ के एक व्यवसायी के साथ उनकी नई शादी के लिए राजी हो गए हैं। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इस खबर से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है और कहा जा रहा है कि दोनों परिवार कथित तौर पर कई साल से एक-दूसरे को जानते हैं।



दोहरे अर्थ वाले गानों के बारे में भी की बात

अश्लीलता वाली फिल्मों की मंजूरी पर जावेद अख्तर ने उठाया सवाल

गीतकार जावेद अख्तर ने फिल्मों की सेंसरशिप पर अपनी राय रखी है। उन्होंने दोहरे अर्थ वाले गानों के बारे में भी बात की है। आइए जानते हैं उनके विचार। मशहूर गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्मों की सेंसरशिप पर बात रखी है। उन्होंने इस बात पर निराशा जताई है कि समाज की वास्तविकता को दर्शाने वाली फिल्मों को भारत में सेंसरशिप का सामना करना पड़ता है, जबकि अश्लीलता से भरपूर फिल्मों को मंजूरी मिल जाती है।

अश्लील फिल्मों को मिलती है मंजूरी

शुक्रवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए, अख्तर ने कहा कि खराब दर्शक ही एक खराब फिल्म को सफल बनाते हैं। अनंतरंग 2025 के प्रोग्राम में बोलते हुए उन्होंने कहा इस देश में, सच्चाई यह है कि अश्लीलता को (फिल्म नियामक संस्थाओं से) मंजूरी मिल जाती है। उन्हें पता ही नहीं है कि ये गलत मूल्य हैं, एक पुरुषवादी दृष्टिकोण है जो महिलाओं को अपमानित करता है। जो चीजें समाज को आईना दिखाती हैं, उन्हें मंजूरी नहीं मिलती।

फिल्में समाज की खिड़की हैं

जावेद अख्तर ने कहा फिल्म समाज की एक खिड़की होती है, जिससे आप झांकते हैं, फिर खिड़की बंद कर देते हैं, लेकिन खिड़की बंद करने से जो हो रहा है, वह ठीक नहीं हो जाएगा। उन्होंने कहा पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य की वजह से ही ऐसी फिल्में बन रही हैं। अगर पुरुषों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो जाए, तो ऐसी फिल्में नहीं बनेंगी। अगर बन भी जाएंगी तो (सिनेमाघरों में) नहीं चलेंगी।

इंटरनेशनल म्यूज़िक फेस्टिवल अनटोल्ड

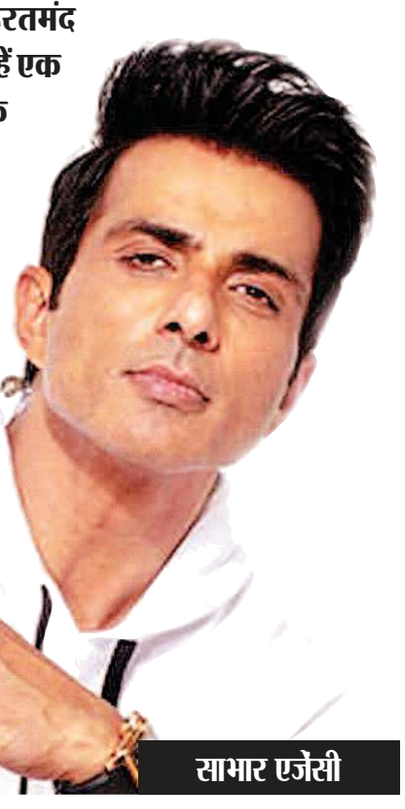
दुबई 2025 में ग्लोबल स्टार नोरा फतेही मुख्य होंगी आकर्षण



ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह दुनिया के सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित म्यूज़िक फेस्टिवल्स में से एक UNTOLD दुबई 2025 के स्टार-स्टडेड लाइनअप में शामिल होंगी। यह फेस्टिवल 6 से 9 नवम्बर तक एक्सपो सिटी दुबई में आयोजित होगा, जहां नोरा, जे बाल्विन, मार्टिन गैरिक्स और एलन वॉकर सहित विश्व के कुछ सबसे बड़े संगीत हस्तियों के साथ मंच साझा करेंगी। यह फेस्टिवल, जो अपनी भव्य प्रस्तुति, विविध कलाकारों की मौजूदगी और अद्भुत अनुभव के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, इस वर्ष अपने शानदार अंदाज़ में वापसी कर रहा है, और नोरा का मुख्य परफॉर्मेंस इस फेस्टिवल की सबसे बड़ी आकर्षणों में से एक होने वाली है। दर्शक उम्मीद कर सकते हैं एक हाई-एनर्जी प्रस्तुति की, जिसमें नोरा की सिग्नेचर डांस एनर्जी, पॉप स्टाइल और इंटरनेशनल साउंड का अनोखा संगम देखने को मिलेगा – जो एक ग्लोबल परफ़ॉर्मर के रूप में नोरा के विकास को दर्शाता है। ओह मामा! टेटेमा और स्नेक जैसे चार्ट-टॉपिंग हिट्स से लेकर जेसन डेरुलो और रेवनी के साथ ग्लोबल कोलैबोरेशन तक, और अब जल्द ही रिलीज होने वाली सॉन्ग शेनसीया के साथ उनके बहुप्रतीक्षित आगामी अंतर्राष्ट्रीय पॉप सिंगल जस्ट अ गर्ल तक, नोरा फतेही संगीत और प्रदर्शन के माध्यम से संस्कृतियों को जोड़ती रही हैं।

सोनू सूद फिर जरूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आए

अपनी अटूट करुणा और संवेदनशीलता की एक और दिल छू लेने वाली मिसाल पेश करते हुए अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद एक बार फिर एक ज़रूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आए। एक सोशल मीडिया यूजर ने उन्हें एक मैसेज भेजा, जिसमें याद दिलाया गया कि सोनू सूद पंजाब की बाढ़ के समय इसी परिवार से मिले थे। संदेश में लिखा था —सोनू सूद भाई, आप इस परिवार से पंजाब बाढ़ के समय मिले थे। कृपा करके इन्हें मदद करें। करोड़ों लोगों की मदद की है आपने।



सूद फाउंडेशन अपने 'एक्शन मैन' वाली पहचान को साबित करते हुए सोनू सूद ने तुरंत इस अपील का जवाब दिया। बिना किसी देरी के उन्होंने भरोसा दिलाया कि मदद पहले से ही चल रही है, और जवाब दिया, इलाज शुरू करवा दिया है। सब दुआ करते रहें। उनकी प्रतिक्रिया की सरलता और तत्परता ने एक बार फिर संकटग्रस्त लोगों के प्रति उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण और सच्ची प्रतिबद्धता को उजागर किया। सोनू के लिए, परोपकार एक दिखावा नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। पिछले कुछ वर्षों में, सोनू सूद देश भर के अनगिनत लोगों के लिए आशा और मानवता के प्रतीक बन चुके हैं। चाहे चिकित्सा सहायता दिलवाना हो, आर्थिक मदद पहुँचानी हो या आपदाग्रस्त परिवारों को संभालना – उनकी संस्था सूद फाउंडेशन के माध्यम से किए गए निरंतर प्रयास आज भी लाखों लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। एक बार फिर, उनके काम ने यह साबित कर दिया कि असली हीरो वही होता है जो संवेदना और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता है।

साभार एजेंसी